स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, शुक्रवार
27 जून, 2025
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष 2
सं. 2082 वि.
वर्ष 78, अंक - 305 पृष्ठ 12
संस्करण : नगर

मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

ऋषभ पंत की तुलना विराट से होनी चाहिए : अश्विन

शुभांशु पहुंचे स्पेस स्टेशन, बिताएंगे 14 दिन

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और अन्य यात्रियों को लेकर स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया है। अंतरिक्ष यान करीब 28.5 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून गुरुवार को भारतीय समय के अनुसार शाम करीब 4:01 बजे आईएसएस से जुड़ा। डॉकिंग अनुक्रम भारतीय समयानुसार शाम 4:15 बजे पूरा हुआ। अंतरिक्ष यान के सॉफ्ट कैप्चर के बाद हार्ड-मेटिंग तब पूरी हुई जब दोनों ऑर्बिट बॉडी 12 हुक के सेट के साथ एक दूसरे से जुड़ गई और उनके बीच संचार और पावर लिंक स्थापित किए गए। यह पहली बार है जब कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा पर गया है। अंतरिक्ष यात्रियों के अंतरिक्ष स्टेशन पर चढ़ने से पहले हैच खोलने की प्रक्रिया में लगभग दो घंटे लगते हैं।

आईएसएस में गर्मजोशी से स्वागत

28 घंटे की उड़ान के बाद शुभांशु शुक्ला और उनकी टीम का आईएसएस में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उनका वेलकम इस समय रह रहे सात अंतरिक्ष यात्रियों ने किया। इनमें तीन नासा से हैं और एक जापान से और तीन रूसी अंतरिक्ष यात्री हैं।

6 बार टाला गया एक्सियम-4 मिशन

29 मई को ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के तैयार नहीं होने के कारण लॉन्चिंग टाल दी गई। इसे 8 जून को शेड्यूल किया गया। फाल्कन-9 रॉकेट लॉन्च के लिए तैयार नहीं था। नई तारीख 10 जून दी गई। फिर से इसे मौसम खराब होने की वजह से टाला गया। चौथी बार 11 जून को मिशन शेड्यूल किया गया। इस बार आक्सीजन लीक हो गई। नई तारीख 19 जून दी गई। मौसम की अनिश्चितता, क्रू मेंबर्स की सेहत के कारण टल गया। छठी बार मिशन को 22 जून के लिए शेड्यूल किया गया। आईएसएस के ज्वेज्दा सर्विस मॉड्यूल के मूल्यांकन करने के लिए अतिरिक्त समय चाहिए था। इसलिए मिशन टल गया।

अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन मिशन कमांडर हैं और शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के लिए मिशन पायलट हैं। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट ने बुधवार दोपहर 12:01 बजे एक्सिओम-4 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से आईएसएस के लिए सफल उड़ान भरी थी।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन क्या है?

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पृथ्वी के चारों ओर घूमने वाला एक बड़ा अंतरिक्ष यान है। इसमें एस्ट्रोनॉट रहते हैं और माइक्रो ग्रेविटी में एक्सपेरिमेंट करते हैं। यह 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रैवल करता है। यह हर 90 मिनट में पृथ्वी की परिक्रमा पूरी कर लेता है। 5 स्पेस एजेंसीज ने मिलकर इसे बनाया है। स्टेशन का पहला पीस नवंबर 1998 में लॉन्च किया गया था।

भारत को कितनी लागत आई?

मिशन पर भारत ने अब तक करीब 548 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसमें शुभांशु और उनके बैकअप ग्रुप कैप्टन प्रशांत नायर की ट्रेनिंग का खर्च भी शामिल है। ये पैसे ट्रेनिंग, उपकरण और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी में लगे हैं।

शुभांशु ने अंतरिक्ष से भेजा संदेश यह व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं

नमस्ते फ्रॉम स्पेस! मैं अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यहां आकर बहुत उत्साहित हूं। सच कहूं तो, जब मैं कल लॉन्चपैड पर कैप्सूल में बैठा था। 30 दिन के क्वारंटाइन के बाद, मैं बस यही चाहता था कि अब चल पड़ें। लेकिन जब यात्रा शुरू हुई, तो ऐसा लगा जैसे आपको सीट में पीछे धकेला जा रहा हो। यह एक अद्भुत राइड थी.. और फिर अचानक सब कुछ शांत हो गया। आपने बेल्ट खोली और आप वैक्यूम की शांति में तैर रहे थे। मैं हर उस व्यक्ति को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो इस यात्रा का हिस्सा रहा है। मैं समझता हूं कि यह कोई व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह आप सभी की सामूहिक उपलब्धि है, जो इस यात्रा का हिस्सा रहे हैं। मैं आप सभी को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। परिवार और दोस्तों को भी.. आपका समर्थन बहुत मायने रखता है। यह सब आप सभी की वजह से संभव हुआ है।

स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल की सफल डॉकिंग पर केंद्रीय मंत्री ने बधाई दी

उन्होंने ट्वीट कर लिखा, बधाई हो...एक्सिओम-4 डॉकिंग सफल रही। शुभांशु अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के द्वार पर खड़े हैं। भीतर कदम रखने के लिए तैयार, 14 दिनों की अंतरिक्ष यात्रा शुरू होने वाली है..और पूरा विश्व उत्साह और अपेक्षा के साथ देख रहा है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफल उड़ान भरने के साथ ही नया इतिहास रच दिया। तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ रवाना हुए शुभांशु की यह यात्रा 41 साल बाद किसी भारतीय की पहली अंतरिक्ष यात्रा है। आईएसएस की यात्रा करने वाले वह पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं। इससे पहले 1984 में राकेश शर्मा सोवियत संघ के सल्युत-7 स्पेस स्टेशन पर आठ दिन रहे थे। शुभांशु शुक्ल एग्जियोम मिशन के दौरान अपने साथ इसरो से जुड़े कई उपकरण, एक्सपेरिमेंट के लिए जरूरी वस्तुएं, पौधे और जीवाश्वों को ले गए हैं। इसके जरिए शुभांशु कई प्रयोगों को अंजाम देंगे, जो कि भारत के पहले अंतरिक्ष मिशन- गगनयान के लिए अहम साबित होंगे। इसके अलावा शुभांशु अपने साथ विशेष तौर पर बनाया गया भारतीय खाना भी ले गए हैं। इनमें आम रस, मूंग दाल का हलवा, गाजर का हलवा और चावल से बनी कई चीजें शामिल हैं। यह पहली बार होगा, जब अंतरिक्ष में भारतीय खाना भी पहुंचा है।

एग्जियोम मिशन में क्या होगी शुभांशु की भूमिका?

शुभांशु शुक्ल इस मिशन में पायलट के तौर पर आईएसएस भेजे जा रहे हैं। यानी जिस ड्रैगन कैप्सूल के जरिए एग्जियोम-4 मिशन को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) रवाना किया जाएगा, शुभांशु उसको गाइड करने (नैविगेशन) में अहम भूमिका निभाएंगे। यहां स्पेसक्राफ्ट को आईएसएस पर डॉक कराने से लेकर अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पहुंचाने तक की जिम्मेदारी शुभांशु के ही कंधों पर होगी।

भारत को कैसे होगा मिशन से फायदा?

अंतरिक्ष में होने वाले एक्सपेरिमेंट

एग्जियोम मिशन पर भारत को सबसे ज्यादा फायदा आईएसएस पर शुभांशु शुक्ल की तरफ से किए जाने वाले एक्सपेरिमेंट्स के जरिए होगा। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, शुभांशु आईएसएस पर कुल सात एक्सपेरिमेंट्स करेंगे। इन सभी प्रयोगों के जरिए अंतरिक्ष और पृथ्वी में जीवन के फर्क को लेकर अहम जानकारियां मिलेंगी।

छह फसलों के बीज का परीक्षण

शुभांशु आईएसएस पर छह तरह की फसलों के बीच साथ लेकर गए हैं। अपने 14 दिन के सफर के दौरान वे इन बीजों के माइक्रोग्रैविटी में विकास को लेकर अहम जानकारी इकट्ठा करेंगे। इस प्रयोग का मकसद आने वाले समय में अंतरिक्ष में खेती करने के विकल्पों को तलाशना होगा।

काई के इस्तेमाल पर एक्सपेरिमेंट

शुभांशु अपने मिशन के लिए माइक्रोएल्गी यानी काई के तीन स्ट्रेन लेकर पहुंचे हैं। वे कम गुरुत्वाकर्षण के बीच इन्हें खाने, ईंधन और लंबी अवधि के अंतरिक्ष मिशन के दौरान जीवन बचाने के विकल्प के तौर पर प्रयोग में लाएंगे।

कठिन परिस्थितियों में जीवाश्मों के सुरक्षित रहने पर

एग्जियोम-4 के मिशन में शुभांशु टार्डीग्रेड्स (एक तरह का छोटा जीव, जो कि चरम स्थितियों में भी खुद को सामान्य रख सकता है) पर परीक्षण करेंगे। इसके जरिए यह जानने की कोशिश की जाएगी कि अंतरिक्ष के खतरनाक माहौल में कौन से जीवाणु सुरक्षित रह सकते हैं।

मांसपेशियों के कमजोर होने पर

एक और प्रयोग के जरिए यह जानने की कोशिश की जाएगी कि शून्य गुरुत्वाकर्षण में इंसानों में मांस कैसे कम होता है और इससे निपटा कैसे जा सकता है। आमतौर पर लंबी अवधि के मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को मसल एट्रोफी यानी मांस घटने की शिकायत आती है। ऐसे में अंतरिक्षयात्रियों पर पाचन से जुड़े सप्लीमेंट्स का असर देखा जाएगा।

आंखों पर पड़ने वाला प्रभाव

एग्जियोम-4 मिशन के दौरान एक स्टडी माइक्रोग्रैविटी के आंखों पर पड़ने वाले प्रभाव पर भी की जाएगी। इस रिसर्च में यह पता लगाया जाएगा कि अंतरिक्ष में एस्ट्रोनॉट्स की आंखों की पुतलियों का मूवमेंट किस हद तक प्रभावित होता है। साथ ही इससे किसी की तनाव और सजगता कितनी प्रभावित होती है।

अलग-अलग फसलों की पोषण गुणवत्ता

मिशन के दौरान कुछ बीजों को अंकुरित करने का प्रयास किया जाएगा। इनके पोषक तत्वों को भी मापा जाएगा, जिससे पृथ्वी और जीरो ग्रैविटी में पैदा हुई फसलों के पोषण में अंतर को समझने का प्रयास किया जाएगा। यह प्रयोग भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों के बोझ को घटाएगा, क्योंकि अगर अंतरिक्ष में फसलें बराबर या ज्यादा मात्रा में पोषक होती हैं, तो इन्हें वहीं उगाने की कोशिश की जाएगी।

यूरिया और नाइट्रेट में सायनोबैक्टेरिया का इस्तेमाल

शुभांशु शुक्ल के सबसे कठिन प्रयोगों में से यह एक रहेगा। दरअसल, अंतरिक्ष में खाना, पानी और ऑक्सीजन की उपलब्धता बड़ी समस्या रही है। खासकर लंबी अवधि के अभियानों के लिए। ऐसे में वैज्ञानिक काफी समय से आईएसएस पर ही इन चीजों की व्यवस्था की कोशिशों में जुटे हैं। अब यूरिया और नाइट्रेट में सायनोबैक्टीरिया का इस्तेमाल कर वैज्ञानिक यह देखने की कोशिश में हैं कि क्या अंतरिक्ष की जीरो ग्रैविटी में खाना और ऑक्सीजन एक साथ पैदा किए जा सकते हैं। गौरतलब है कि यूरिया और नाइट्रेट दोनों ही खाना बनाने के लिए अहम हैं।

राजनाथ सिंह ने एससीओ समिट में दस्तावेज पर नहीं किए साइन

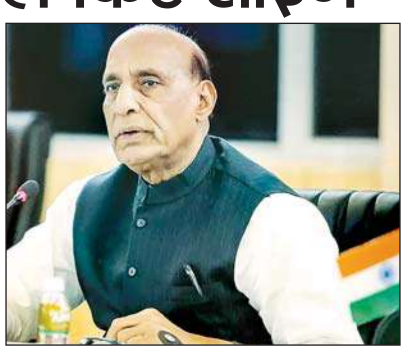

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्सह्व यानी शंघाई सहयोग संगठन में दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। अब विदेश मंत्रालय ने इस मुद्दे को विस्तार से बात की है। विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक में संयुक्त बयान को लेकर कई मुद्दों, खासतौर पर आतंकवाद को लेकर आम सहमति नहीं बन पाई है, इसी वजह इस पर हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं।

आतंकवाद को लेकर आम सहमति नहीं बन पाई

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हमारे रक्षा मंत्री ने भाग लिया था। दो दिन चली यह बैठक आज समाप्त हो गई है। चूंकि कुछ सदस्य देश संयुक्त बयान के प्रस्ताव पर आम सहमति नहीं बना सके और इसलिए दस्तावेजों को औपचारिक रूप नहीं दिया जा सका।

जायसवाल ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, हमारी ओर से यह बताया गया कि भारत चाहता है कि संयुक्त बयान में आतंकवाद पर हमारी चिंताओं को दर्शाया जाए.. लेकिन इस बात को लेकर एक खास देश ने अपनी असहमति जताई, जिसके बाद बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए गए।

जायसवाल ने एससीओ समिट में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा दिए गए बयान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रक्षामंत्री ने समिट में मौजूद सभी सदस्यों से आतंकवाद के मुद्दे पर एकजुट होने और आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने का आग्रह किया। जायसवाल ने कहा, रक्षामंत्री ने वहां पर यह भी दोहराया कि सीमा पार से होने वाले आतंकवाद और इसके अपराधियों, आयोजकों और वित्तपोषकों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

इतना ही नहीं रक्षा मंत्री ने चीन की धरती से पाकिस्तान को भी खूब लताड़ लगाई थी। ऑपरेशन सिंदूर की तरफ संकेत करते हुए उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद को अब कतई बर्दाश्त न करने की नीति अपना रहा है।

चुनाव आयोग महाराष्ट्र की मतदाता सूची, वीडियो फुटेज मुहैया कराये

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर आरोप लगाने के बाद चुनाव आयोग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी चुनाव आयोग ने उन्हें बातचीत के लिए बुलाया है। वहीं कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग से महाराष्ट्र की मतदाता सूची की डिजिटल कॉपी और महाराष्ट्र और हरियाणा दोनों के मतदान दिवस का वीडियो फुटेज एक सप्ताह के भीतर मांगा है। कांग्रेस का कहना है कि डेटा मिलने के बाद वे ईसी से मिलेंगे और अपना विश्लेषण पेश करेंगे। राहुल गांधी ने पहले ईसी से लोकसभा और सभी राज्यों की विधान सभाओं के सबसे हालिया चुनावों के लिए समेकित, डिजिटल, मशीन-पठनीय मतदाता सूची प्रकाशित करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा था कि 'सच बोलने' से चुनाव पैनल की विश्वसनीयता बनी रहेगी।

कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग को लिखे पत्र में कहा है, 'हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप हमें महाराष्ट्र की मतदाता सूचियों की मशीन-पठनीय, डिजिटल कॉपी और महाराष्ट्र और हरियाणा के मतदान दिवस का वीडियो फुटेज इस पत्र की तारीख से एक सप्ताह के भीतर प्रदान करें। यह एक पुरानी मांग है जिसे ईसी के लिए पूरा करना आसान होना चाहिए। कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व यह सब मिलने के बाद ईसी से मिलने में खुशी महसूस करेगा। उस बैठक में, हम आपको अपने विश्लेषण के निष्कर्ष भी प्रस्तुत करेंगे।कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी पार्टी की मांग को दोहराया। उन्होंने महाराष्ट्र मतदाता सूची की मशीन-पठनीय डिजिटल कॉपी और महाराष्ट्र और हरियाणा के मतदान दिवस के वीडियो फुटेज की मांग की।

हरियाणा समेत 18 जगहों पर एनआईए की रेड

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी साज़िश मामले में आज हरियाणा समेत देशभर में कुल 18 जगहों पर रेड मारी है. इसमें हरियाणा के 7, पंजाब के 9 और उत्तर प्रदेश के दो जगहों पर छापेमारी की जा रही है। आतंकवाद को लेकर सख्त कदम उठाते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आज बड़ी छापेमारी कर डाली है. हरियाणा के करनाल समेत 7 जगहों पर रेड मारी है. एनआईए ने करनाल की पुलिस लाइन, कुंजपुरा और घरौंडा में छापेमारी की. एक पुलिसकर्मी के आवास पर कई घंटों से पूछताछ चल रही है। एनआईए ने पंजाब में आपराधिक गतिविधियों से जुड़े वित्तीय लेनदेन के सिलसिले में करनाल के आरके पुरम इलाके में भी छापेमारी की. एजेंसी ने अशोक भाटिया के परिवार से पूछताछ की जिनके बेटे ने अमेरिका में रहकर कथित तौर पर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले एक व्यक्ति को पैसा ट्रांसफर किया था. छापेमारी और पूछताछ करीब 3 घंटे तक चली है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में 2 महिला नक्सली मुठभेड़ में ढेर

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में गुरुवार तड़के सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 2 महिला नक्सलियों को मार गिराया गया है। घटनास्थल से इंसास राइफल सहित बड़ी मात्रा में नक्सली सामान बरामद हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों का ऑपरेशन अभी भी क्षेत्र में जारी है। संभावना जताई जा रही है कि मुठभेड़ में अन्य नक्सलियों को भी नुकसान पहुंचा है। इलाके में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है और सर्चिंग अभियान तेज कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी शांत होने के बाद इलाके में छानबीन की गई तो 2 महिला नक्सलियों के शव के साथ दवाएं, एक इंसास राइफल, एक 315 राइफल और नक्सली साहित्य बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि अबूझमाड़ एक दुर्गम क्षेत्र है, जहां माड़ डिवीजन पर कार्रवाई नक्सलियों के लिए बड़ा झटका है। अभी कोहकामेटा थाना क्षेत्र में भी सघन अभियान चल रहा है। पूरे इलाके में तलाशी अभियान जोरों पर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक भारत को नक्सल मुक्त बनाने का वादा किया है, इसी के तहत छत्तीसगढ़, झारखंड और इससे जुड़ी सीमाओं पर बड़ा अभियान चल रहा है। इस साल जनवरी से लेकर अभी तक 200 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया गया है।

जम्मू-कश्मीर आतंकियों के साथ मुठभेड़

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की खबर सामने आई है। दोनों तरफ से भीषण गोलीबारी हो रही है। मुठभेड़ बसंतगढ़ के कुरु नाला इलाके में हो रही है, जहां सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान के जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के आतंकियों को घेर लिया है। अभियान पर भारतीय सेना की 6 पैरा स्पेशल फोर्स तैनात है। यहां 3 से 4 आतंकियों के छिपे होने की खबर है।

केदारनाथ यात्रा पर मौसम ने लगाया ब्रेक, सोनप्रयाग में रोके गए श्रद्धालु

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में जोरदार बारिश हो रही है. बारिश के कारण चारधाम यात्रा भी प्रभावित हो रही है. बरसात में सबसे ज्यादा असर केदारनाथ यात्रा पर देखने को मिल रहा है. रुद्रप्रयाग जिले में बीते तीन दिनों से रुक-रुक कर बारिश हो रही है।

गुरुवार 26 जून को भी तेज बारिश के कारण केदारनाथ यात्रा का मुख्य पड़ाव सोनप्रयाग-मुनकटिया मार्ग भी भूस्खलन के कारण कई स्थानों पर अवरुद्ध हो गया है। प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर केदारनाथ जाने वाले सभी यात्रियों को सोनप्रयाग में ही रोक दिया है. इसी के साथ प्रशासन ने केदारनाथ से नीचे लौट रहे यात्रियों के सुरक्षित रेस्क्यू के लिए भी एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीमें तत्काल मौके पर रवाना की है. रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार 26 जून को सुबह 11 बजे तक कुल 1269 यात्रियों को सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाया जा चुका है, जिनमें 833 पुरुष और 436 महिला श्रद्धालु शामिल हैं. यह रेस्क्यू अभियान अत्यंत व्यवस्थित, संवेदनशील और समयबद्ध रूप से संचालित किया गया, जिससे किसी भी यात्री को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

फिर खुले कामाख्या मंदिर के कपाट

गुवाहाटी। असम की नीलाचल पहाड़ियों पर स्थित भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक कामाख्या मंदिर ने गुरुवार सुबह अपने कपाट पुनः खोल दिए. बता दें, चार दिवसीय विराम के बाद मंदिर के कपाट खोले गए हैं. यह अवसर केवल मंदिर के खुलने भर का नहीं था, बल्कि अंबुबाची महापर्व के विधिवत समापन का भी प्रतीक था - एक ऐसा पर्व जो देवी कामाख्या के मासिक धर्म और स्त्रीत्व की पवित्रता को समर्पित है. मंदिर के गर्भगृह के द्वार सुबह 5:00 बजे आम भक्तों के लिए खोले गए।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश

ब्लैक बॉक्स का डेटा रिकवर

नई दिल्ली। अहमदाबाद में 12 जून को क्रैश हुए एअर इंडिया विमान के ब्लैक बॉक्स के डेटा को रिकवर कर लिया गया है। सरकारी बयान में गुरुवार को बताया गया कि डेटा डाउनलोड हो गया है। मेमोरी मॉड्यूल का एक्सेस भी मिल गया है। अब जांच एजेंसी ब्लैक बॉक्स से रिकवर हुए डेटा का विश्लेषण (एनालिसिस) करेगी। इससे हादसे के कारणों का पता चलेगा। इससे पहले 24 जून को नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने बताया था कि ब्लैक बॉक्स को जांच के लिए विदेश नहीं भेजा जा रहा। इसकी जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो कर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, क्रैश प्लेन से दो ब्लैक बॉक्स सेट मिले हैं। इनमें हादसे के समय पायलटों की बातचीत और विमान की तकनीकी जानकारी का रिकॉर्ड मिलेगा। पहला सेट 13 जून को और दूसरा 16 जून को बरामद किया गया।

हिमाचल में बाढ़ ने मचाया कोहराम

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने दस्तक देते ही तबाही मचाना शुरू कर दी है. 25 जून को हिमाचल में कई जगहों पर बादल फटने और बाढ़ आने की घटनाएं सामने आई. कुल्लू के सैंज में बादल फटने से नदी-नाले उफान पर हैं. जिसमें 3 लोग बह गए. वहीं, धर्मशाला के खनियारा में बाढ़ में 8 लोग बह गए. 2 मजदूरों के शव मिल गए हैं, जबकि 6 अभी भी लापता हैं. इसके अलावा मंडी जिले में ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ गया है. मंडी मं जलस्तर बढ़ने से पंडोह डैम के तीन गेट खोले गए। हिमाचल प्रदेश में इस बार भी मानसून तबाही लेकर आया है. बुधवार को हुई भारी बारिश में हिमाचल में कई जगह बादल फटने और बाढ़ आने जैसी घटनाएं हुई. जिसके चलते 8 लोग बाढ़ में बहने से लापता हो गए हैं. जबकि 3 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं. कुल्लू के सैंज में बादल फटने से 3 लोग लापता हो गए. जिनकी तलाश में एनडीआरएफ की टीमें जुटी हुई हैं. इसके अलावा धर्मशाला में 8 लोग बाढ़ में बहे थे. जिनमें से 2 का शव बुधवार को ही बरामद कर लिया गया था. जबकि एक मजदूर का शव आज मिला है. अभी भी यहां 5 लोग लापता हैं।

अलकनंदा में गिरी तीर्थ यात्रियों की बस, 3 की मौत

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में भयानक हादसा हुआ है. बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर घोलतीर में एक बस अलकनंदा नदी में गिर गई है. इस हादसे से हड़कंप मच गया है. बस उफनती अलकनंदा नदी में समा गई है. इस बस में 19 तीर्थ यात्री बताए जा रहे हैं. चालक समेत कुल 20 लोग सवार थे. 3 यात्रियों की मौत की खबर है.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस हादसे के दौरान 10 लोग छिटककर पहाड़ी पर अटक गए. 3 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई है. बाकी 9 लोगों की खोजबीन जारी है. राहत और बचाव दल मौके पर पहुंच गए हैं. हादसा तब हुआ जब बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर घोलतीर के पास एक बस अनियंत्रित होकर सीधे अलकनंदा नदी में समा गई. यह गाड़ी तीर्थयात्रियों को लेकर बदरीनाथ धाम की ओर जा रही थी. हादसे के दौरान इसमें सवार 10 यात्री पहाड़ी पर ही छिटक गए और घायल हो गए, जबकि अन्य यात्रियों के बस के साथ नदी में जा गिरे.

दुर्घटना की सूचना मिलते ही घोलतीर पुलिस चौकी से पुलिस बल और रुद्रप्रयाग से एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया. नदी का तेज बहाव राहत और बचाव कार्य में चुनौती बना हुआ है।

एक्सप्रेसवे से नीचे गिरी बस, 2 की मौत

इटावा। बिहार के मधुबनी से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस गुरुवार को आगरा एक्सप्रेसवे पर रेलिंग तोड़ते हुए सड़क से नीचे गिर गई। हादसे में 2 यात्रियों की मौत हुई है। हादसा इटावा के सैफई थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 103 पर हुआ, जिसमें 50 यात्री घायल हो गए हैं। इनमें 10 की हालत गंभीर है। सभी घायल सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। मृतकों में नेपाल निवासी सईदा खातून (22) और दरभंगा के रहने वाले मनोज कुमार (55) शामिल हैं। हादसे की जानकारी मिलने के बाद इटावा के जिलाधिकारी समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कराया। बताया जा रहा है कि डबल डेकर बस चालक को नींद की झपकी आई थी, जिससे बस अनियंत्रित होकर एक्सप्रेस की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे चली गई। हालांकि, बस चालक रामप्रवेश का कहना है कि उसके आगे चलने वाली गाड़ी के अचानक ब्रेक लगाने से संतुलन बिगड़ा था। हादसे के समय बस में 80 यात्री सवार थे।

स्वतंत्र भारत
epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : epaper.swatantrabharat.net

आबकारी नीति से प्रभावित हो ओडिशा के अधिकारी पहुंचे राजधानी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश की आबकारी नीतियों से प्रभावित हो ओडिशा सरकार के आबकारी विभाग की एक उच्चस्तरीय टीम ने गुरूवार को लखनऊ का दौरा किया। ओडिशा के अपर आबकारी सचिव देवाशीष पटनायक के नेतृत्व में आए शिष्टमंडल ने उत्तर प्रदेश की आबकारी व्यवस्था, नीतियों और प्रबंधन प्रणाली का गहन अध्ययन किया। शिष्टमंडल की अगुवाई कर रहे देवाशीष पटनायक ने उत्तर प्रदेश के आबकारी आयुक्त आदर्श सिंह और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की। इस बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश में लागू की गई ई-लॉटरी प्रणाली, कॉम्पोज़िट दुकानों की अवधारणा, तकनीकी प्लेटफॉर्म्स का उपयोग, शुल्क संरचना, ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम और अनुपालन निगरानी तंत्र जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई। ओडिशा के अधिकारियों ने विशेष रूप से यूपी की ई-लॉटरी प्रणाली की सराहना की, जिसे लाइसेंसिंग प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और डिजिटल रूप से प्रभावी बनाने के लिए लागू किया गया है। साथ ही, उन्होंने उत्तर प्रदेश की ट्रैक एंड ट्रेस प्रणाली की दक्षता और इसके जरिए शराब की आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता बनाए रखने के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

ओडिशा के अपर आबकारी सचिव देवाशीष पटनायक ने कहा कि उत्तर प्रदेश की आबकारी नीति अन्य राज्यों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बन चुकी है, जहां पारदर्शिता, राजस्व वृद्धि और तकनीकी नवाचार का प्रभावशाली समावेश देखने को मिलता है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ओडिशा सरकार निकट भविष्य में यूपी मॉडल के कुछ सफल पहलुओं को अपनी नीति में सम्मिलित करने पर विचार करेगी।

सीएमएस में शुभांशु की उपलब्धि पर जश्न

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के छात्र ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने गुरुवार को अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन पर पहुँचकर लखनऊ ही नहीं अपितु देश के स्वर्णिम इतिहास में एक नया कीर्तिमान जोड़ दिया। भारतीय समयानुसार शाम ठीक 4 बजकर 34 मिनट पर जैसे ही ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पृथ्वी से लगभग 400 किलोमीटर ऊपर अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से सफलतापूर्वक जुड़ा, वो एक होनहार फाइटर पायलट से एक गर्वित भारतीय अंतरिक्ष यात्री के रूप में तब्दील हो गये। शुभांशु अब एक्सिओम-4 मिशन के पायलट के तौर पर मनुष्यों द्वारा बनाई गई सबसे उन्नत प्रयोगशाला 'अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन' पर सवार है और उनके साथ नासा की वरिष्ठ अंतरिक्ष यात्री डा. पेगी व्हिट्सन के साथ ही पोलैंड व हंगरी के सदस्य भी हैं। शुभांशु की इस गौरवमयी व प्रेरणादायी उपलब्धि का जश्न गुरुवार को सीएमएस कानपुर रोड ऑडिटोरियम में बड़े उत्साह से मनाया गया।

खबर एक नज़र

रक्तदान के प्रति दिखी जागरूकता और भागीदारी

लखनऊ। रक्तदान किसी के जीवन की डोर को मज़बूत कर सकता है। इस तरह की पहल हमें इंसानियत की असल ज़िम्मेदारी का अहसास कराती है। इसी उद्देश्य से गोमतीनगर स्थित एयरटेल कार्यालय में केजीएमयू के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य ज़रूरतमंदों के लिए रक्त उपलब्ध कराना और रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना था। शिविर का संचालन केजीएमयू की ब्लड बैंक टीम द्वारा किया गया, जहां अनुभवी चिकित्सकों की देखरेख में पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित ढंग से अंजाम दिया गया। कर्मचारियों ने इस पहल को लेकर उत्साह देखा गया और कई लोगों ने पहली बार रक्तदान कर इस अनुभव को एक ज़रूरी सीख भी बताया।

प्रदेश में अल्कोहल आधारित उद्योगों को मिलेगा नया प्लेटफॉर्म

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए अब अल्कोहल आधारित उद्योगों को निवेश और नवाचार का नया केंद्र बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी दिशा में राज्य सरकार ने 9 जुलाई को राजधानी में एक भव्य इन्वेस्टर्स समिट आयोजित करने का निर्णय लिया है, जिसमें देशभर के निवेशकों, उद्यमियों, और उद्योग संगठनों को आमंत्रित किया गया है। इस समिट की पृष्ठभूमि में गुरूवार को आबकारी आयुक्त की अध्यक्षता में एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई, जिसमें अल्कोहल उद्योग से जुड़े 85 से अधिक उद्यमियों और प्रमुख एसोसिएशनों जैसे वाइन एसोसिएशन, यूपीडीए, अल्कोहल एंड ब्रेवर एसोसिएशन, और कन्फेडरेशन ऑफइंडियन अल्कोहल ब्रेवरीज़ कंपनियां ने भाग लिया। इस बैठक में आगामी समिट के एजेंडे पर चर्चा करते हुए प्रतिभागियों से सुझाव भी आमंत्रित किए गए। इन्वेस्टर्स समिट का उद्देश्य केवल निवेश आमंत्रित करना नहीं, बल्कि प्रदेश को उपभोग आधारित से निर्यातोन्मुखी अर्थव्यवस्था में बदलने की दिशा में ठोस कदम उठाना है। प्रस्तावित कार्यक्रम में चार मुख्य पहलुओं पर विशेष रूप से मंथन किया जाएगा, जिसमें पहला, अल्कोहल आधारित उत्पादों के वैश्विक निर्यात को प्रोत्साहित करना। दूसरा, स्थानीय स्रोतों से वाइन व बीयर के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु उद्योगों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना। तीसरा, राज्य की वर्तमान आबकारी नीतियों में उपलब्ध प्रोत्साहन प्रावधानों से उद्यमियों को अवगत कराना और चौथा, सफल स्टार्टअप्स और नवउद्यमियों की कहानियों को मंच पर लाकर प्रेरणादायक वातावरण बनाना। समिट के लिए संदीप बिहारी मोडवेल, वरिष्ठ प्राविधिक अधिकारी (मुख्यालय) को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

उपभोक्ता परिषद ने निजीकरण का प्रस्ताव रद्द करने की उठाई मांग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। प्रदेश की 42 जनपदों के निजीकरण का मामला लगातार विवादों में फसता जा रहा है उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आज विद्युत नियामक आयोग में फिर एक लोकमहत्व प्रस्ताव दाखिल करके निजीकरण के फैसले को तत्काल निरस्त करने की मांग उठाते हुए कहा विद्युत नियामक आयोग ने स्वत निजीकरण के प्रस्ताव पर बड़े पैमाने पर गंभीर वित्तीय अनियमितता व संवैधानिक अनियमिता उजागर किया है ऐसे में विद्युत नियामक आयोग विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 128 के तहत इन्वेस्टिगेटिंग अथॉरिटी गठित कर पूरे मसौदे की जांच कराये जिससे सामने आ सके की और भी कितनी गंभीर वित्तीय अनियमितता की गई है। उपभोक्ता परिषद ने नियामक आयोग के सामने यह भी मुद्दा उठाया की पावर कॉरपोरेशन गुपचुप तरीके से टेंडर की प्रक्रिया में आगे बढ़ाने की साजिश कर रहा है जिस पर भी आयोग रोक लगाए। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि वर्तमान में ग्रांट थॉर्नटन कंपनी और पावर कारपोरेशन के कुछ उच्च अधिकारी लगातार अडानी टाटा एनपीसीएल व टोरेंट पावर के संपर्क में रहते हुए दक्षिणांचल पूर्वांचल में भविष्य में बनने वाली पांच बिजली कंपनियों की नेटवर्थ व इक्विटी शेयर कैपिटल को कम से कम लागत में आंकने के लिए बड़ा षड्यंत्र कर रहे हैं जिससे देश के बड़े निजी घराने आसानी से नई बिजली कंपनियों को खरीदने के लिए पूरी तरह योग्य हो सके। जबकि सभी को पता है कि जो देश का सबसे बड़ा निजी घराना है अडानी वह उत्तर प्रदेश के दो जनपदों के समानांतर लाइसेंस में नेटवर्थ व इक्विटी कैपिटल शेयर के विवाद के चलते आज भी उसका मामला नियामकआयोग में लंबित है। देश का सबसे बड़ा निजी घराना प्रदेश के दो जनपदों में अपनी नेटवर्थ और इक्विटी शेयर कैपिटल पर जस्टिफिकेशन देने में सफल नहीं हो पाया आज वह 42 जनपदों में बनने वाली बिजली कंपनियों में बोली लगाने की जुगत में है।

मोहर्रम का चांद दिखा, पहली तारीख आज

लखनऊ। मोहर्रम का चांद शुक्रवार को देखा गया। शिया और सुन्नी उलेमाओं ने चांद देखने की तस्दीक करते हुए घोषणा की कि पहली मोहर्रम शुक्रवार को होगी। मौलाना सैफ अब्बास ने बताया कि मोहर्रम का चांद दिख गया है। यौमे आशूर छह जुलाई को होगा। वहीं मरकजी चांद कमेटी के जनरल सेक्रेटरी मौलाना नईमुर्रहमान सिद्दीकी ने भी मोहर्रम का चांद दिखने की तस्दीक की।

ट्रैक पर दौड़ रही भारतीय हॉकी टीम

लखनऊ। ओलंपिक में लगातार दो कांस्य जीतना बड़ी उपलब्धि भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कोच पहुंचे लखनऊ लखनऊ, संवाददाता। ओलंपिक में लगातार दो बार कांस्य पदक जीतने से यह तय हो गया कि भारतीय हॉकी ट्रैक पर है। सही दिशा में काम चल रहा है। जिस तरह से टीम ने कांस्य पदक हासिल किया है, इसी तरह से हॉकी पर काम चलता रहा तो अगले ओलंपिक में पदक का रंग बदल सकता है। यह कहना है भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कोच सेड्रिक डिसूजा का। वह गुरुवार को लखनऊ पहुंचे। मो. शाहिद स्टेडियम में यूपी रुद्राक्ष हॉकी क्लीनिक में उन्होंने हिस्सा लिया। यहां पर हॉकी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया। उससे पूर्व उन्होंने स्थानीय हॉकी प्रशिक्षकों को भी हॉकी के नये नियमों और मानकों की जानकारी दी। किस तरह से खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण दें, इसके बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों को यूरोपीयन हॉकी की जगह अपपद बुनियाद पर ही टिके रहना होगा। हॉकी इंडिया लीग में खेल रही यूपी रुद्राक्ष टीम के तकनीकी निदेशक डिसूजा ने कहा कि भारतीय हॉकी अब तेजी से आगे बढ़ रही है। हमारे खिलाड़ियों की सबसे बड़ी ताकत उनकी स्किल है। एक भारतीय होने के नाते बस यही संदेश देना चाहता हूं कि भारत में हॉकी के उत्थान के लिए बुनियादी स्तर पर तैयारी करनी होगी।

मुख्यमंत्री से मिले राज्य सूचना आयुक्त

भेंट की अपनी पुस्तक जनसूचना से जनसेवा

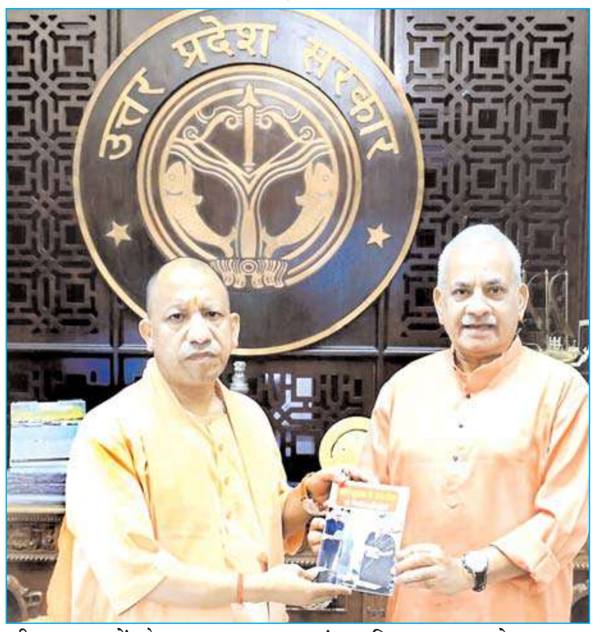

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आज लोकभवन में राज्य सूचना आयुक्त ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को अपनी पुस्तक जनसूचना से जनसेवा भेंट की। डॉ दिलीप अग्निहोत्री ने बताया कि यह पुस्तक राज्य सूचना आयोग में उनके करीब एक वर्ष कार्यवृत्त है। सूचना के अधिकार से गरीबों पीड़ितों की समस्याओं के समाधान का प्रयास किया गया।

गोरखपुर और देवीपाटन मंडल के आठों जनपदों में जन सूचना अधिकारियों के साथ बैठक कर इसी मंशा का संदेश दिया गया। इसके अलावा कई जनपदों में ग्राम्य विकास के जन सूचना अधिकारियों से संवाद किया। उन्हें जन सूचना के माध्यम से कर गरीबों किसानों की समस्याओं के समाधान का निर्देश दिया गया। जन सूचना अधिकारियों के सुझावों का भी संज्ञान लिया। सूचना से समाधान विकसित यूपी में सूचना के अधिकार के योगदान को सुनिश्चित किया।

बाढ़ आपदा से निपटने के लिए मॉक एक्सरसाइज

– सभी विभागों ने किया प्रभावशाली प्रदर्शन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा गुरूवार को तहसील बक्शी का तालाब के ग्राम अकड़रिया कलां में बाढ़ आपदा विषयक मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य संभावित बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों की तत्परता, समन्वय और राहत-बचाव क्षमताओं का आकलन करना था। मॉक एक्सरसाइज के तहत ग्राम अकड़रिया कलां में बाढ़ जैसी कृत्रिम आपदा की स्थिति तैयार की गई। इसके बाद बाढ़ में फंसे लोगों और पशुओं को रेस्क्यू करने के लिए एसडीआरएफ सेना दल, अग्निशमन विभाग, नागरिक सुरक्षा, एनएसएस व एनसीसी की टीमों ने मिलकर एक समन्वित रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। बचाए गए लोगों को तत्काल शेल्टर होम में लाकर चिकित्सा सहायता और राहत सामग्री प्रदान की गई। पशुओं की देखभाल के लिए पशु चिकित्सा दल भी सक्रिय रहा। इस मॉक एक्सरसाइज में सभी विभागों ने अपने दायित्वों का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए दिखाया कि किसी आपदा की स्थिति में वे किस प्रकार तत्काल और प्रभावी प्रतिक्रिया देने में सक्षम हैं। राहत शिविर में लाए गए लोगों और प्रतिभागी दलों के लिए भोजन और पेयजल की समुचित व्यवस्था जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा की गई थी।

पाठशाला बंद करने की राजनीति नहीं चलने देंगे : संजय सिंह

-स्कूलों को खत्म नहीं होने देगी आप

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। योगी सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों के मर्ज किए जाने को लेकर आप सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में कहा है कि 27000 सरकारी स्कूलों को बंद किए जाने के सरकार के फैसले के खिलाफ लोगों में गुस्सा है और गांव-गांव में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। संजय सिंह ने कहा कि पिछले 4 सालों में 42 लाख बच्चों ने सरकारी स्कूलों की शिक्षा छोड़ी है, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 1 साल में यूपी में 8 लाख बच्चों ने सरकारी स्कूलों की शिक्षा छोड़ी है और प्रदेश की सरकार विद्यालय के ऊपर ही बुलडोजर चला रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में मकान, दुकान, मंदिर, मस्जिद सभी पर बुलडोजर चलाया गया और अब स्कूल पर भी बुलडोजर चल रहा है। उन्होंने कहा कि 5695 स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक है, केवल अलीगढ़ में ही 58000 बच्चों ने सरकारी स्कूल की शिक्षा छोड़ दी। उन्होंने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में जहां-जहां भी स्कूल बंद किए जाएंगे वहां आम आदमी पार्टी उन गांव के अंदर और जिला मुख्यालयों पर आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि हम विद्यालयों को कतई बंद नहीं होने देंगे, आम आदमी पार्टी इसकी लड़ाई लड़ने का काम करेगी। योगी की सरकार प्रदेश के सरकारी स्कूलों को बंद कर रही है। योगी सरकार स्कूलों को मर्ज नहीं बल्कि बंद कर खत्म कर दे रही है। संजय सिंह ने कहां मर्जर का मतलब स्कूलों को खत्म करना है, सरकारी स्कूलों को बंद करना है। 2024 में उत्तर प्रदेश में 27,308 मदिरालय खोले गए और वहीं 2025 में 27,000 विद्यालय बंद करने की सरकार की योजना है। संजय सिंह ने कहा कि यह मदिरालय बनाम विद्यालय की लड़ाई है।

मानसून के आते ही ग्रामीण इलाकों में धान की रोपाई शुरू

स्वतंत्र भारत,बीकेटी। लखनऊ में मानसून के आते ही बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है ,जिससे किसानो में भी काफी खुशी की लहर है,किसान अब धान की रोपाई की तैयारी में जुट गए हैं।बीकेटी, इटौंजा, कुम्हरावां के क्षेत्र के गांवों के कुछ किसानों ने तो धान की रोपाई शुरू भी कर दी है। किसानों का कहना है, कि इस बार बारिश के समय से शुरुआत होने के कारण धान की पैदावार अच्छी होने की उम्मीद है।अगर समूचे लखनऊ में खरीफ की फसल की बात करें तो यहां सर्वाधिक धान की पैदावार होती है ।इससे धान किसानों को काफी फायदा है।किसान अपनी नर्सरी से खेत में धान रोपाई करने में जुट गया है।अभी लगभग 10 प्रतिशत धान की रोपाई का काम पूरा हो चुका है। किसानों के लिए अभी समय पर्याप्त है। 25 जुलाई तक धान किसान रोपाई का काम पूरा कर लेगा। जिला कृषि अधिकारी तेगबहादुर सिंह ने बताया कि धान की रोपाई के लिए यह अनुकूल समय है। इस समय किसान जल्दी से जल्दी धान की रोपाई कर लें, इस बार पौध सौ प्रतिशत जमी है, और स्वस्थ है। इसका पूरा इस्तेमाल करें,समय से किसान रोपाई कर मौके का फायदा उठाएं। उन्होंने कहा कि किसान रोपाई से पहले धान की नर्सरी में पानी अवश्य लगा दें, जिससे पौध निकालने में सुविधा हो तथा रोपाई के समय लाइन से लाइन की दूरी लगभग 20 सेमी व पौध से पौध की दूरी 10 सेमी होनी चाहिए। एक स्थान पर कम से कम दो से तीन पौधे अवश्य लगाएं।उन्होंने यह भी बताया कि धान के किसान उत्पादक पानी की बर्बादी से बचें, खेत में पानी भरा न रहने दें, इससे पौधों में जड़ गलन तथा फंगस व अन्य बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।खेत में नमी बनी रहे, लेकिन अनावश्यक पानी न भरें।

डीआरएम ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने के दिए निर्देश

लखनऊ-प्रतापगढ़-जंघई रेलखंड का विंडो ट्रैलिंग निरीक्षण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ । उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा द्वारा लखनऊ से जंघई तक रेलखंड का विंडो ट्रैलिंग निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य संरक्षा, सुरक्षित परिचालन तथा यात्री सुविधाओं को ध्यान मे रखते हुए अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित हो रहे स्टेशनों का गहनता से निरीक्षण किया। मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा ने मोहनलालगंज तथा बछरावां रेलवे स्टेशनों का अवलोकन किया, जहां निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति एवं यात्री सुविधाओं के उन्नयन की समीक्षा की गई। रायबरेली स्टेशन पर वाशिंग लाइन, द्वितीय प्रवेश द्वार स्टेशन भवन ट्रेन मैनेजर व लोको पायलट लॉबी तथा अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को कार्यों में गुणवत्ता व समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही रायबरेली स्टेशन के समीप पॉइंट संख्या 154 एवं 154 का संरक्षा की दृष्टि से गहन परीक्षण किया। गौरीगंज स्टेशन पर निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक द्वारा यात्रियों से संवाद किया गया तथा स्टेशन पर वॉटर कूलर की आवश्यकता पर चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों को यथाशीघ्र सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। यहां के बाद उन्होंने मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ स्टेशन का निरीक्षण किया, जहां स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, पार्किंग, स्वच्छता, यात्री सुविधाएं एवं ट्रेन संचालन की समग्र समीक्षा की गई। यात्रियों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं को भी संज्ञान में लिया। मंडल रेल प्रबंधक ने लेवल क्रासिंग संख्या 58 का भी निरीक्षण किया और वहां संरक्षा उपायों, फाटक संचालन एवं संकेत प्रणाली की स्थिति की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान विभिन्न स्टेशनों पर मीडिया प्रतिनिधियों से भी संवाद किया। मंडल रेल प्रबंधक ने रेल प्रशासन की ओर से किए जा रहे विकासात्मक कार्यों की जानकारी साझा की एवं मीडिया से सकारात्मक सहयोग बनाए रखने का आग्रह किया। निरीक्षण के अंतिम चरण में जंघई, मड़ियाहूं, एवं जफराबाद स्टेशनों का दौरा किया गया, जहां स्टेशन परिसरों की स्वच्छता, यात्री सुविधाओं की उपलब्धता, प्लेटफॉर्म संरचना एवं ट्रेनों के सुचारु संचालन की स्थिति का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के उपरांत संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए ताकि यात्रियों को और बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सकें। गुरूवार के इस निरीक्षण में अपर मण्डल रेल प्रबंधक शूरवीर सिंह चौहान सहित सभी विभागों के विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

स्वामी सहजानंद की पुण्यतिथि पर रालोद ने दी श्रद्धांजलि

-किसानों के संघर्ष और न्याय की आवाज थे स्वामी : रामाशीष

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के प्रदेश कार्यालय में भारतीय किसान आंदोलन के प्रणेता संत और समाज सुधारक स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया और उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रालोद उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने की। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजेश शर्मा, जिन्होंने स्वामी के जीवन दर्शन और किसान चेतना के विस्तार पर विस्तृत विचार व्यक्त किए और इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे मौजूद रहे।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने अपने संबोधन में कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती केवल एक संत ही नहीं थे, बल्कि वे किसानों की पीड़ा के सच्चे संवाहक और संघर्ष के महानायक थे। उन्होंने जमींदारी प्रथा, लगान शोषण और सामाजिक अन्याय के विरुद्ध आवाज बुलंद की। आज रालोद उन्हीं मूल्यों और सिद्धांतों के साथ किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहा है। इसी तरह राष्ट्रीय किसान सभा अध्यक्ष बृजेश शर्मा ने कहा कि स्वामी सहजानंद ने जो लड़ाई आज से लगभग एक सदी पहले लड़ी, वही परिस्थितियां आज भी किसानों के सामने हैं। उनकी विचारधारा हमें सिखाती है कि बिना संघर्ष के अधिकार नहीं मिलते। रालोद जैसे दलों को चाहिए कि वे स्वामी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं। कार्यक्रम में दर्जनों रालोद कार्यकर्ता, किसान प्रतिनिधि, और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने स्वामी के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की तैयारी तेज

– १ जुलाई से शुरू होगा अभियान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विशाख जी. की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति व संचारी रोग नियंत्रण अभियान टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में तय किया गया कि 1 जुलाई से 31 जुलाई तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और 11 जुलाई से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान संचालित किया जाएगा। डीएम ने जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान, नियमित टीकाकरण, अग्नि व विद्युत सुरक्षा सहित सभी प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण के साथ ही सभी आवश्यक दस्तावेज लिए जाएं ताकि भुगतान में देरी न हो। साथ ही केजीएमयू व अन्य संस्थानों में भुगतान में सुधार के निर्देश दिए। डेंगू और मलेरिया की रोकथाम को लेकर हॉटस्पॉट चिन्हित करने, मच्छर रोधी पौधों के रोपण और वार्डवार माइक्रोप्लान बनाने के निर्देश दिए गए। नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की स्मार्ट सिटी प्लेटफॉर्म पर मैपिंग सुनिश्चित करने को भी कहा गया। बैठक में सीडीओ अजय जैन, सीएमओ डॉ. एन.बी. सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. रितु श्रीवास्तव सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पावर कारपोरेशन के चेयरमैन ने लागू किया आपातकाल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि वे ऊर्जा निगमों में पावर कारपोरेशन के चेयरमैन डा. आशीष गोयल द्वारा लागू

फारमेट जारी कर जेल जाने वाले कर्मचारियों की मांगी सूची

मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग

की जा रही आपातकाल जैसी परिस्थितियों में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है,जिससे ऊर्जा निगमों की औद्योगिक शांति भंग न हो और इस भीषण गर्मी में प्रदेश की बिजली व्यवस्था में कोई व्यवधान न आए। संघर्ष समिति ने कहा कि विगत सात माह से आंदोलनरत बिजली कर्मी आंदोलन के साथ-साथ बिजली व्यवस्था सामान्य बनाए हुए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि इससे बौखलाए चेयरमैन समय समय पर बिजली कर्मचारियों को उकसा कर बिजली व्यवस्था बेपटरी करने पर आमादा हैं। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए चेयरमैन डा. आशीष गोयल ने यह कहा था कि जो बिजली कर्मचारी जेल जाना चाहते है, उनको ससम्मान जेल भिजवा दिया जाएगा। अब पावर कारपोरेशन ने जेल जाने वाले कर्मचारियों का विवरण मांगने के लिए एक फार्मेट जारी कर दिया है। फार्मेट में जेल जाने वाले कर्मचारियों की सूची 26 जून तक मांगी गई है। यह भी धमकी दी जा रही है कि 1975 में लागू आपातकाल में 19 माह बाद लोग रिहा कर दिए गए थे, किन्तु अब गिरफ्तार किए जाने वाले बिजली कर्मियों को रिहा नहीं किया जाएगा।

समिति ने कहा कि पावर कारपोरेशन के चेयरमैन का यह कदम सरासर अवांछनीय और बेहद उकसाने वाला कदम है जिससे प्रदेश की बिजली व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। संघर्ष समिति ने कहा कि बिजली के निजीकरण के विरोध में तथा चेयरमैन के अन्यायपूर्ण कृत्यों और दमन के विरोध में पावर कारपोरेशन का एक एक कर्मचारी जेल जाने को तैयार है। चेयरमैन को इस बात का एहसास नहीं है कि वे ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशांति और टकराव का वातावरण बनाकर प्रदेश को अंधेरे में डालना चाहते हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि चेयरमैन जब चाहें बिजली कर्मी लाइन लगाकर सभी जनपदों में सामूहिक गिरफ्तारियां देने के लिए तैयार हैं। संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की है कि वे पावर कारपोरेशन के चेयरमैन डा. आशीष गोयल द्वारा ऊर्जा निगमों में तानाशाहीपूर्ण उकसाने वाला रवैया अपनाने को लेकर तत्काल प्रभावी कार्यवाही करें। बिजली कर्मी उपभोक्ताओं की समस्याओं को आज भी सर्वोच्च प्राथमिकता पर अटेंड करते हैं। चेयरमैन का रवैया बहुत उकसाने वाला और निंदनीय है। संघर्ष समिति ने कहा कि चेयरमैन जब चाहें बिजली कर्मचारियों, किसानों और उपभोक्ताओं की पंचायत बुला सकते है और निजीकरण पर वार्ता करने हेतु हम सब तैयार हैं। हम पॉवर कारपोरेशन के चेयरमैन को अपने तथ्यों और तर्कों से विश्वास दिला देंगे और सहमत करा देंगे कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय न ही किसानों के हित में है, न ही घरेलू उपभोक्ताओं के हित में और न ही कर्मचारियों के हित में। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि यदि पॉवर कॉरपोरेशन के चेयरमैन निजीकरण के स्वार्थ में उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस नहीं लेते तो बिजली कर्मी असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा और जेल भरो आंदोलन प्रारंभ करने को बाध्य होंगे, जिसकी सारी जिम्मेदारी चेयरमैन और प्रबंधन की होगी। संघर्ष समिति ने ऐलान किया है कि प्रबंधन द्वारा ऊर्जा निगमों में आपातकाल लगाने के विरोध में 27 जून को बिजली कर्मी चेतावनी दिवस मनाएंगे।

स्मार्ट स्कूलों के निरीक्षण पर मंडलायुक्त की सख्ती

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। राजधानी में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत विकसित किए जा रहे प्राथमिक स्मार्ट स्कूलों के निर्माण और रखरखाव की जमीनी हकीकत जानने के लिए

गुणवत्तापरक कार्यों पर जताई संतुष्टि

सफाई में लापरवाही पर अफसर को आरोप पत्र जारी करने के निर्देश

मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने गुरुवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई विद्यालय परिसरों में स्मार्ट सुविधाओं की प्रगति का जायजा लिया और जहां कार्य संतोषजनक मिला, वहां अधिकारियों को सराहा, वहीं सफाई व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर कड़ी फटकार लगाई। निरीक्षण की शुरुआत प्राथमिक विद्यालय कमता प्रथम से हुई, जहां स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत यूपी राजकीय निर्माण निगम और ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा कराए गए कार्यों जैसे कि फर्नीचर, टाइल्स, किचन शेड, शौचालय, बाउंड्री वॉल, पेंटिंग, इंटरलॉकिंग आदि का निरीक्षण किया गया। मंडलायुक्त ने रैम्प की अनावश्यक ऊंचाई पर आपत्ति जताते हुए निर्देश दिए कि इसे तत्काल मानक के अनुसार सुधारा जाए, ताकि दिव्यांग बच्चों को आने-जाने में कोई असुविधा न हो। इसके बाद उन्होंने प्राथमिक विद्यालय चिनहट-1 और चिनहट-2 का निरीक्षण किया, जहां चिनहट नगर क्षेत्र (लखनऊ जोन-2) में प्राथमिक विद्यालय के सामने कूड़े का ढेर देखकर वह खासे नाराज हो गईं। उन्होंने मौके पर ही नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि जोनल सैनिटेशन ऑफिसर पंकज शुक्ला के खिलाफतत्काल आरोप पत्र जारी किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि भविष्य में यदि ऐसी लापरवाही दोबारा सामने आई तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान विद्यालय स्टाफद्वारा स्मार्ट सिटी कार्यों की गुणवत्ता की सराहना की गई, जिस पर मंडलायुक्त ने संतोष व्यक्त किया। इसके पश्चात डॉ. रोशन जैकब प्राथमिक विद्यालय भरवारा-1 पहुंचीं, जहां उन्होंने पूरे विद्यालय परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि स्कूल प्रांगण में हॉर्टिकल्चर कार्य को बढ़ावा दिया जाए और खेल मैदान में गुणवत्तापूर्ण खेल उपकरणों की स्थापना कराई जाए ताकि बच्चों के लिए एक समग्र और प्रेरक शैक्षिक वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। मंडलायुक्त ने बताया कि लखनऊ के 92 प्राथमिक विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें निर्माण कार्य की ज़िम्मेदारी यूपी राजकीय निर्माण निगम और ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को सौंपी गई है।

माता प्रसाद पर हमले को लेकर सियासत गरमाई

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर हमले के बाद यूपी की सियासत गरमा गई है। माना जा

अखिलेश ने जताया कड़ा विरोध, दोषियों पर सख्त कार्रवाई को कहा

रहा है कि सपा इस मसले पर कड़ा विरोध दर्ज करायेगी। गुरुवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव ने आरोपियों के विरुद्ध पक्षपातहीन कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग भी की है।

अखिलेश ने कहा कि गोरखपुर के दौरे के दौरान, उप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष व वरिष्ठ समाजवादी नेता माता प्रसाद पांडेय एवं लाल बिहारी यादव पर असामाजिक तत्वों का हमला घोर निंदनीय है। यदि लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के जन संपर्क एवं जन समस्याओं की सुनवाई पर सत्ता संरक्षित अराजकतत्वों तत्वों द्वारा प्राणघातक प्रहार होगा तो ये अराजकता का राज ही कहलाएगा। आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई हो अन्यथा ये माना जाएगा कि ये 'हाता नहीं भाता और पीडीए नहीं लुभाता' का एक ऐसा प्रकरण है जिसके पीछे सोची-समझी साज़िश रची गयी थी।

बता दें कि माता प्रसाद पांडेय को बुधवार को गोरखपुर दौरे के दौरान भाजपा कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। माता प्रसाद के अनुसार विरासत कॉरिडोर से गुजरने और तिवारी हाता में मीडिया को संबोधित करने वाले पांडेय को बीच रास्ते में नरमल चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ताओं और व्यापारियों के एक समूह ने रोक लिया और सपा वापस जाओ जैसे नारे लगाए। इस दौरान मामूली झड़प हुई, जिसमें समाजवादी पार्टी के कुछ वाहनों को नुकसान पहुंचा, जिसमें खिड़कियां टूट गईं।

नगर सीमा में आए ग्रामीण स्कूलों को मिला नगरीय दर्जा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उन प्राथमिक विद्यालयों को नगरीय संवर्ग में सम्मिलित करने की अनुमति दे दी है, जो पहले ग्रामीण क्षेत्र में स्थित थे लेकिन नगर विकास विभाग की अधिसूचना के कारण विस्तारित नगरीय सीमा में शामिल हो चुके हैं। शासन के इस निर्णय को प्रदेश के

प्रदेश सरकार के ऐतिहासिक फैसले से हजारों शिक्षकों को मिलेगा लाभ

शिक्षक संघ ने जताया आभार

शिक्षकों और शिक्षक संगठनों ने ऐतिहासिक बताते हुए इसका जोरदार स्वागत किया है।

प्रदेश के विभिन्न जिलों में ऐसे कई प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय हैं जो भौगोलिक रूप से तो अब नगरीय क्षेत्र का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन प्रशासनिक दृष्टि से उन्हें अभी तक ग्रामीण क्षेत्र की श्रेणी में माना जा रहा था। इस विसंगति के चलते विद्यालयों में शिक्षकों की तैनाती, संसाधनों का आवंटन और अन्य सुविधाओं में असंतुलन बना हुआ था। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय ने बताया कि, 'हमने इस विषय को लेकर कई बार शासन से मांग की थी कि जिन विद्यालयों को नगर विकास विभाग की अधिसूचना के तहत नगरीय सीमा में लाया गया है, उन्हें शासकीय रूप से भी नगरीय संवर्ग में शामिल किया जाए। हमने ज्ञापन सौंपे, पत्राचार किया और लगातार पैरवी की। अंततः शासन ने हमारी बात को माना और यह निर्णय लिया, जोकि स्वागत योग्य है। 25 जून को शासन के बेसिक शिक्षा अनुभाग-5 द्वारा जारी पत्र में उप सचिव आनंद कुमार सिंह ने शिक्षा निदेशक (बेसिक) को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे उन विद्यालयों को नगरीय संवर्ग में शामिल करने की प्रक्रिया को तत्काल क्रियान्वित करें, जो नगर सीमा में शामिल हो चुके हैं। आदेश में यह भी कहा गया है कि यह कार्रवाई पूर्व में निर्गत शासनादेशों की व्यवस्था के अनुसार सुनिश्चित की जाए। इस निर्णय से उन शिक्षकों को विशेष राहत मिलेगी जो ग्रामीण स्कूलों में कार्यरत हैं, लेकिन व्यावहारिक रूप से अब नगरीय वातावरण में काम कर रहे हैं। नगरीय संवर्ग में आने से न केवल स्थापन पदों की पुनर्संरचना होगी, बल्कि प्रमोशन, स्थानांतरण, टीचिंग स्टाफ की पर्याप्त तैनाती और सुविधाएं भी नगरीय मानकों के अनुसार उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

शिक्षक संघ के मीडिया प्रभारी हरिशंकर राठौर ने कहा कि 'यह फैसला सिर्फ शिक्षकों के हित में ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के हित में भी है। नगर क्षेत्र में शिक्षकों की कमी को दूर करने में यह निर्णय बेहद मददगार साबित होगा। इससे शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर होगी और शहरी क्षेत्रों में स्कूलों की स्थिति और मज़बूत होगी।'

90 दिन के भीतर डेटा नहीं लेने पर नहीं होगी जिम्मेदारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश ने फोटोग्राफरों और ग्राहकों के बीच डेटा को लेकर लगातार हो रहे विवादों को देखते हुए बड़ा फैसला लिया है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि अब प्रत्येक ग्राहक से लिखित एग्रीमेंट कराया जाएगा, जिसमें यह शर्त होगी कि यदि ग्राहक 90 दिनों के भीतर अपना डेटा नहीं उठाता है तो उसकी कोई जिम्मेदारी फोटोग्राफर की नहीं होगी और एडवांस की राशि भी वापस नहीं की जाएगी। एसोसिएशन अध्यक्ष अमर सिंह ने बताया कि तकनीकी युग में सारा डेटा डिजिटल डिवाइसों में स्टोर होता है, जो कई बार करप्ट हो जाते हैं। ऐसे में ग्राहक फोटोग्राफरों से उलझ पड़ते हैं, उनके उपकरण तोड़ देते हैं और दुकानों में तोड़फोड़ करते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए फोटोग्राफरों को अब ग्राहक से स्पष्ट टर्म्स एंड कंडीशंस पर हस्ताक्षर कराना अनिवार्य किया गया है।

वृंदावन कालोनी में कबाड़ व्यापारियों की झुग्गियां हटाईं

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम ने गुरुवार को भी अभियान चलाया। इस दौरान वृंदावन कॉलोनी की ग्रीन बेल्ट में कबाड़ व्यापारियों दर्जनों झुग्गियों को हटाया गया। वृंदावन कॉलोनी की ग्रीन बेल्ट में लंबे समय से कब्जा जमाए कबाड़ व्यापारियों के खिलाफ जोनल अधिकारी अजीत राय के नेतृत्व में बड़ा अभियान चलाया गया। इस दौरान दो जेसीबी और चार डंपर की सहायता से 10 हाइवा कबाड़ हटाया गया। दर्जनों झोपड़ियां हटाई गईं। जोन-1 में जोनल अधिकारी ओम प्रकाश सिंह की अगुवाई में बासमंडी चौराहे से हुसैनगंज चौराहे तक गुरुगोविंद सिंह मार्ग पर अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान सड़क किनारे लगाए गए अवैध ढांचे, ठेले व गुमटियों को हटाया गया। सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड के गिन्दन खेड़ा मोहल्ले में अमौसी एयरपोर्ट के सामने स्थित हनुमान मंदिर से नादरगंज मोड़ तक अतिक्रमण हटाया गया। नक्खास चौराहे से भवानीगंज वार्ड तक जोनल अधिकारी मनोज यादव के नेतृत्व में 15 अस्थायी दुकानें हटाईं गईं।

इंटौंजा में बुजुर्ग व चौक में युवती को कोरोना

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। राजधानी में गुरुवार को भी कोरोना की चहलकदमी बनी रही। इटौंजा में एक टीबी मरीज और चौक की एक युवती की जांच रिपोर्ट पाजिटिव आई है। टीबी मरीज को केजीएमयू में भर्ती कर इलाज दिया जा रहा है। युवती होम आइसोलेशन में है। सीएमओ कार्यालय के मुताबिक इटौंजा निवासी बुजुर्ग (62) को टीबी की समस्या है। तीन दिन पहले उनको खांसी, जुकाम की समस्या थी। परिवारीजनों ने डॉक्टर की सलाह पर कोविड की जांच करवाई। जांच के बाद रिपोर्ट पॉजिटिव आई। मरीज को केजीएमयू के टीबी रोग विभाग में भर्ती कर इलाज दिया जा रहा है। इसके अलावा चौक की युवती (20) को भी कोरोना की पुष्टि हुई है। युवती होम आइसोलेशन में है। सीएमओ कार्यालय से दोनों मरीज की कोई ट्रैवेल हिस्ट्री नहीं बताई गई है। जिले में अब तक 72 कोविड मरीज मिल चुके हैं, जबकि 20 कोविड मरीज सक्रिय हैं।

सीने में दर्द, मतली व थकान दिल के कमजोर होने का संकेत

लोहिया संस्थान में कॉर्डियोलॉजी विभाग में विशेषज्ञो ने साझा किये अनुभव

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। असंयमित खानपान और आरामतलबी ने शरीर को कई बीमारियों में जकड़ लिया है। बेतरतीब जीवन शैली ने दिल को काफी कमजोर कर दिया है। इसलिए हार्ट अटैक के मामले बढ़ रहे हैं। हार्ट अटैक से पहले मरीज को कुछ लक्षण महसूस होते हैं। सीने में दर्द, मतली व थकान दिल के रोग का संकेत देते हैं। यदि समय समुचित उपाय अपनायें जायें तो स्थिति को गंभीर होने से बचाया जा सकता है।

यह सलाह गुरुवार को लोहिया संस्थान में कॉर्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. भुवन चन्द्र तिवारी ने दी। वह आजमगढ़ के कुछ डॉक्टरों को हार्ट अटैक से जुड़ी बीमारी की पहचान और इलाज से रूबरू करा रहे थे।

डॉ. भुवन चन्द्र तिवारी ने कहा कि विशेष रूप से डायबिटीज मरीजों को दिल समेत दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। लिहाजा डायबिटीज मरीजों को डॉक्टर की सलाह पर दवाओं का सेवन करना चाहिए। नियमित व्यायाम और पैदल चलना चाहिए। समय-समय पर दिल की सेहत की जांच भी करानी चाहिए। इससे बीमारी को शुरुआती अवस्था में पकड़ जा सकता है। समय पर इलाज से बीमारी आसानी से काबू में आ सकती है। उन्होंने कहा कि डायबिटीज के कारण नसों को नुकसान होता है। यही वजह है कि कुछ लोगों को हार्ट अटैक के विशिष्ट लक्षणों जैसे सीने में दर्द महसूस नहीं होता है। हालांकि उन्हें सांस लेने में तकलीफ, अत्यधिक थकान या मतली जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। यदि यह लक्षण मरीज को हों तो दिल की जांच करानी चाहिए। निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने कहा कि सीने में दर्द व सांस लेने में तकलीफ को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। खासतौर पर जब मरीजों को इन लक्षणों के साथ पसीना आए। मतली, उल्टी और शरीर के ऊपरी हिस्से जैसे हाथ, गर्दन, जबड़े, या पीठ में दर्द हो। तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

प्रदेश के तकनीकी व राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के मध्य समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुजरात के गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। इस अवसर पर उनकी उपस्थिति में उत्तर प्रदेश के प्रमुख तकनीकी विश्वविद्यालयों हरकोर्ट बटलर तकनीकी

राज्यपाल ने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का किया भ्रमण

विश्वविद्यालय, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय तथा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर के मध्य विविध शैक्षणिक और अनुसंधान क्षेत्रों में सहयोग हेतु समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौता ज्ञापनों के अंतर्गत जिन प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बनी वे हैं- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स एवं नवीन तकनीकों के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान व विकास, विविध शोध कार्यों हेतु विश्वविद्यालयों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का विनिमय, विश्वविद्यालयों की विविध अकादमिक गतिविधियों, कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में समन्वय तथा तकनीकी उपकरणों, इनक्यूबेशन सेंटर एवं कौशल विकास संसाधनों का सामूहिक व साझा उपयोग। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य प्रदेश एवं गुजरात के शैक्षणिक संस्थानों के बीच तकनीकी नवाचार, सुरक्षा अध्ययन एवं व्यावसायिक कौशल के क्षेत्र में एक समन्वित ढांचा तैयार करना है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी आत्मनिर्भरता को बल मिले।

सींगना में आलू अनुसंधान केंद्र की स्थापना को मिली केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने गुरूवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित प्रेस

महोत्सव में देश-विदेश से आम के उत्पादकों व निर्यातकों की होगी भागीदारी

वार्ता में जानकारी दी कि प्रदेश के आगरा के सींगना स्थित राजकीय औद्यानिक प्रक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र, लीमा के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना के प्रस्ताव को भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। इस परियोजना हेतु 111 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि यह ऐतिहासिक निर्णय प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में 25 जून को लिया गया, जिससे न केवल प्रदेश बल्कि पूरे एशिया क्षेत्र को कृषि अनुसंधान व तकनीकी नवाचार का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह केंद्र आलू व शकरकंद की उन्नत, पोषणसमृद्ध और जलवायु अनुकूल किस्मों के विकास, कटाई के बाद प्रबंधन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, विपणन, और रोजगार सृजन जैसे महत्वपूर्ण आयामों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में सहायक होगा।

श्री सिंह ने कहा कि आलू की उत्पत्ति जिस देश पेरू में हुई, वहीं के अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र की यह शाखा अब प्रदेश के आगरा में स्थापित की जा रही है। एशिया में अब तक इसकी केवल एक शाखा चीन में है और दूसरी शाखा आगरा में खुलना उत्तर भारत और राज्य के किसानों के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 2300 कोल्ड स्टोरेज संचालित हैं। आगरा और आसपास के क्षेत्रों में ही 1000 से अधिक कोल्ड स्टोरेज स्थित हैं, जो इस क्षेत्र को आलू उत्पादन और भंडारण का सबसे उपयुक्त केंद्र बनाते हैं। उन्होंने बताया कि उद्यान विभाग ने अपनी राजकीय आलू बीज उत्पादन प्रक्षेत्र में से 25 एकड़ भूमि नेशनल हॉर्टीकल्चर बोर्ड को इस संस्थान हेतु दी है। वन विभाग और मंडी परिषद के सहयोग से सभी बाधाएं दूर कर स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी के मार्गदर्शन और केंद्रीय कृषि मंत्री के समर्थन तथा वन एवं मंडी विभागों के सहयोग का आभार व्यक्त किया। श्री सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2025 का आयोजन 04 से 06 जुलाई तक अवध शिल्पग्राम, अमर शहीद पथ, लखनऊ में भव्य स्तर पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी महोत्सव का शुभारंभ 04 जुलाई को करेंगे।

बारिश में गंदगी से बजबजाने लगता है राजाजीपुरम का सम्पर्क मार्ग

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। सआदतगंज थाने से लगे हुए राजाजीपुरम सम्पर्क मार्ग की हालत दयनीय है। बारिश में यह सड़क पानी से लबालब भर जाती है। जगह-जगह से टूटी-फूटी व गढ्ढे होने के कारण गंदगी भी बजबजाया करती है। स्थानीय पार्षदों से लेकर नगर निगम अधिकारियों तक स्थानीय लोगों ने शिकायत की मगर न तो सड़क का निर्माण किया गया न ही बारिश के पानी के निकासी की कोई व्यवस्था की गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक डब्बू वेज के सामने राजाजीपुरम कालोनी का सम्पर्क मार्ग बहुत बुरी हालत में है। पानी के निकासी की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। सड़क से सटी नालियां भी जर्जर स्थिति में हैं। यह स्थिति तब और खराब हो जाती है जब बारिश होती है। नालियों की गंदगी बारिश के पानी के साथ सड़क पर बहने लगती है। इसी गंदगी के बीच लोग रहने व आवागमन के लिए मजबूर हैं।

शरीर अनमोल, नशीले पदार्थों से दूर रहें

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। शराबबंदी संघर्ष समिति की ओर से गुरुवार को गोमती नगर स्थित उर्दू अकादमी में आयोजित राष्ट्रीय शराबबंदी महासम्मेलन में उपमुख्यमंत्री, मंत्री समेत अन्य नेताओं ने सभी से नशे से दूर रहने की अपील की। महासम्मेलन में लोगों को नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प दिलाया गया। वहीं 'शराब बुराइयों की जड़ नामक पत्रिका का विमोचन हुआ और नशाबंदी के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। महासम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मानव शरीर अनमोल है। हम दुनिया में हर वस्तु खरीद सकते हैं, लेकिन शरीर नहीं। बीमारी किसी को नहीं छोड़ती फिर चाहे अमीर हो या गरीब। इसलिए हमें अपने शरीर का बहुत ध्यान रखना चाहिए। शराब या अन्य नशीले पदार्थों से दूरी बनाकर हम शरीर को तमाम रोगों से

बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मद्य निषेध के मुद्दे को मंच से निकालकर आम जनता तक पहुंचाना होगा। राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ने के लिए हमें सबसे पहले अपने घर से शुरुआत करनी होगी। तो वहीं आर्य समाज उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष देवेंद्र पाल वर्मा नेशनल यूथ पार्टी के अध्यक्ष राज कुमार सिंह और पार्टी ईकाई पीस एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट की टीम के तत्वाधान में सम्मेलन का आयोजन किया गया। पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने लोगों को नशे से दूर रहने और नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ने की शपथ दिलाई।

समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुर्तजा अली ने कहा कि नशा मुक्त जीवन के लिए परिवार और दोस्तों का सहयोग सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कहा कि युवाओं व खासकर छात्र-छात्राओं में नशे की लत बढ़ती जा रही है। इस पर रोक लगाने के लिए समिति स्कूल-कॉलेज और संस्थानों में जाकर युवाओं को जागरूक कर रही है। सम्मेलन में पूर्व मंत्री हरपाल सिंह जग्गी, नगर पंचायत देवा के अध्यक्ष मो हारुन वारसी, मुस्लिम स्कॉलर मौलाना सिबते नूरी, बौद्ध भिक्षु ज्ञान समेत देश के 12 राज्यों और यूपी के सभी जिलों से कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। तो वहीं सपा के विधायक आनंद यादव के साथ नशे के खिलाफ लड़ने वाले इन लोगों का सम्मान राजस्थान की पूजा भारती छाबड़ा, उत्तराखंड के जेसी उत्प्रेती, मध्य प्रदेश के हरिओम गौतम, केरल के शाहनवाज, ओडिशा के सुबेन्दर, दिल्ली के बिलाल अहमद, बिहार के वरुण सिंह व भारत, पंजाब के कयामुद्दीन सिद्दीकी, झारखंड की मायादेवी, कश्मीर के मुशताक वाला समेत अन्य लोगों को नशाबंदी के लिए काम करने पर सम्मानित किया गया।

क्राइम फिल्मों वाला गाजियाबाद अब सुव्यवस्था का मॉडल बना : योगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ग्रेटर गाजियाबाद के लिए योजना का अनावरण किया। इस बात पर जोर देते हुए कि ग्रेटर गाजियाबाद जिले के विकास के लिए महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा कि नगर निगम में लोनी, खोड़ा और मुरादनगर नगर पालिका परिषदें शामिल होंगी। लोनी गाजियाबाद के उत्तरी भाग में स्थित है, जबकि मुरादनगर उत्तर-पूर्व में है, और खोड़ा जिले के दक्षिणी भाग में है।

उन्होंने कहा कि गाजियाबाद आज नए गाजियाबाद के रूप में चमक रहा है। जहां कभी इसके नाम पर गैंगवार और क्राइम फिल्में बनती थीं, वहीं अब यह स्वच्छता और सुव्यवस्थित शहर का मॉडल है। यह दुनिया के शीर्ष 50 स्वच्छ शहरों में शामिल हो सकता है। उन्होंने कहा कि कोई सोच भी नहीं सकता था कि यह 12 लेन वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से जुड़ जाएगा और यह देश का पहला शहर होगा जहां रैपिड रेल चलेगी। जहां कभी कूड़े के पहाड़ हुआ करते थे, अब वहां सिटी फॉरेस्ट हैं। योगी ने कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे जत्थे को शुभारंभ किट उपलब्ध कराया। उन्होंने इन यात्रियों का हृदय से अभिनंदन करते हुए सुखद-मंगलमय यात्रा की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना करता हूं कि इन सब पर कृपा बनी रहे। दर्शन करके आने वाले सभी यात्रियों को यूपी सरकार की तरफ से एक-एक लाख की सहायता दी जाएगी। कैलाश मानसरोवर भवन हमने यात्रियों की सुविधा के लिए स्थापित किया था। आज 200 से अधिक श्रद्धालु इस भवन में आकर यात्रा का हिस्सा बनने जा रहे हैं। सीएम ने कहा कि बाबा दुग्धेश्वरनाथ मंदिर कॉरिडोर निर्माण समेत विकास-बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। स्टेडियम बनाने के लिए बीसीसीआई ने बहुत पहले यहां जमीन ली थी, लेकिन काम आगे नहीं बढ़ा।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी ने गोली मारकर की खुदकुशी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। वाराणसी जिले के चितईपुर थाना क्षेत्र के महामनापुरी कालोनी स्थित निजी आवास पर भोर में 3.30 बजे रिटायर्ड पुलिस इंस्पेक्टर आरके सिंह ने अपनी लाइसेंसी रायफल से खुद को सिर में गोली मारकर खुदकुशी कर ली। पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर राजेश कुमार सिंह उर्फ आरके सिंह (65) ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरके सिंह गले के कैंसर की बीमारी से 2019 से जूझ रहे थे। मुंबई में उनका कैंसर का उपचार चल रहा था। जहां डॉक्टरों ने जवाब दे दिया था। जिसके बाद से उनका कीमो होता था। गले में दर्द के कारण पेन किलर के सहारे ही जीवन चल रहा था। बृहस्पतिवार की भोर में साढ़े तीन बजे चितईपुर थाना क्षेत्र के महामना नगर कालोनी स्थित अपने आवास पर लाइसेंसी रायफल से सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जिस समय उन्होंने गोली मारी उस समय पत्नी बाथरूम में गई थी। आरके सिंह वाराणसी में ईओडब्लू से रिटायर हुए थे। परिवार में पत्नी, बेटा शशांक, बहू और दो बेटियां हैं। वे एक बेटी की शादी हुई है। मूल रूप से आजमगढ़ के रहने वाले थे। कई वर्षों से मकान बनवा कर वाराणसी में रह रहे थे। देर रात जब आरके सिंह ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की तो गोली की तेज आवाज सुनकर परिजनों ने सोचा कि घर के बाहर लगे ट्रांसफॉर्मर से आवाज आई है। जब कमरे में पत्नी पहुंची तो नजारा देख पैरों तरे जमीन खिसक गई।

किशोरी से दुराचार का आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने किशोरी से दुराचार करने के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया है। करीब छह माह पहले दोनों की दोस्ती हुई थी। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि उन्नाव निवासी दिवाकर की दोस्ती इंस्टाग्राम के जरिए मोहनलालगंज निवासी किशोरी से हुई थी। फोन पर बातचीत होने के बाद 21 जून को किशोरी परिवार को बिना बताए दिवाकर के साथ चली गई थी। बेटी के नहीं मिलने पर पिता ने मुकदमा दर्ज कराया था। इंस्पेक्टर ने बताया कि सर्विलांस की मदद से आरोपित की लोकेशन उन्नाव असोहा में मिली थी। जिसके बाद एक टीम मोहनलालगंज से उन्नाव भेजी गई। इंस्पेक्टर ने बताया कि दिवाकर को गिरफ्तार कर किशोरी को परिवार के सुपुर्द किया गया। उधर, आलमबाग पुलिस ने हाईस्कूल छात्रा से दुराचार करने के आरोप में बुक डिपो कर्मी को गिरफ्तार किया।

एक जुलाई से अभ्युदय कोचिंग का नया सत्र होगा शुरू

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश भर के युवाओं के लिए एक बार फिर से सुनहरा अवसर दस्तक देने जा रहा है। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत इस वर्ष 01 जुलाई से प्रदेश के सभी 75 जिलों में निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग का नया सत्र शुरू होने जा रहा है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित इस योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को समान अवसर सुनिश्चित करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग की सुविधा दी जाती है। इस निःशुल्क कोचिंग योजना के तहत इस बार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रदेशभर में 30,000 से अधिक युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इनमें सबसे अधिक आवेदन लखनऊ जिले से आए हैं, जहां योजना के अंतर्गत 11 कोचिंग सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। वहीं अब तक 25 जिलों में प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा चुकी है। इसके अंतर्गत प्रत्येक जिले में एक परीक्षा केंद्र बनाया गया था। परीक्षा का आयोजन जिला समाज कल्याण अधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी की संयुक्त निगरानी में किया गया। इस वर्ष प्रदेश में संचालित कुल 162 कोचिंग केंद्रों पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। इसमें विभिन्न संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाएगा। हाल ही में चयनित अभ्यर्थियों, सिविल सेवा में कार्यरत अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों को भी बतौर फैकल्टी जोड़ा गया है। वर्ष 2024 में योजना से लाभान्वित हुए छात्रों ने कई अहम परीक्षाओं में सफलता हासिल की थी। अभ्युदय योजना के तहत संघ लोक सेवा आयोग, यूपी लोक सेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, अन्य भर्ती बोर्ड संस्थाओं द्वारा आयोजित परीक्षाएं, जेईई, नीट, एनडीए, सीडीएस, अर्धसैनिक केंद्रीय पुलिस बल, बैंकिंग, एसएससी, बीएड, टीईटी की तैयारी करायी जाती है।

मनरेगा कार्यों में प्रयुक्त सामग्री उच्च क्वालिटी की हो

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मनरेगा कार्यों में प्रयुक्त सामग्री उच्च क्वालिटी की होनी चाहिए। निर्माण कार्यों में प्रयोग की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता की जांच हर हाल में की जाए। मुख्य विकास अधिकारी व स्टेट क्वालिटी मैनेजर इस सम्बन्ध में पूरी सजगता व नियम संगत कार्य करें। कहीं पर भी अनियमितता या गड़बड़ी पायी जाय, तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाय। समस्त मुख्य विकास अधिकारी/अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयकों को पूर्व में ही जारी दिशा निर्देशों में कहा गया है कि मनरेगा योजनान्तर्गत निर्मित एवं निर्माणाधीन परिसम्पत्तियों की गुणवत्ता पूर्वक जांच हेतु प्रदेश में स्टेट क्वॉलिटी मॉनीटर हैं। कार्यों में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता का परीक्षण हेतु शासन स्तर से शासनादेश पूर्व में निर्गत किया गया है। मुख्य विकास अधिकारियों को पूर्व में ही निर्देशित किया गया है।

राज्यपाल ने किया इन्फ्लिबनेट लाइब्रेरी सेंटर का भ्रमण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने गुरूवार को गांधीनगर स्थित इन्फ्लिबनेट सेंटर का भ्रमण किया। इन्फ्लिबनेट, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का एक स्वायत्त अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों के पुस्तकालयों का आधुनिकीकरण करना तथा सूचना संसाधनों को डिजिटल माध्यम से सुगम और सुलभ बनाना है। उनके साथ प्रदेश के तीन प्रमुख तकनीकी विश्वविद्यालयों हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय एवं मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति भी इस भ्रमण में सम्मिलित हुए। इस प्रथम चरण में इन्फ्लिबनेट की कार्यप्रणाली, संसाधनों तथा डिजिटल सेवाओं की जानकारी प्राप्त की गई। इन्फ्लिबनेट के माध्यम से पुस्तकों के प्रकाशन से लेकर शोध, ई-संसाधन एवं लाइब्रेरी नेटवर्किंग जैसी महत्वपूर्ण सूचनाएं एक ही मंच पर उपलब्ध हैं।

उन्होंने इस अवसर पर यह अपेक्षा व्यक्त की कि उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालय इस आधुनिक सूचना तंत्र का भरपूर लाभ लें। आगामी द्वितीय चरण में, अन्य राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति इन्फ्लिबनेट का भ्रमण करेंगे और इस उन्नत प्रणाली के साथ अपनी सहभागिता को मजबूत करेंगे। साथ ही, उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों और इन्फ्लिबनेट के बीच विभिन्न सहयोगात्मक विषयों पर एमओयू भी हस्ताक्षरित किए जाएंगे।यह पहल राज्य में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और शोध के स्तर को नए आयाम प्रदान करेगी।

उप मुख्यमंत्री ने बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की जयन्ती पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरूवार को प्रयागराज गौरव अनुभूति आयोजन समिति द्वारा प्रयागराज स्थित शहीद चंद्रशेखर आज़ाद सर्किट हाउस में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के अमर रचयिता युग मनीषी बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। श्री मौर्य ने कहा कि 'वंदे मातरम' माँ भारती के प्रति अटूट प्रेम, बलिदान और आत्मसम्मान का ऐसा मंत्र है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम में महान क्रांतिकारियों को राष्ट्र प्रेम के प्रति प्रेरित किया और आज भी हर भारतीय के हृदय में देशभक्ति की भावना को बलवती बनाता है। उन्होंने कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को 'वन्दे मातरम' के रूप में राष्ट्रभक्ति का स्वर देकर एकजुट किया तथा उनकी प्रसिद्ध कृति 'आनंदमठ' ने जन-जन में राष्ट्रप्रेम की अलख जगाने का कार्य किया।

सत्ता मिलते ही संविधान भूल जाती है भाजपा : अखिलेश

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश ने कहा कि भाजपा सत्ता हासिल करने के लिए संविधान का इस्तेमाल करती है, लेकिन जैसे ही वह सत्ता प्राप्त कर लेती है, संविधान का सम्मान करना भूल जाती है। अखिलेश ने कहा कि यह नकारात्मक लोग अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए समाज को कमजोर करते हैं क्योंकि इनका दबदबा तभी दिखाई देगा जब समाज कमजोर रहे। इसलिए ये हर उस चीज के खिलाफ हैं जो समाज को मजबूत करती हो।

पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से रूबरू अखिलेश ने बिना सीएम योगी का नाम लिए कहा कि ऐसे स्वार्थी लोग हर विचार और समाज एवं समाजवाद से जुड़े शब्द के खिलाफ हैं। गौरतलब है कि सीएम योगी ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि संविधान में धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द जोड़ना भारत की आत्मा पर कुठाराघात है। अखिलेश यादव ने कहा कि एकाधिकार वाले लोग समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष विचारों का विरोध करते हैं क्योंकि समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष होने के लिए एक बड़े दिल की जरूरत होती है, जबकि बिना हृदय वाले लोग हमेशा इसका विरोध करते हैं और करते रहेंगे। अखिलेश ने कहा कि पीडीए (पिछड़ा दलित एवं अल्पसंख्यक) समुदाय के लोग साझा पीड़ा से पीड़ित हैं।

डबल डेकर बस पलटी, दो की मौत, 25 घायल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। इटावा जिले में बिहार से दिल्ली जा रही एक डबल डेकर बस गुरुवार को इटावा के सैफई क्षेत्र में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक नेपाली महिला समेत दो लोगों की मौत हो गयी है, जबकि 25 से अधिक लोग घायल हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि थाना सैफई क्षेत्र के अंतर्गत आगरा लखनऊ-एक्सप्रेस-वे पर बिहार के मधुबनी से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस हादसे का शिकार हो गई। घटना में बस में सवार दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक घायल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती करवाया है। घायलों में कुछ यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बहुचर्चित श्रवण साहू हत्याकांड के दो आरोपियों को मिली जमानत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। तेल कारोबारी श्रवण साहू हत्याकांड में सजा पाए आरोपी बाबू खान को लखनऊ हाईकोर्ट की डबल बेंच ने सशर्त जमानत दे दी। बाबू खान सहित 8 लोगों को सीबीआई की विशेष अदालत ने 22 अगस्त 2024 को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने उस पर 1 लाख जुमार्ना भी लगाया था। बाबू खान की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट जीशान अल्वी ने बताया कि साजिश में बाबू खान की भूमिका स्पष्ट नहीं है। कोर्ट ने सहअभियुक्त अजय पटेल को पहले ही बेल दी थी, उसी आधार पर बाबू खान को भी राहत मिली। अजय पटेल को लखनऊ हाईकोर्ट ने 21 अप्रैल 2025 को सशर्त जमानत दी थी। कोर्ट ने कहा था कि सह-आरोपी से नजदीकी भर साजिश साबित नहीं करती। हाईकोर्ट ने बाबू खान की जमानत पर कहा कि उसके खिलाफ कोई ठोस आपराधिक इतिहास नहीं। ट्रायल के दौरान भी वह बेल पर था और कभी शर्तों का उल्लंघन नहीं किया। अपील 2024 की है और जल्द सुनवाई की संभावना नहीं। कोर्ट ने 1 लाख के निजी मुचलके पर दो जमानती पेश करने की शर्त पर बेल दी। जुमार्ने की आधी रकम एक महीने के भीतर जमा करनी होगी। बता दें कि एक फरवरी 2017 को सआदतगंज के बड़े चौराहे पर दुकान के बाहर बैठे श्रवण साहू को बाइक सवार दो शूटरों ने 5 गोलियां मारी थीं, एक गोली सिर में लगी थी। वह अपने बेटे आयुष साहू की हत्या का इकलौता गवाह था, जो 2013 में मारा गया था। नीली शर्ट, काली टी-शर्ट और चेक शर्ट पहने तीनों आरोपी। घटना के बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार किया था। नीली शर्ट, काली टी-शर्ट और चेक शर्ट पहने तीनों आरोपी। घटना के बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार किया था।

सपा ने छत्रपति शाहूजी महाराज की 191वीं जयन्ती मनाई

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय में में छत्रपति शाहूजी महाराज की 191वीं जयन्ती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव थे। अखिलेश ने छत्रपति शाहूजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। अखिलेश यादव ने इस अवसर पर कहा कि छत्रपति शाहूजी महाराज ने 26 जुलाई 1902 को कोल्हापुर राज्य में आरक्षण व्यवस्था लागू कर पिछड़े और वंचित वर्गों को अधिकार और सम्मान देने का कार्य किया। उन्ही के अनुसरण में समाजवादी पार्टी ने संविधान मान स्तम्भ की स्थापना की है।

कोलकाता से आए 3 किन्नरों के पास मिले 28 लाख

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। एयरपोर्ट पर कोलकाता से आए तीन किन्नर यात्रियों के पास से 28 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। तीनों बुधवार को इंडिगो की फ्लाइट से लखनऊ पहुंचे थे। एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) उनको हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सूत्रों का कहना है कि एयर इंटेलिजेंस यूनिट टीम को इसकी पहले ही जानकारी हो चुकी थी। जिस पर यह टीम विमान की लैंडिंग से पहले ही एयरपोर्ट पर मुस्तैद हो गई। लैंडिंग के बाद विमान से उतरे यात्री टर्मिनल बिल्डिंग से बाहर निकल रहे थे, तभी तीन किन्नर इंटेलिजेंस टीम को संदिग्ध लगे। तीनों को हिरासत में लेकर हजरतगंज स्थित एआईयू के मुख्यालय ले जाया गया है। आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, पिंकी नाम की किन्नर अपने दो साथियों संग कोलकाता से लखनऊ आई थी। सूचना पर एयरपोर्ट पहुंची आयकर की टीम ने पिंकी से पूछताछ की। उसके पास 28 लाख रुपए मिले, जिसका हिसाब उसके पास नहीं मिला। इस रुपए को लखनऊ से सड़क मार्ग से कानपुर पहुंचना था। आयकर विभाग को शक है कि पिंकी करियर का काम कर रही है। वहीं, इसकी जानकारी किन्नरों की नेता पायल किन्नर को हुई। पायल का कहना है कि पिंकी अपना घर बनवाने के लिए कोलकाता से गोल्ड लोन लेकर आई थी।

लग्जरी गाड़ी से 34 लाख के गांजा सहित दो तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। फिरोजाबाद जिले के थाना टूण्डला पुलिस व एसओजी की टीम ने गुरुवार को लग्जरी गाड़ी से तस्करी करने वाले दो अंतरराज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से 34 लाख का गांजा बरामद किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों पर अंकुश लगाने व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में अभियान चलाया जा रहा है।

जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण करें अधिकारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरूवार को अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस, प्रयागराज में जनता दर्शन कार्यक्रम लगाया, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याओं और शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को समाधान हेतु निर्देशित किया। श्री मौर्य ने विभिन्न क्षेत्रों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने लोगों की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

लोकबंधु अस्पताल में रक्तदान शिविर

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। लोकबंधु राजनारायण संयुक्त अस्पताल के ब्लड बैंक में विश्व रक्तदाता दिवस पखवाड़ा मनाया जा रहा है। अस्पताल के एमएस डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि एलयू कैंपस में भारतीय स्टेट बैंक शाखा में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोकबंधु ब्लड बैंक के अधिकारी व कर्मचारी, शाखा प्रबंधक आदि उपस्थित रहे। शिविर में रक्तदान के महत्व के बारे में बताया गया। 20 डोनर ने पंजीकरण कराया, जिसमें 10 लोगों ने रक्तदान किया।

स्वतंत्र भारत वर्गीकृत

संबंध विच्छेद
मैंने पुत्रों तसलीम, मुस्तकीम, वसीम, हसीब, मोबीन को गलत कृत्यों के कारण चल अचल संपत्ति से बेदखल करके संबंध विच्छेद कर लिए हैं। वे अपने कृत्यों के स्वयं जिम्मेदार होंगे। सलीम पुत्र कल्लू नि.मो. बमनपुरी, तह. पूरनपुर-पीलीभीत।
सी.आर.-643/D-31

सूचना
मैंने अपना नाम SAHANI ANJALI SUBHASH से बदलकर ANJALI SUBHASH CHANDRA SAHANI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/o-VIVEK NAVIK R/o-12, GATHANA THEKIYA DIST-JAUNPUR-223104 (U.P)
सी.आर.-641/L-25

संबंध विच्छेद
मैंने अपने पुत्र मो. समीर खां उर्फ मुन्ना, पुत्रवधु रुशी खां को गलत कृत्यों के कारण चल अचल संपत्ति से बेदखल करके संबंध विच्छेद कर लिए हैं। वे अपने कृत्यों के स्वयं जिम्मेदार होंगे। मो. इलियास जमा खां पुत्र यूनुस जमा खां नि.मो. आतिशबाजान थाना कटरा-शाहजहांपुर।
सी.आर.-643/D-34

सूचना
मैंने अपना नाम AMITA KUMARI PAL से बदलकर AMITA PAL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/o-DEEPAK PAL ADD-598 KA/140 DEFENCE COLONY TELIBAGH, SHIV MANDIR DIST-LUCKNOW-226002 (U.P)
सी.आर.-641/L-25

सूचना
सूच्य हो कि मुख्तार अंसारी व मो0 मुख्तार दोनों नाम मेरे ही है। आधार कार्ड व अन्य सरकारी अभिलेखों में भी मुख्तार अंसारी नाम अंकित है। अतः मुझे मुख्तार अंसारी के नाम से जाना पहचाना जाये और बैंक खाते में यहीं नाम अंकित किया जाए। मुख्तार अंसारी पुत्र अमीन नि0- बम्हरौली पो0- घरकोइया, जि0- बाराबंकी।
सी.आर.-637/D-39

सूचना
मैंने अपना नाम मो. रईस अहमद से बदलकर रईस अहमद रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। पता-355/352 मुराऊ टोला ब्लाक एफ आलम नगर लखनऊ - 226017(उ.प्र.)
सी.आर.-641/L-25

सूचना
सर्वसाधारण के सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम POONAM KUMARI RAWAT था जो अब बदलकर POONAM GANDHI हो गया है। भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। POONAM GANDHI W/o DIVYESH KUMAR GANDHI 6, MALVIYA ROAD GEORGE TOWN PRAYAGRAD U.P.
सी.आर.-639/D-31

सूचना
मैं सरिता श्रीवास्तव पत्नी स्व. श्याम शंकर श्रीवास्तव नि. ग्रा. पहेरमऊ थाना-चंदापुर रायबरेली, अपने पुत्र आयुष श्रीवास्तव को परिवार विरोधी व अनैतिक कृत्यों के कारण अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में मेरा व मेरे परिवार का आयुष श्रीवास्तव से कोई लेना देना नहीं होगा।
सी.आर.-640/D-38

सूचना
मैंने कुरबान अली के नाम से भारतीय जीवन बीमा निगम की एक पॉलिसी 212586721 लिया था जबकि मेरे आधारकार्ड व बैंक में मेरा नाम सोएब अली दर्ज है दोनों नाम का एक ही व्यक्ति है। सोएब अली पुत्र बकरीदी ग्रा0- जमधरा, भोजपुर थारू गैसड़ी, बलरामपुर।
सी.आर.-638/D-34

सूचना
मैं SUJIT YADAV आज से अपना नाम बदलकर SUJEET YADAV रख रहा हूँ। अतः मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना और पहचाना जाये। ADD.- GRAM SATAINI POST BARGHAN BARA GHAHAN DISTT AZAMGARH, UTTAR PRADESH 276301
सी.आर.-641/L-25

सूचना
मैं अपने पुत्र शिव प्रसाद के चाल चलन से तंग आकर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है भविष्य में ये अपने समस्त कृत्यों के स्वयं जिम्मेदार होंगे। श्रीराम पुत्र बाबूराम ग्रा0-गुलरिहा, गौरा बगनहा तुलसीपुर बलरामपुर।
सी.आर.-638/D-31

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे द्वारा श्रीमती वंदना पितरिया से खरीदी गई तहसील लखीमपुर के ग्राम उदयपुर स्थित भूमि गाटा संख्या 229 की पुरानी रजिस्ट्री संख्या 3376 दिनांक 10 मार्च 2006 वास्तव में कहीं खो गई है। किसी के द्वारा यदि इसका प्रयोग किया जाता है तो वह अवैध होगा। **रितेश अग्रवाल पुत्र सुरेश कुमार निवासी मोहल्ला द्वारिकापुरी, थाना-कोतवाली, शहर व तहसील-लखीमपुर, जिला-खीरी।**
सी.आर.-642/D

गुमशुदा
नाम - प्रिया देवी
पुत्री - विनोद कुमार तिवारी
उम्र - 18 साल, रंग गोरा, लम्बाई औसत

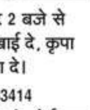

दिनांक-07/04/2025 दोपहर 2 बजे से गायब है जिस व्यक्ति को दिखाई दे, कृपा निम्न नंबरो पर सूचना दे।
संपर्कसूत्र- 8874988753,7355153414
पता - 214L/4N/Y गंगा नगर ट्रांसपोर्ट नगर धूमनगंज प्रयागराज
सी.आर.-639/D

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिए उप मुख्य विद्युत अभियंता, निर्माण, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निविदा संख्या 143R-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 IREPS की वेबसाइट यानी **http://www.ireps.gov.in** पर समापन तिथि 21.07.2025 समय (11:30 Hrs.) एक पैकेट प्रणाली के तहत 'ई–टेंडर' आमंत्रित किया जाता है।

NIT संख्या	143R-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 दिनांक 26.06.2025
निविदा संख्या	143R-Dy.CEE-C-LKO-2025-26
कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के रोलिंग स्टॉक वर्कशॉप, चारबाग, लखनऊ के अंदर ईएलपीओएच शॉप के लिए सब असेंबली ओवरहालिंग की सुविधा के निर्माण के संबंध में विद्युत सामान्य सेवा का कार्य।
निविदा प्रपत्र लागत	कुछ नहीं।
लगभग निविदा मूल्य	रु. 1,41,50,035.86 (एक करोड़ एकतालिश लाख पचास हजार पैतीस रूपये और छियासी पैसे मात्र)
बोली सुरक्षा	रु. 2,20,800.00 (दो लाख बीस हजार आठ सौ रूपये मात्र)
समापन की अवधि	12 (बारह) माह
ऑफर की वैधता	60 दिन
IREPS वेबसाइट पर विज्ञापित निविदा दिनांक	26.06.2025
जिस तिथि तक ठेकेदार अद्यतन/परिशिष्ट/संशोधित तिथि नोट कर सकता है।	07.07.2025
निविदा प्रस्तुत करने की समाप्ति तिथि और समय	21.07.2025 (11:30 Hrs.)
पात्रता मापदंड	निविदा दस्तावेज के अनुसार

ध्यान दें : 1. ठेकेदार को प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय IREPS वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किए जाने वाले निविदा दस्तावेज के अनुसार आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। 2. सभी प्रतिभागी ठेकेदार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ अपने आवश्यक दस्तावेज जमा करेंगे। "अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने के लिए कोई भी पोस्टटेंडर पत्राचार तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्ताव खोलने के बाद विचार नहीं किया जाएगा। यहां तक कि निविदाओं के सू–मोटो पोस्ट टेंडर पत्रों को अशक्त और शून्य माना जाएगा।" टेंडर नोटिस **www.ireps.gov.in** की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

No. 143R-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 दिनांक 26.06.2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1925/25

उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमीशन कारपोरेशन लिमिटेड
ई-निविदा संख्या-02-वि020ई0 (प्र0) / 2025-26

प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों / निर्माताओ से निम्नलिखित कार्यो सामग्री की आपूर्ति हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। ई-निविदायें उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइड www.etnder.up.nic.in पर स्वीकार की जायेगी।
(1) ई-निविदा संख्या-02 / वि020ई0 (प्र0) / 2025-26:- विद्युत रचना इकाई, नैनी में सी0सी0टी0वी0 सर्विलान्स सिस्टम लगवाने हेतु दिनांक 25.07.2025 को 13.00 बजे खोली जायेगी निविदा जमा करने की तिथि तक विवरण के लिए / डाउनलोड के लिए/किसी प्रकार के सुधार/संशोधन / परिर्वतन के लिए कृपया उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट www.etnder.up.nic.in से प्राप्त करें। अधिशासी - अभियन्ता, विद्युत रचना इकाई, पो0 टी0एस0एल0, नैनी, प्रयागराज।
'राष्ट्र हित में बिजली बचाएं'
पत्रांकः 368/EFU (P)/
Date: 25.6.2025

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई–निविदा सूचना संख्या NER-BSB0SnT-OT-08-2025

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार/पूर्वोतर रेलवे/वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **क्रमांक : 1. निविदा सूचना सं. एवं कार्य का नाम : NER-BSB0SnT-OT-8-2025 कार्य का नामः** बमसिदुई–I वाराणसी, वाराणसी मंडल के अनुभाग में ओएफसी प्रणाली के लिए पुरानी बैटरी और बैटरी चार्जर के प्रतिस्थापन का कार्य। **विवरण : अनुमानित लागत :** रु. 6318271.67/–, **बयाना की राशि :** रु. 126400.00/–, **निविदा प्रपत्र की कीमत :** रु. 00.00/–, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 120 Days, **निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय :** 17.07.2025 को 15:00 बजे 1. ई–निविदा दिनांक 17.07.2025 को 15:00 बजे तक आनलाईन जमा किया जा सकेगा। 2. पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट **i.e. www.ireps.gov.in** देखें।
मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार मुजाधि/सिग्नल–25 वाराणसी
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

उ0 प्र0 पावर कारपोरेशन लिमिटेड
शुद्धि पत्र–2

इस कार्यालय की ई–निविदा सूचना संख्या–02/अ0अ0(जा0)ई/श0भ0वि0/ल0/2025–26 के विरूद्ध आमंत्रित निविदा जो दिनांक 24.06.2025 को खोली जानी थी जो अपरिहार्य कारणों से अब दिनांक 12.07.2025 अपरान्ह 12:00 बजे खोली जायेगी। अन्य नियम/शर्तें पूर्ववत रहेगी।
अधिशासी अभियन्ता, (जानपद) इकाई, 9वां तल, शक्ति भवन विस्तार, 14–अशोक मार्ग, लखनऊ
("राष्ट्रहित में बिजली बचायें")
पत्रांक–1824/अधि0अभि0(जा0)ई/टेण्डर दिनांकः– 26.06.2025

भारत सरकारः रेल मंत्रालय
अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन
मानक नगर, लखनऊ-226011

संख्या : PGL/Advt/2025 दिनांक : 26.06.2025

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन, लखनऊ
ई-निविदा सूचना संख्या : 03255006/175

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यकारी निदेशक/भंडार, इस कार्यालय द्वारा प्रकाशित ई–खुली निविदा (एक पैकेट) आमंत्रित करते हैं –

क्रम संख्या	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा बंद होने की तिथि/निविदा का खुलना
1	2	3	4	7
1	03255006	पोर्टेबल हैंडहेल्ड एक्स–रे फ्लोरोसेंस एलॉय एनालाइजर तकनीकी विनिर्देश और संलग्न निविदा की विशेष शर्त के अनुसार। आपूर्ति का दायरा पोर्टेबल एक्सआरएफ एलॉय एनालाइजर के लिए तकनीकी विनिर्देश के "1- विक्रेता द्वारा आपूर्ति का दायरा'' के अनुसार होगा।	04 Nos.	28/07/2025 13:30 बजे (सोमवार)
		वार्षिक रखरखाव अनुबंध 03 वर्षो के लिए 24 महीने की वारंटी की समाप्ति के बाद अनुलग्नक–ए (संलग्न) में दी गई शर्तो और नियमों के अनुसार।	04 Nos.	

निविदा शर्तो और निविदा में जारी शुद्धिपत्र (यदि कोई हो) की पूरी जानकारी के लिए कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।
कार्यकारी निदेशक/भण्डार/आरडीएसओ/लखनऊ

कार्यालयः– ग्राम पंचायत भतोइया मलिहाबाद–जनपद लखनऊ।
पत्रांक मेमो/अल्पकालीन निविदा/मनरेगा/2025–26 दिनांक : 26.06.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भतोइया में मनरेगा/2025–26 की कार्य योजना के अन्तर्गत निम्नांकित कार्यो हेतु उनके नाम के सम्मुख अंकित सामग्री की आवश्यकता है :–

क्र. सं.	कार्य का नाम	ईटा M-150	मौरंग	बालू	सीमेंट	ईंट रोड़ा	पत्थर गिट्टी 10 mm	पत्थर गिट्टी 20 mm	Sans Zone V (Jamuna)	इण्टर लॉकिंग ईंट	सरिया	अन्य सामग्री
01	श्यामप्रकाश के घर से RCC रोड तक नाली एवं CC रोड निर्माण कार्य 2025–26	9775 ईंट	29.1578 घन मी0	30.6435 घन मी0	26.1582 टन	55.9780 घन मी0	11.52 घन मी0	35.10 घन मी0		—	5.7697 कुन्तल	प्राक्कलन दर पर आपूर्ति GST भाड़ा अतिरिक्त
02	भगवानदीन के घर से अख्तर अली के घर तक नाली एवं इण्टरलाकिंग निर्माण 2025–26	7406 ईंट	7.01 घन मी0	10.10 घन मी0	5.7556 टन	20.20 घन मी0	1.28 घन मी0	3.90 घन मी0	10.40 घन मी0	160 Sqm	3.4618 कुन्तल	प्राक्कलन दर पर आपूर्ति GST भाड़ा अतिरिक्त

उपरोक्त विवरण के अनुसार अति अल्पकालीन निविदा सूचना के इच्छुक पंजीकृत फर्म/आशा कर्ताओं से मुहर बन्द लिफाफे में प्रकाशन की तिथि से **04.07.2025 को समय अपरान्ह 02.00 बजे तक** जमा कर सकते हैं। निविदा उसी दिन सभी निविदा दाताओं व क्रय समिति के सदस्यों के समक्ष **04.00 बजे** खोली जायेगी। सामग्री की आपूर्ति कार्य स्थल पर करना आवश्यक होगा। अद्योहस्ताक्षरी को किसी भी निविदा को बिना काई कारण बताये निरस्त करने का अधिकार होगा।

श्री विनोद कुमार यादव, सचिव, ग्राम पंचायत भतोइया
श्रीमती शमीम जहाँ, प्रधान, ग्राम पंचायत भतोइया
सी.आर.-644/L

अमरोहा में एनआईए की छापेमारी

आतंकी साजिश मामले में कार्रवाई, पंजाब ग्रेनेड हमले की चल रही जांच

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। अमरोहा जिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआई) की टीम ने बृहस्पतिवार तड़के अमरोहा शहर और सिहाली जागीर गांव में छापेमारी करते हुए सैदुल इस्लाम के दोस्त नवाब और उसके परिजनों समेत तो वहीं सिहाली जागीर निवासी अब्दुल हकीम से सैदुल इस्लाम के दोस्त नवाब और उसके परिजनों से पूछताछ की।

सिहाली जागीर निवासी अब्दुल हकीम के दिल्ली में रहने वाले बेटे अजीम और जुरखन के बारे में टीम के अफसरों ने कई घंटों जांच पड़ताल कर पूछताछ कर दिल्ली में रहने वाले बेटे अजीम और जुरखन के बारे में भी जानकारी जुटाई। इन लोगों ने जालंधर में भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर ग्रेनेड हमला करने मामले में कार्रवाई पूरी होने तक टीम ने घर के सदस्यों को बाहर जाने की इजाजत नहीं दिया। एनआईए की छापेमारी के विषय में पुलिस अधीक्षक से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मेरे संज्ञान में है लेकिन स्थानीय पुलिस को दूर रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक एजेंसी ने पंजाब में नौ, हरियाणा में सात जगहों पर एक साथ कार्रवाई की है। बता दें कि जालंधर में सात अप्रैल की रात भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर पर ग्रेनेड से हमला किया गया था।

पहले भी पकड़े गए हैं आतंकी

जालंधर में भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर ग्रेनेड से हमला करने के बाद अमरोहा के सैदुल अमीन का नाम सामने आने के बाद खुफिया एजेंसी सक्रिय हो गई थी। सात साल पहले हरकत-उल-हरब-ए-इस्लाम मॉड्यूल का खुलासा होने के बाद अमरोहा एक बार फिर एजेंसियों के रडार पर है। सैदुल अमीन के बारे में बारीकी से छानबीन की जा रही है। उसके परिचित और रिश्तेदारों पर भी नजर है। 26 दिसंबर 2018 को एनआईए और एटीएस की टीम ने संयुक्त रूप से शहर कोतवाली के मोहल्ला मुल्लाना, पचदरा, इस्लामनगर और नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के गांव सैदपुर इम्मा में छापा मारा था।संयुक्त टीम की करीब दस घंटे कार्रवाई चली थी।

घरों के दरवाजे तोड़कर घुसी टीम ने मोहल्ला मुल्लाना से मुफ्ती सुहैल, मोहल्ला पचदरा से इरशाद, सैदपुर इम्मा निवासी सईद और रईस को गिरफ्तार किया था। इनके पास से पिस्टल, तमंचे, कारतूस, बारह किलो संदिग्ध आरडीएक्स और एक संदिग्ध राकेट लांचर बरामद किया गया था। जांच में नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के गांव बांसखेड़ी निवासी मौलाना गुफरान के सुहैल से संबंध होने की बात सामने आई थी। कई दिनों की पूछताछ के बाद 20 अप्रैल 2019 को एनआईए ने गुफरान को भी गिरफ्तार कर तेरहवां आरोपी बनाया। गिरफ्तारी के करीब छह महीने बाद एनआईए ने मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। चार्जशीट में हरकत-उल-हरब-ए-इस्लाम के सरगना मुफ्ती सुहैल समेत सईद और मौलाना गुफरान के नाम चार्जशीट में शामिल थे। अमरोहा नगर के कटरा बख्तावर के रहने वाले सैदुल अमीन का नाम जालंधर में भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर ग्रेनेड से हमला करने के उजागर होने के बाद अमरोहा फिर सुर्खियों में आ गया है। इसके बाद केंद्रीय एजेंसियां और यूपी एटीएस सक्रिय हो गई है। पंजाब पुलिस ने दावा किया है कि सैदुल अमीन के लिंक आतंकियों से जुड़े हैं। उधर, सैदुल अमीन की गिरफ्तारी के बाद अमरोहा के लोग हैरत में हैं।

बाइकों की भिड़ंत में दो की मौत

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। काकोरी में मौंदा मोड़ पर बुधवार रात दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इससे दोनों बाइक के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। इंस्पेक्टर सतीश राठौर ने बताया कि मौंदा से अमौसी जाने वाली रोड पर बुधवार करीब सात बजे दो बाइक आपस में टकरा गई। जिससे दोनों के सिर में गंभीर चोट आई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक गंभीर रूप से घायलों को अस्पताल ले गई। घायलों की पहचान उन्नाव औरास के घरघटा निवासी श्याम गौतम (18) और दुबग्गा के सिकरौरी निवासी रामू (28) के रूप में हुई है। रामू फर्नीचर कारीगर है। श्याम औरास से नादरगंज में किराए पर रह रहे परिवार से मिलने जा रहा था। वहीं, रामू अमौसी से अपनी बहन की ससुराल से वापस आ रहा था। अमौसी निवासी बहनोई शुशील कुमार ने बताया कि साढ़े चार बजे रामू घर जाने की बात कह कर निकाला था। पिता की 20 साल पहले मौत हो गई थी। घर पर मां जमुना देवी, पत्नी राधा गौतम बेटा अभी (7) साल है। मृतक श्याम के परिवार में मां ननहक्की है। पिता की मौत हो चुकी है।

डीजीपी से एवीएस सचदेवा ने किया शिष्टाचार भेंट

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के महानिदेशक राजीव कृष्ण से आज लखनऊ स्थित पुलिस मुख्यालय में भारतीय सेना की मध्य कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एवीएसएम, एसएम नवीन सचदेवा ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों अधिकारियों के बीच सामरिक महत्त्व के मुद्दों, उत्तर प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था और सेना-पुलिस समन्वय को लेकर विचार-विमर्श हुआ। बैठक में आपसी सहयोग को और सशक्त बनाने की सहमति बनी। अंत में दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे को प्रतीक चिन्ह भी भेंट किए गए।

कार दिलाने के नाम पर 30 हजार की ठगी

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। विभूतिखंड कोतवाली में युवक ने पुरानी कार दिलाने का झांसा देकर 30 हजार रुपये की धोखाधड़ी किए जाने का मुकदमा दर्ज कराया। जिसके आधार पर पुलिस जांच कर रही है। संतकबीरनगर निवासी अनिकेत मौर्या ने पुरानी कार खरीदने के लिए ई-कामर्स वेबसाइट सर्च की थी। इस दौरान उन्हें हिना खान नाम की आईडी से एक पोस्ट नजर आई। कार की फोटो भी अनिकेत को भेजी गई। कार पसंद आने पर अनिकेत ने हामी भर दी। साथ ही दस हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए। 16 जून को कार की चाभी देने के लिए अनिकेत को विभूतिखंड बुलाया गया। जहां 20 हजार रुपये नगद लेने के बाद कार की चाभी और पेपर देने की बात एक युवक ने कही। काफी देर तक इंतजार करने के बाद भी युवक नहीं आया। संदेह होने पर पीड़ित ने कई बार युवक को कॉल मिलाई। फोन रिसीव नहीं हो रहा था। ऐसे में अनिकेत ने पुलिस को सूचना दी। इंस्पेक्टर सुनील सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

खबर एक नजर

पॉलिसी कैंसिल करने के नाम पर ठगी मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एचडीएफसी बैंक की इश्योरेंस पॉलिसी को कैंसिल करने के नाम पर एक युवक से साइबर ठगी हो गई। साइबर ठग ने करीब 62 हजार रुपए ठग लिए। मड़ियांव थाना पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। साई सिटी निवासी अमित कुमार बाजपेई ने बताया कि एचडीएफसी लाइफ की इश्योरेंस पॉलिसी ली थी। 17 जून को उनके पास एक कॉल आई। फोन करने वाली महिला पॉलिसी कैंसिल होने के संबंध में बात की। उसने कहा कि आपकी पॉलिसी एक्टिव नहीं है। ऐसे में इसमें जमा रुपए वापस करने के लिए ब्रोकर कोड हटाना होगा। पैसा दिलाने की बात कह मोबाइल नंबर पर एक लिंक भेजा। जिसे क्लिक करके दस्तावेज की डिटेल दी। साथ ही पॉलिसी सही करने और कमीशन आदि के नाम पर के बदले करीब 62 हजार रुपए भी ले लिए। जिसकी महिला ने वॉट्सऐप पर ही रसीद भी भेजी। जिसके चलते भरोसा हो गया। इस बीच उसने अन्य कार्रवाई के लिए और रुपए की मांग की। संदेह होने पर पूछताछ की तो नंबर ब्लाक कर दिया।

पत्नी को ड्रिंक में जहर देकर मारने की धमकी, केस दर्ज

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। आशियाना इलाके में एक महिला ने अपने पति पर ड्रिंक में जहर देकर मारने का आरोप लगाया है। महिला 10 दिन इलाज कराने के बाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता ने अपनी और परिवार की जान का खतरा भी जताया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रजनी खण्ड शारदा नगर निवासी अंजली वर्मा ने बताया कि उनके पति अर्पित लायल सरकारी कर्मचारी हैं। 16 जून को वो अपने पति के साथ घर पर थी। इस दौरान पति ने ड्रिंक में जहर मिलाकर पीने को दिया। जिसको पीने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई। अंजली को इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया गया। कुछ दिन इलाज के चलने के बाद आराम मिलने पर वो अपने मायके कानपुर चली गई। इसके बाद पति अर्पित अज्ञात नंबरों से कॉल करके जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीि़ता महिला का कहना है कि वो पहले भी थाने में शिकायत कर चुकी हैं। इसके बाद परिवार के कहने पर अर्पित से सुलह समझौता हो गया था। लेकिन दो दिन बाद ही अर्पित फिर गाली गलौज और मारपीट करने लगा। घटना के बाद से लगातार पीड़िता और परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा है। मामले में इंस्पेक्टर आशियाना का कहना है कि मुकदमा दर्ज करके जांच की जा रही है।

पड़ोसियों में खूनी संघर्ष

स्वतंत्र भारत नगराम। नगराम के करोरा गांव में बुधवार रात आपसी कहासुनी के बाद बड़ी तकरार में दो पड़ोसी आपस में भिड़ गए। थानाध्यक्ष नगराम के अनुसार गुरुवार के दिन दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध दी गई तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। नगराम के करोरा गांव निवासी रजनीश द्वारा नगराम थाने पर दी गई तहरीर के अनुसार पड़ोसी गुड्डू उससे रंजिश रखते हैं उसी रंजिश की बिना पर बुधवार रात करीब 11 बजे गुड्डू अपनी पत्नी व साथी जगजीवन के साथ उसके दरवाजे आकर गाली-गलौज करने लगे विरोध करने पर लाठी डंडों तथा कुल्हाड़ी के पास से मारने लगे। शोरगुल सुनकर बचाने आई मां केवला व भाई विजय को भी मारा पीटा। जिससे उसके शरीर में काफी चोटें आई हैं। वहीं दूसरे पक्ष के गुड्डू का आरोप है कि बुधवार रात करीब 11 बजे पड़ोसी रजनीश अपने साथी विनोद व मनोज के साथ अकारण ही मां बहन की गंदी गंदी गालियां देने लगे गालियां देने का विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए लाठी डंडों से पिटाई करने लगे बचाने आई पत्नी कमलेश व विश्राम को भी मारा पीटा। मार-पीट से सभी के शरीर में चोटें आई हैं। थानाध्यक्ष नगराम विवेक चौधरी ने बताया कि दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध दी गई तहरीर पर मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दोनों ही मामलों की जांच शुरू कर दी गई है।

युवक के साथ हुआ ऑनलाइन ठगी

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ऑनलाइन फ्राड का शिकार हो गया। जब उसे पता चला तो पीि़त ने सुशान्त गोल्फ सिटी थाने जाकर अपने साथ उये फ्राड के सम्बंध में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। क्षेत्र के ओमेक्स एलआईजी में रहने वाले रकेश सिंह ने पुलिस को बताया कि उनके साथ बीते 4 मई को डछ अढछ के एक विज्ञापन जिसमें बेचने के बहाने 13000/-रु का आनलाइन फ्राड हुआ है। जो कि वढक द्वारा भेजा गया था। मैने अगले दिन 05 मई को 1930 पर काल करके अपनी शिकायत दर्ज करवा दी थी, लेकिन अभी तक कुछ न हुआ तो थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

दबंगों ने युवक को पीटा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में ब्याज का पैसा वापस करने के बाद जब पीडित ने बाइक की चाभी मांगी तो उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने मामले को संज्ञान में आने के बाद दर्ज कर ली। सिमरन पुत्री राजेन्द्र सिंह निवासिनी एल0डी0ए0 कालोनी पराग चौराहा कानपुर रोड लखनऊ प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी 201 बी फिलिक्स स्क्वायर सुशान्त गोल्फ सिटी लखनऊ में कार्यरत हूं। पीड़ित ने बताया कि अंकित कौशिक से ब्याज पर पैसे लिए थे, जिसकी एवज में मैने अपनी बाइक बुलेट (हिमालयन) वढ32ढ53536 गिरवी रखी थी। पीड़ित ने बताया ल मय ब्याज पैसा देने के लिए आफिस बुलाया था। तो अंकित 4-5 लोगो के साथ आये थे परन्तु बाइक लेकर नहीं आये। पीड़ित ने बताया कि अंकित ने बोला कि न्यू हजरतगंज ओमेक्स के वाइन शाप के अपोजिट बुलाया जहां मैं अपने आफिस के साथी के साथ वहां गई जो मैंने पैसे दिए, गिनने के बाद चाभी देने से मना कर दिया तथा गाली-गलौज करने लगे मुझे धक्का दिया जिसके बाद मेरे साथी ने रोक तो उसको 4-5 लोगो ने मिलकर बहुत मारा। रोकने पर मुझे भी मारा। मारपीट के दौरान मेरे साथ वाले साथी की सोने की चैन भी खो गई है। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।

टैंकर की टक्कर से मां-बेटे की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रयागराज के नैनी थाना क्षेत्र में लिप्रोसी चौराहे के समीप गुरुवार को टैंकर की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार मां-बेटे की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि गुरुवार सुबह नैनी के लिप्रोसी चौराहे के समीप सीमेंट वाले टैंकर की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार मां -बेटे की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव कब्जे में परिवार को खबर दी। हादसे में मध्य प्रदेश के रीवा जनपद के सोहागी थाना क्षेत्र के कोनिया खुर्द गांव में कृष्ण बिहारी मिश्र पुत्र सूर्यमणि मिश्र और उसकी मां ऊषा मिश्रा 72 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल एक महिला को उपचार कराने

डीजीपी ने मोहर्रम के अवसर पर नई परम्परा पर लगाई रोक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की मंशानुरूप शासन व यूपी पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण काफी गंभीरता से लेकर मोहर्रम को सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से सभी जनपदों के पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरूस्त करने के निर्देश दिये है। उन्होंने आगामी 27 जून से मोहर्रम प्रारंभ होकर 6 जुलाई को सम्पन्न होने तक निकलने वाले जुलूसों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक थाने पर उपलब्ध त्यौहार रजिस्टर में रजिस्टर नंबर-8 में उपलब्ध प्रविष्टियों का अध्ययन कर जुलूस के नये रास्ते व नई परम्परा की अनुमति नहीं दी जाय। विगत वर्षों में जिन स्थानों पर किसी प्रकार का विवाद हुआ हो अथवा होने की आशंका होने की दशा में पुलिस एवं राजस्व विभाग के राजपत्रित अधिकारियों द्वारा स्थिति का अध्ययन कर विवाद को सुलझाने को लेकर संवेदनशीलता को दूर कराने के लिये कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। अधीनस्थ कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिये जायें कि वे अपने बीट में जाकर सभी प्रकार के विवाद आदि की जांच कर ले एवं बीट सूचना प्राप्त होते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर विवाद को समय रहते हल करने के निर्देश दिये गये है। पुलिस आयुक्त, पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी, सहायक पुलिस आयुक्त, क्षेत्राधिकारी द्वारा भी कर लिया जाये। असामाजिक, साम्प्रदायिक तत्वों की सूचियों को दृष्टिगत रखते हुए अराजक तत्वों के विरूद्ध निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। मोहर्रम के जुलूस व मजलिस व अन्य आयोजनों से सम्बन्धित अंजुमन व समितियों को सूचीबद्ध कर इनकी गोष्ठी कर ली जाये तथा मोहर्रम के दौरान होने वाले समस्त कार्यक्रमों को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु योजना बना ली जाये। मजलिशों से महिलाएं प्रातःकाल के समय व अंधेरे में भी महिलायें कार्यक्रमों में सम्मिलित होने जाती हैं। इस सम्बन्ध में हॉटस्पाट चिन्हित कर प्रभावी पुलिस व्यवस्था करते हुए प्रातःकाल गश्त व चेकिंग हेतु पुलिस पार्टी नियमित रूप से निकाली जाये। यह सुनिश्चित किया जाये कि कहीं पर कोई आपत्तिजनक पोस्टर व सामग्री न लगा हो। जुलूसों व कार्यक्रमों के दौरान व्यवस्था के प्रतिकूल, आपत्ति जनक गतिविधियां को होने से पहले रोकने के प्रयास किये जायें। कार्यक्रमों के दौरान वीडियोग्राफी करायी जाये, सीसीटीवी कैमरों को सक्रियता पूर्व से सुनिश्चित करने के साथ ही ड्रोन कैमरों से चेकिंग करायी जाये। जनपदों में विभिन्न शहरों, कस्बों तथा मोहल्लों में पूर्व में गठित शान्ति समितियों की बैठक आयोजित कर सम्भ्रान्त नागरिकों, धार्मिक गुरूओं आदि का सक्रिय सहयोग लिया जाये। त्यौहारों पर बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, बाजारों, भीड़-भाड़ वाले और संवेदनशील/धार्मिक स्थानों पर आवश्यकतानुसार चेकिंग कराते हुये पुलिस बल का व्यवस्थापन कराया जाये। स्वान दल, आतंकवाद निरोधक दस्ता एवं बम निरोधक दल के माध्यम से सघन जाँच एवं तलाशी सुनिश्चित की जाये। यातायात बाधित नहीं होने पाये इसके लिए बैरियर एवं पुलिस चेक पोस्ट लगाकर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कराई जाये। मोटर वाहन अधिनियम के नियमों का सख्ती से पालन कराया जाये।

पुलिस की छापेमारी में असलहों का जखीरा और कारतूस बरामद

स्वतंत्र भारत ब्यूरोए लखनऊ। राजधानी के मलिहाबाद कस्बे में पुलिस नें छापेमारी कर भारी संख्या में अवैध कारतूस और असलहे बरामद किये।किसी बड़ी शाजिश के तहत एकत्र किये जाने की चर्चा है। मौके पर कई थानो की पुलिस फ़ोर्स मौजूद है। बरामदगी का सिलसिला देर रात तक जारी था। मिली जानकारी के मुताबिक मलिहाबाद कस्बे के मिर्जागंज में सिनेमा हॉल के पास सलाउद्दीन के घर पर डेढ़ लाख से अधिक कारतूस तथा सैकड़ो की संख्या में असलहे पुलिस ने बरामद किए मौके पर कई थानों की पुलिस मौजूद अभी भी तलाशी अभियान चल रहा है। सूत्र बताते है कि इतना बड़ा स्टॉक किसी साजिश के तहत जमा किया गया था। पुलिस प्रत्येक इंगिल से साजिश का पता लगाने में जुटी है।पुलिस का कहना है अभी बरामदगी जारी है। सारी स्थिति कि जाँच पड़ताल की जा रही है। स्थिति स्पष्ट होते ही जानकारी उपलब्ध कराई जायेगी।

15 हजार का इनामी चढ़ा जीआरपी के हत्थे

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। जीआरपी अनुभाग लखनऊ के थाना जीआरपी चारबाग और सर्विलास सेल नें 15 हजार के ईनामी अपराधी धर्मेन्द्र कुमार उर्फ माही को हैदराबाद के अजीजनगर चर्च के पास थाना मोइनाबाद साइबराबाद कमिश्नरेट से गिरफ्तार कर लिया है।यह आरोपी पुलिस टीम को चकमा देकर ऐशबाग स्टेशन से फरार हो गया था।एसपी जीआरपी लखनऊ रोहित मिश्रा नें बताया कि पक? गये आरोपी धर्मेन्द्र कुमार उर्फ माही थाना जीआरपी चारबाग़ में के मुकदमा अपराधी संख्या 24/25 मे वांछित था। इसके विरुद्ध 15 हजार रूपये का पुरस्कार घोषित था।पक?ा गया आरोपी लम्बे समय से फरार था।एसपी जीआरपी लखनऊ रोहित मिश्रा नें बताया कि इसकी गिरफ्तारी के लिए अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे और पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक रेलवे प्रथम अमित कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में गठित टीम बनाई गई। इस अभियान में सर्विलांस टीम को भी शामिल किया गया। एसपी रेलवे नें बताया कि टीम जालंधर पंजाब पहुंची वहां से जानकारी मिली की आरोपी परिवार सहित हैदराबाद (तेलंगाना) में रह रहा है।टीम को जानकारी हुई कि आरोपी हैदराबाद के अजीजनगर चर्च के पास थाना मोइनाबाद साइबराबाद कमिश्नरेट मे मौजूद है। उसे गिरफ्तार कर वहां से न्यायालय से चार दिवस की ट्रांजिट रिमांड लेकर लखनऊ लाया गया।

पुलिस को चकमा देकर हुआ था फरार

एसपी जीआरपी लखनऊ रोहित मिश्रा ने बताया कि पूर्व में बिहार राज्य के थाना बरौनी रिफाइनरी के सहायक उप निरीक्षक रामबाबू शर्मा और सिपाही नीतीश कुमार व सौरभ कुमार दर्ज एक मुकदमे में आरोपी धर्मेन्द्र कुमार उर्फ माही को बीती 10 जनवरी को ट्रांजिस्ट रिमाड लेकर पंजाब (आम्रपाली एक्सप्रेस 15708) से बिहार के लिये निकले थे। ऐशबाग स्टेशन पर सुबह रुकी तब धर्मेन्द्र कुमार उर्फ माही को शौच कराने के लिए ट्रेन में बने पेशाव घर में लेकर जाने पर वहीं से यात्रियो की भीड़भाड़ का फायदा उठाकर पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया था। जिसको लेकर थाना स्थानीय पर मुकदमा दर्ज हुआ था।

पीसीएस अफसर के आवास पर ईडी की छापेमारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तराखंड के डोईवाला चीनी मिल के अधिशासी निदेशक वरिष्ठ पीसीएस अफसर दिनेश प्रताप सिंह के बरेली इंटरनेशनल सिटी स्थित आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का छापा पड़ा है। उत्तराखंड में भूमि अधिग्रहण घोटाले मामले में इनकी जांच चल रही है।बृहस्पतिवार दोपहर छापा पड़ने की सूचना से अफसर समेत राजनीतिक खेमे में हलचल मच गई। सुबह करीब नौ बजे ईडी की टीम पांच गाड़ियों से उनके आवास पर पहुंची। घर पर कोई मौजूद नहीं था। टीम ने गेट का ताला तोड़कर प्रवेश किया और मुख्य द्वार का कुंडा भी निकाल दिया। फिर क्रमवार लॉकर को तोड़कर जांच शुरू की। दोपहर तीन बजे तक टीम की जांच जारी रही। अभी तक क्या रहा, इसपर मीडिया से कोई जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। बताते हैं कि मौके से टीम प्राप्त दस्तावेज को साथ लेकर जाएगी। भूमि अधिग्रहण

घोटाले में हैं आरोपी

जानकारी के मुताबिक दिनेश प्रताप सिंह राष्ट्रीय राजमार्ग-74 भूमि अधिग्रहण घोटाले में मुख्य आरोपी रहे हैं। वर्ष 2011 से 2016 के बीच गदरपुर और आसपास की कृषि भूमि को गैर-कृषि दिखाकर करोड़ों के मुआवजे का 240 करोड़ रुपये से अधिक का खेल किया। नवंबर 2017 में एसआईटी ने गिरफ्तार कर जेल भेजा और 15 माह बाद हाईकोर्ट से जमानत पर रिहा हुए। दिनेश प्रताप की पत्नी अलका सिंह ने वर्ष 2022 में बिथरी चैनपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था। इससे पूर्व अलका सिंह भाजपा में भी रहीं। भाजपा से टिकट न मिलने पर कांग्रेस में गईं थीं। इधर, चुनाव खर्च के बजट में भी काली कमाई खपाने का अंदेशा है। करोड़ों की चल अचल संपत्तियों को खरीदने की भी चर्चा है। इनकी बेटी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही है। आवास पर पिछले साल से ही कोई नहीं आया है।

एक ही परिवार के मां बेटे व पत्नी की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। प्रतापगढ़ जिले के लीलापुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है जहां एक ही परिवार के मां बेटे और पत्नी के शव बंद कमरे में बेड पर मिले है। शवों पर जाहिरा चोट के निशान नहीं मिले हैं, घटना से अफरा-तफरी के साथ हतप्रभ रह गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बंद कमरे का दरवाजा तोड़कर सभी के शवों को कमरे से बाहर निकालते हुए कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मकान में एक पांच माह का मसूम बच्चा व वृद्ध महिला जीवित थे। स्थानीय पुलिस समेत कई अफसरों समेत फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्यों का संकलन किया घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस आत्महत्या की आशंका जता रही है अपर पुलिस अधीक्षक के मुताबिक प्रथम दृष्ट्या ऐसा प्रतीत हो रहा है कि तीनों की मौत जहर खाने से हुई होगी इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही पुस्टी की जा सकेगी। अपर पुलिस अधीक्षक संजय राय ने बताया कि सगरा सुंदरपुरपुर बाजार में एक कॉस्मेटिक की दुकान प्रतिदिन सुबह 5.30 बजे खुल जाती थी लेकिन गुरुवार को सुबह आठ बजे तक दुकान का दरवाजा नहीं खुलने और एक बच्चे के रोने की आवाज सुनकर आस-पास के लोगों ने पुलिस को सूचना दिया। पुलिस ने कमरे का दरवाजा खोला तो देखा कि कमरे के अंदर बैठकर अंकित पटवा उम्र 26 वर्ष मीरा पटवा पत्नी समेत मां आशा देवी उम्र 52 वर्ष तीनों मृत बेड पर पड़े हुए थे। तीनों के शरीर पर किसी भी प्रकार की चोट के निशान नहीं पाया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि जीवित वृद्धा की मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही है, जिससे जांच में कुछ दिक्कतें आ रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह परिवार शांत स्वभाव का था और कभी किसी से विवाद नहीं देखा गया पुलिस टीमें हर पहलू पर बारीकी से जांच पड़ताल कर रही है।

कर्ज में फंसे परिवार ने सामूहिक रूप से खाया जहरीला पदार्थ, दो की मौत

- मां व एक बेटी की मौत, पिता समेत दूसरी बेटी घायल
- पीड़ित परिवार पर करीब छह लाख रुपये का कर्ज था

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। बिजनौर जिले के थाना नूरपुर क्षेत्र के गांव टंडेरा में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब कर्ज से परेशान एक ही परिवार के चार सदस्यों ने सामूहिक रूप से जहरीला पदार्थ खा लिया। इस दर्दनाक घटना में माँ और एक बेटी की मौत हो गई, जबकि पिता और दूसरी बेटी की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों को जिला अस्पताल से मेरठ के लिए रेफर कर दिया गया है। घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला आर्थिक तंगी और भारी कर्ज के दबाव से जुड़ा प्रतीत होता है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पीड़ित परिवार पर करीब छह लाख रुपये का कर्ज था। मामले की गहनता से जांच की जा रही है और अन्य पहलुओं को भी खंगाला जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने परिवार को सीएचसी पहुंचाया, लेकिन एम्बुलेंस के पहुंचने में करीब आधा घंटा देर हो गई, जिससे रामेशिया (50) पत्नी पुखराज और उनकी बेटी अनिता (17) की मौत हो गई। वहीं, पुखराज सिंह प्रजापति (52) पुत्र हरदेवा और उनकी दूसरी बेटी सीतो (19) को गंभीर हालत में जिला अस्पताल से मेरठ रेफर कर दिया गया। परिवार का एकलौता बेटा सचिन उस वक्त घर पर नहीं था, वह मजदूरी के सिलसिले में बाहर गया हुआ था। गांव के लोगों के अनुसार, पुखराज का परिवार पिछले कुछ समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहा था और ब्याज पर लिए कर्ज के कारण परिवार पूरी तरह टूट चुका था।

सड़क हादसे में युवक की मौत

- मोहनलालगंज थाना क्षेत्र का मामला

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में गुरूवार को मोहनलालगंज कस्बे से मऊ गांव जा रहे दो दोस्तो की बाइक में एक तेज रफ्तार अज्ञात बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक समेत दोनों उछल के दूर जा गिरे और गम्भीर रूप से घायल हो गये। राहगीरो से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस आनन-फानन दोनो को इलाज के लिये एम्बुलेंस की मदद से ट्रामा सेंटर लेकर गयी?। जहां इलाज के दौरान एक दोस्त की मौत हो गयी और दूसरे का इलाज जारी है। डॉक्टरों ने उसकी हालत चिंताजनक बतायी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार होमगार्ड गुरूप्रसाद निवासी मऊ का बड़ा बेटा राहुल(26) अपने दोस्त सुधीर के साथ गुरूवार को मोहनलालगंज कस्बे से अपनी अपाचे बाइक से मऊ स्थित घर वापस जा रहा था।। जैसे ही वो बाइक से अतरौली मोड़ के पास पहुंचा ही था कि तभी पीछे से उसकी बाइक में अज्ञात बाइक ने टक्कर मार दी। जिसके बाद बाइक समेत दोनो दोस्त उछल कर सड़क पर गिरकर काफी दूर तक घसीटते चले गये। दुर्घटना में राहुल व उसका दोस्त सुशील गम्भीर रूप से घायल हो गया।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस आनन फानन दोनो दोस्तो को इलाज के लिये सीएचसी लेकर गयी, जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनो की हालत गम्भीर देख इलाज के लिये ट्रामा टू रेफर कर दिया। जिसके बाद परिजनो एम्बुलेंस की मदद से दोनो को ट्रामा टू लेकर गये, जहां डाक्टर ने दोनो को भर्ती कर इलाज शुरू किया लेकिन इलाज के दौरान राहुल की मौत हो गयी। जिसके बाद कोहराम मच गया।

मृतक राहुल मजदूरी कर अपने परिवार का भरष पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी सरला व दो मासूम बेटे यश व अयांश है। मृतक युवक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

खतरे पे खतरा

वैसे तो प्रदूषण किसी भी रूप में हानिकारक है लेकिन जब हवा में जहर घुलता जाए तो वह सबसे ज्यादा घातक हो जाता है। हवा ऐसा प्राकृतिक तत्व है जिसे हम देख तो नहीं सकते पर हमारी हर सांस के साथ वह शरीर के अंदर जाती है और हमें जिंदा रखती है। यही जहरीली हो तो निश्चित ही उसका असर दूसरा होगा। अब इस जहर में तेजी के साथ इजाफा हो रहा है। इसीलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ बार-बार वायु प्रदूषण को लेकर सावधान करते रहते हैं। अध्ययन बताते हैं कि मौजूदा समय वैश्विक स्तर पर यह मौत का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। इसका दुष्प्रभाव केवल फेफड़े और सांस संबंधी बीमारियों तक ही सीमित नहीं रहा। अब यह तथ्य सामने आया है कि जहरीली हवा से दिल के दौरे का खतरा भी बढ़ गया है। दरअसल वायु प्रदूषण और गुणवत्ता के बीच संतुलन साधते हुए अभी तक फेफड़े पर बढ़ते दबाव को लेकर ही अध्ययन होते रहे किंतु हृदय पर पड़ने वाले इसके प्रभाव पर कभी ध्यान ही नहीं गया। अब विशेषज्ञों का मत है कि वायु प्रदूषण के दौरान घातक सूक्ष्म कण निरंतर रक्त प्रवाह में घुलते रहकर कोलेस्ट्राल को आक्सीकृत कर देते हैं जिससे धमनी पट्टिका के फटने की स्थिति पैदा हो जाती है और दिल के दौरे का खतरा बढ़ जाता है। यह चुनौती पृथ्वी पर रहने वाले अमूमन सभी लोगों के जीवन को खतरा पैदा कर रही है। सरल शब्दों में कहा जाए तो प्रदूषक तत्व हर पल हमारे शरीर में प्रवेश करते हुए रक्त धमनियों से होकर सभी अहम अंगों तक पहुंच रहे हैं और उन्हें प्रभावित कर रहे हैं। यानी जिस वायु को प्राणदायिनी माना जाता है, वही प्राणों का अंत करने का प्रमुख कारण बन रही है। इसीलिए दुनिया में वायु प्रदूषण से हर साल लाखों लोगों की जान जा रही है। सभी जानते हैं कि दिल का दौरा कितनी आसानी से प्राणों का अंत कर देता है। इसलिए जीवन प्रत्याशा को क्षरण से सुरक्षित रखने के लिए वायु प्रदूषण को हर स्तर पर चुनौती मानने और उससे बचाव के उपाय खोजने की दिशा में काम करना पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। ये उपाय तात्कालिक तो हों ही, उनका दूरगामी और व्यावहारिक होना भी आवश्यक है, तभी समस्या का स्थायी समाधान मिलना संभव हो सकता है। इसके लिए आम लोगों को अपने स्तर से सावधानी तो बरतनी ही होगी, विभिन्न देशों की सरकारों को भी रास्ते खोजने होंगे। वायु प्रदूषण के प्रति वैश्विक दृष्टिकोण ज्यादा उत्साहवर्धक नहीं है।

मुश्किल

समाज में जातीय संघर्ष नई बात नहीं है। बहुत पहले से यह चला आ रहा है। फर्क यह है कि तब क्षेत्र में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए ऐसे टकराव कभी-कभी होते थे पर अब किसी न किसी बहाने यह नियमित रूप से होता है। इसका मुख्य कारण राजनीतिक हित साधन के लिए जातीय अस्मिता के नाम पर इसे मोहरा बना लिया जाना है। यही कारण है कि पर्वों और त्योहारों जैसे संवेदनशील अवसरों पर भी ऐसे तनाव भड़काने की कोशिशें होती हैं और अक्सर वह खूनखराबे में भी बदल जाता है। यह अच्छी बात है कि यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार इस समस्या को लेकर हमेशा सावधान रही है। समय-समय पर ऐसे टकराव भड़काने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होती रहती है जिससे ऐसे तत्व सिर नहीं उठाने पाते। इसी कड़े रुख को बनाए रखते हुए सुनियोजित जातीय संघर्ष के खिलाफ कार्रवाई करने का सीएम योगी द्वारा अधिकारियों को निर्देश देना ऐसे तत्वों को कड़ी चेतावनी है। यह अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की सरकार की नीति के अनुरूप भी है। यह ठीक है कि सभी जातियों, विशेष रूप से दबे-कुचले, शोषित और पिछड़े वर्गों के लोगों का जीवन बेहतर बनाने के लिए काम होने चाहिए। इस दिशा में कदम भी उठाए गए हैं। आज भी प्रयास जारी हैं। पर केवल वोट बढ़ाने के लिए इनसे जुड़े लोगों को गुमराह करके सामाजिक शांति भंग करने की कोशिशें तो किसी भी कीमत पर उचित नहीं ठहराई जा सकतीं। तनावों और अशांति के बीच कोई समूह आगे नहीं बढ़ सकता। आज भी मणिपुर दो साल से इसी आग में जल रहा है और बंगाल, बिहार एवं महाराष्ट्र जैसे राज्यों में समय-समय पर ऐसी घटनाओं का नतीजा वहां के आम लोग भुगतते हैं। पूर्व की सरकारों के कार्यकाल में यूपी ऐसी घटनाएं झेल चुका है जिनमें कई के जख्म आज भी ताजा लगते हैं। लेकिन अब जाति के नाम पर खूनखराबा रचने वालों के खिलाफ जांच से लेकर जेल के सींखचों के पीछे पहुंचाने तक की कार्रवाइयों में कोई चूक नहीं हो रही है। आगामी दिनों में पड़ने वाले त्योहारों को लेकर सतर्कता बरतते हुए मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देश निश्चित ही स्वागतयोग्य हैं जिनसे प्रदेश का अमन चैन भी कायम रहेगा।

काँव-काँव

♦♦♦

अगले वर्ष से दो बार होगी सीबीएसई परीक्षा
पेपरलीक गिरोह के कारनामे दो बार छपेंगे!
अगर ईरान नहीं माना तो फिर करेंगे हमला-ट्रंप
पाक के पास अमेरिका तक हमले की मिसाइल!
वकीलों को तलब नहीं कर सकतीं एजेंसियां-कोर्ट
ऐसे तो फिर रामराज्य नहीं चल पायेगा हुजूर!
लोकतंत्र सेनानियों को मिलेगा कैशलैस उपचार
नयी मेडिकल कंपनियों की ट्रायल रिपोर्ट अधूरी!
ईरान ने अब आईएईए से तोड़ लिये सभी संबंध
परमाणु मिसाइल परीक्षण के बाद नजर आना!
आपातकाल देश के लोकतंत्र पर काला दाग-केंद्र
आपातकाल के सारे विलेन तो भाजपाई हो गये!

♦♦♦

अंतरिक्ष से भारत की हुंकार

- डॉ. आर.के. जैन 'अरिजीत'

जब एक भारतीय ने सितारों को छू लिया, तो वह पल केवल अंतरिक्ष की यात्रा नहीं था—वह 140 करोड़ दिलों की धड़कनों का उत्सव था, भारत की आत्मा का उद्घोष था, और हमारी सांस्कृतिक विरासत का ब्रह्मांड में लहराता तिरंगा था। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने जब ड्रैगन कैप्सूल से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ओर कदम बढ़ाया, तो वह केवल एक अंतरिक्ष यात्री की उड़ान नहीं थी—वह भारत के सपनों, संकल्प और वैज्ञानिक शक्ति की अनंत यात्रा थी। यह वह क्षण था जब भारत ने न केवल धरती की सीमाएं लांघीं, बल्कि सितारों के पार अपनी पहचान को अमर कर दिया।

25 जून 2025 को, भारतीय समयानुसार दोपहर 12:01 बजे, फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स का फाल्कन-9 रॉकेट आकाश को चीरता हुआ अंतरिक्ष की ओर बढ़ा। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार थे भारतीय वायुसेना के शुभांशु शुक्ला, जो एक्सिओम-4 मिशन के पायलट की भूमिका में थे। उनके साथ थे कमांडर पैगी व्हिटसन (पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री, अमेरिका), मिशन विशेषज्ञ स्लावोश उज्नांस्की-विस्निव्स्की (पोलैंड), और तिबोर कपु (हंगरी)।

यह मिशन नासा, एक्सिओम स्पेस और स्पेसएक्स की साझेदारी का प्रतीक है, जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का समर्थन प्राप्त है। लॉन्च के महज 10 मिनट बाद, शुभांशु और उनकी टीम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे थे। 28 घंटे की रोमांचक यात्रा के बाद, ड्रैगन कैप्सूल 26 जून 2025 को भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे आईएसएस से डॉक करने वाला है। यह 14-दिवसीय मिशन 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोगों का मंच है, जिनमें सात इसरो द्वारा डिजाइन किए गए हैं। ये प्रयोग भारत की वैज्ञानिक प्रगति को विश्व मंच पर चमकाने का अवसर हैं, जो न केवल तकनीकी उपलब्धि है, बल्कि भारत के भविष्य के अंतरिक्ष सपनों का आधार भी है। शुभांशु की यह यात्रा 1984 में राकेश शर्मा की ऐतिहासिक सोवियत सैल्यूट-7 मिशन के बाद भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान में शानदार वापसी है। 41 साल बाद, शुभांशु आईएसएस पहुंचने वाले पहले भारतीय बनने जा रहे हैं, जो भारत के अंतरिक्ष इतिहास में स्वर्णिम स्याही से लिखा जाएगा। यह केवल एक व्यक्ति की उड़ान नहीं, बल्कि भारत की उस जिजीविषा का प्रतीक है, जो सीमाओं को तोड़कर अनंत की ओर बढ़ रही है। इस मिशन की

आत्मा भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत है। शुभांशु ने अपने साथ एक सॉफ्ट टॉय हंस लिया, जिसे भारतीय शास्त्रों में ज्ञान और विवेक का प्रतीक माना जाता है। यह हंस अंतरिक्ष की अनंतता में तैर रहा है, जैसे भारत की सांस्कृतिक विरासत सितारों के बीच अपनी चमक बिखेर रही हो। लॉन्च के दौरान, उनके कंधे पर लहराता तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं था—वह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं, गर्व और एकता का प्रतीक था। यह तिरंगा गर्व से कह रहा था कि यह उड़ान केवल शुभांशु की नहीं, बल्कि हर उस भारतीय की है, जो खेतों से लेकर प्रयोगशालाओं तक, सपनों को हकीकत में बदल रहा है।

शुभांशु ने भारतीय खान-पान को भी अंतरिक्ष की ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आम का रस, गाजर का हलवा और मूंग दाल का हलवा उनके साथ गए, जो वे अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ साझा करेंगे। इसके अलावा, वे माइक्रोग्रैविटी में योग करने की योजना बना रहे हैं, जिससे भारतीय संस्कृति का वैश्विक मंच पर एक अनूठा प्रदर्शन होगा। यह वह क्षण है जब परंपरा और प्रौद्योगिकी ने एक-दूसरे का हाथ थामा, और भारत ने साबित कर दिया कि वह न केवल विज्ञान में, बल्कि संस्कृति में भी अग्रणी है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, यह मिशन भारत के लिए एक मील का पत्थर है। शुभांशु सात भारतीय प्रयोग करेंगे, जिनमें माइक्रोग्रैविटी में मूंग और मेथी के अंकुरण का अध्ययन और मांसपेशियों की हानि का विश्लेषण शामिल है। ये प्रयोग भारत और अमेरिका की साझेदारी का परिणाम हैं और इसरो के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन के लिए महत्वपूर्ण अनुभव प्रदान करेंगे। गगनयान, जो 2026 में लॉन्च होने वाला है, भारत का पहला स्वदेशी मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन होगा। शुभांशु, जो इसके लिए चुने गए चार अंतरिक्ष यात्रियों में से एक हैं, इस मिशन के लिए अमूल्य अनुभव ला रहे हैं। कुल 60 से अधिक प्रयोग, जिनमें सामग्री विज्ञान, जैविक अनुसंधान और मानव स्वास्थ्य पर माइक्रोग्रैविटी के प्रभाव शामिल हैं, भारत के भविष्य के मिशनों—जैसे 2035 तक स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन और 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय अंतरिक्ष यात्री भेजने—के लिए नींव रखेंगे।

यह यात्रा केवल अंतरिक्ष तक की उड़ान नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का उत्सव है। यह वह क्षण है जब भारत ने साबित कर दिया कि वह न केवल धरती पर, बल्कि सितारों के बीच भी अपनी छाप छोड़ सकता है। शुभांशु की उड़ान लाखों युवाओं के लिए एक प्रेरणा है, जो अब सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें हकीकत में बदलने की हिम्मत रखते हैं। यह वह दस्तक है जो ब्रह्मांड के दरवाजे पर भारत की उपस्थिति को अमर कर रही है—न केवल एक यात्री के रूप में, बल्कि एक मार्गदर्शक के रूप में। जब शुभांशु का ड्रैगन कैप्सूल सितारों के बीच तैर रहा है, तो वह केवल एक अंतरिक्ष यान नहीं है—वह भारत के सपनों का वह पंख है, जो अनंत आकाश में उड़ रहा है। यह न कोई अंत है, न कोई पड़ाव। यह तो एक नई शुरुआत है—उस भारत की, जो अब ब्रह्मांड की गहराइयों में अपनी कहानी लिख रहा है, और जिसकी गूंज सितारों से सितारों तक अनंत काल तक गूंजेगी। यह भारत का वह उद्घोष है, जो कहता है- 'हम आए हैं, और हम रहेंगे—धरती पर, आकाश में, और सितारों के पार!'

प्रेमचंद की कहानियां

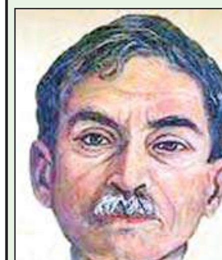

बूढ़ी काकी

क्या मेहमान सब की सब खा जायेंगे? और यदि काकी ने मेहमानों से पहले खा लिया तो क्या बिगड़ जायेगा ? वह काकी के पास जाकर उन्हें धैर्य देना चाहती थी, परंतु माता के भय से न जाती थी। उसने अपने हिस्से की पूड़ियां बिल्कुल न खायी थीं। अपनी गुड़ियों की पिटारी में बन्द कर रक्खी थीं। उन पूड़ियों को काकी के पास ले जाना चाहती थी। उसका हृदय अधीर हो रहा था। बूढ़ी काकी मेरी बात सुनते ही उठ बैठेंगी, पूड़ियां देखकर कैसी प्रसन्न होंगी! मुझे खूब प्यार करेंगी! रात के ग्यारह बज गये थे। रूपा आंगन में पड़ी सो रही थी। लाडली को आंखों में नींद न आती थी। काकी को पुड़ियां खिलाने की खुशी उसे सोने न देती थी। उसने गुडियों की पिटारी सामने रखी थी। जब विश्वास हो गया कि अम्मां सो रही हैं, तो वह चुपके से उठी और विचारने लगी, कैसे चलं चारों ओर अंधेरा था। केवल चूल्हों में आग चमक रही थी और चूल्हों के पास एक कुत्ता लेटा हुआ था। लाडली की दृष्टि द्वार के सामने वाले नीम की ओर गयी। उसे मालूम हुआ कि उस पर हनुमानजी बैठे हुए हैं। उनकी पूंछ, उनकी गदा, वह स्पष्ट दिखलाई दे रही है। मारे भय के उसने आंखें बंद कर लीं। इतने में कुत्ता उठ बैठा, लाडली को ढाढ़स हुआ। कई सोये हुए मनुष्यों के बदले एक भागता हुआ कुत्ता उसके लिए अधिक धैर्य का कारण हुआ। उसने पिटारी उठायी और बूढ़ी काकी की कोठरी की ओर चली। बूढ़ी काकी को केवल इतना स्मरण था कि किसी ने मेरे हाथ पकड़ कर घसीटे, फिर ऐसा मालूम हुआ कि जैसे कोई पहाड़ पर उड़ाये लिये जाता है। उनके पैर बार-बार पत्थरों से टकराये तब किसी ने उन्हें पहाड़ पर से पटका, वे मूर्छित हे गयीं।

जब से सचेत हुईं तो किसी की जरा भी आहट न मिलती थी। समझी किसब लोग खा-पीकर सो गये और उनके साथ मेरी तकदीर भी सो गयी। क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

क:काल: कानि मित्राणि को देशः कौ व्ययागमौ।
कश्चाहं का च मे शक्तिरचि चिन्त्यं मुहुर्मुहुः।।

बुद्धिमान् व्यक्ति को निरन्तर यह विचार करते रहना चाहिए कि मेरा समय कैसा चल रहा है, मेरे मित्र कितने हैं और कौन-कौन हैं, मेरा निवासस्थान कैसा है, मेरी आय और व्यय कितना है, मैं कौन हूं तथा मेरी शक्ति कितनी है?

♦♦♦

शहरों में गंभीर होती पार्किंग की समस्या

रोहित माहेश्वरी

भारत के ज्यादातर शहरों में पार्किंग के लिए जगह कम पड़ती जा रही है। इसके दुष्परिणाम भी दिखने लगे हैं। प्रदूषण बढ़ रहा है। गलियों में और फुटपाथों में जिस तरह बेतरतीब ढंग से गाड़ियां खड़ी की जाती हैं उससे सड़क पर और पैदल चलने के जगह कम पड़ रही है। पार्किंग की समस्या कमोबेश देश के सभी शहरों में देखी जा सकती है। अखबारों में आए दिन सुर्खियां बनती है कि गाड़ी पार्किंग को लेकर झड़प हुई। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के थाना रोरावर क्षेत्र से बीते 21 जून को खबर सामने आई थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली की पार्किंग को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में लाठी-डंडों से मारपीट हो गई। इस घटना में 5 लोग घायल हुए। इसके अलावा दिल्ली से एक खबर थी कि 22 मार्च को उत्तर पश्चिमी दिल्ली में मामूली पार्किंग विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। यहां पड़ोसियों के बीच स्कूटी पार्किंग को लेकर झगड़ा हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। 12 मई को गुरुग्राम के ज्योति पार्क में एक मामूली पार्किंग का विवाद इतना बढ़ गया कि एक दर्जन लोगों ने एक परिवार के सदस्यों के साथ जमकर मारपीट की। शहरों में पार्किंग की समस्या के कारण हर दिन ऐसे विवाद सामने आ रहे हैं। ऐसे में यह सवाल मौजूं है कि आखिर विकराल रूप लेती पार्किंग की समस्या का समाधान की दिशा में सरकारें संवेदनशीलता का परिचय क्यों नहीं दे रही? देश के सभी शहरों के प्रमुख बाजारों में पार्किंग की समस्या गंभीर रूप ले रही है। यह भी देखा गया है कि बाजार में जगह नहीं होने के कारण लोग मनमर्जी करते हुए फुटपाथ और सड़कों पर गाड़ी पार्क करने से पीछे नहीं हटते। आज आलम यह है कि अवस्थित पार्किंग छोटे से लेकर बड़े शहरों में जाम का मुख्य कारण बन रही है। दुनिया भर के बड़े शहरों में पार्किंग के बारे में हाल ही में किए गए एक वैश्विक अध्ययन से पता चलता है कि औसत शहरी ड्राइवर पार्किंग की जगह की तलाश में औसतन 18 से 20 मिनट बिताता है, जिसके परिणामस्वरूप तनाव, ईंधन की बर्बादी, उत्सर्जन में वृद्धि, सड़कों पर भीड़भाड़ और उत्पादकता में कमी आती है। सितंबर 2021 में बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी की पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा है कि मुंबई और उपनगरों में पार्किंग की समस्या दिनोंदिन गंभीर होती जा रही है। सड़कों की लगभग चालीस फीसद जगह गाड़ी पार्किंग से सिकुड़ जाती है। इससे आम आदमी के लिए चलने की जगह नहीं रह जाती। पीठ ने सवाल उठाया है कि एक परिवार को चार से पांच गाड़ियां रखने की अनुमति क्यों दी जा रही है?

पार्किंग को लेकर अब तक जो अध्ययन हुए हैं, उससे हालात की गंभीरता का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक सड़क किनारे पार्किंग की वजह से कोलकाता में सड़क की जगह में 35 प्रतिशत, दिल्ली में 14 प्रतिशत, जयपुर में 56 प्रतिशत और कानपुर में 45 प्रतिशत की कमी आई है। गुजरात के गोधरा जैसे छोटे शहर में भी सप्लाई की तुलना में पार्किंग स्पेस की मांग ढाई गुना ज्यादा है। यही हाल दूसरे शहरों का भी है। भारत के ज्यादातर शहरों में पार्किंग स्पेस की मांग की तुलना में इसकी आपूर्ति आधी या उससे कम है। दिल्ली जैसे महानगर में बढ़ती जनसंख्या और वाहनों की संख्या के कारण पार्किंग की समस्या एक गंभीर मुद्दा बन गया है। सीमित जगह और बढ़ती वाहनों की संख्या के कारण

लोगों को पार्किंग के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अवैध पार्किंग के कारण सड़कें जाम हो जाती हैं और यातायात व्यवस्था बिगड़ जाती है। दरअसल दिल्ली में लाखों वाहन रोज सड़कों पर दौड़ते हैं, लेकिन पर्याप्त पार्किंग स्पेस का अभाव इसे और भी परेशानी भरा बना देता है। देश की राजधानी दिल्ली के साथ एक बड़ी समस्या यह भी जुड़ी हुई है कि यहां पड़ोसी शहरों से भी प्रतिदिन लाखों की संख्या में गाड़ियां आती हैं। इन्हें भी आखिरकार कहीं ना कहीं जगह चाहिए। यही वजह है कि सड़क से लेकर बाजार तक बुरा हाल है। सरकारी रिपोर्ट्स और अध्ययन से ये सामने आया है कि शहर में पार्किंग स्पेस की कमी तेजी से बढ़ रही है, और इस समस्या से समाधान के लिए बड़ी प्लानिंग की जरूरत है। दिल्ली में आजकल कुल 1.5 लाख से ज्यादा पार्किंग स्पेस उपलब्ध हैं, जो खासतौर पर शहरी इलाकों और व्यावसायिक क्षेत्रों में मौजूद है. हालांकि, राजधानी में वाहनों की संख्या इस आंकड़े से कई गुना ज्यादा है। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में करीब 1.4 करोड़ से ज्यादा वाहन हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इसका परिणाम यह है कि कई जगहों पर वाहन सड़क किनारे या अवैध पार्किंग की समस्या पैदा कर रहे हैं, जिससे यातायात पर असर पड़ता है। कमोबेश दिल्ली जैसे हालात देश के हर छोटे बड़े शहर के हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट के एक रिसर्च में ये सामने आया कि शहर के आकार और गाड़ियों की संख्या में बढ़ोत्तरी की दर के हिसाब से देखें तो पार्किंग की मांग बढ़ती ही जा रही है। अगर दिल्ली की बात करें तो यहां पार्किंग की समस्या खत्म करने के लिए 310 फुटबॉल के मैदानों जितनी अतिरिक्त जगह चाहिए। इसी तरह चेन्नई में 100 और चंडीगढ़ में 50 फुटबॉल मैदानों की जितनी अतिरिक्त जगह मिलने से पार्किंग की समस्या का समाधान हो पाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार,बढ़ती पार्किंग की समस्या को दूर करने के लिए सरकार को बाजार ऑफिस, रिहायशी इलाकों में बहुस्तरीय पार्किंग बनवानी चाहिए। मेट्रो बस साइकिल और पैदल यातायात को बढ़ावा देना चाहिए ताकि निजी वाहनों की संख्या कम हो सके शहरों में बहुत स्तरीय पार्किंग परिसर और अंडरग्राउंड पार्किंग का निर्माण करवाना चाहिए। मॉल रेलवे स्टेशन बस स्टैंड के पास बहुत स्तरीय पार्किंग विकसित करनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा लोगों को सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और सार्वजनिक परिवहन सेवा सुरक्षित और समय पर संचालित और सस्ती होनी चाहिए। स्थानीय निकायों और ट्रैफिक पुलिस के बीच समन्वय बनाना जरूरी है।

प्रेरक प्रसंग

जीवन की कुंजी

एक राजा था। बड़ा पुरुषार्थी था। अपने पुरुषार्थ से उसने राज्य को दूर-दूर तक फैला दिया। उसकी प्रजा बड़ी सुखी थी।

धीरे-धीरे राजा पर बुढ़ापा छाने लगा। उसे चिन्ता होने लगी कि उसने राज्य को चलाने के लिए योग्य उत्तराधिकारी न हुआ तो उसके किये-कराये पर पानी फिर जायगा। उसके एक लड़का था। उसी को गद्दी पर बैठना था, लेकिन वह बड़ा प्रमादी था। हाथ-पैर हिलाना उसे पसंद न था। बहुत सोच-विचार के बाद राजा उसे लेकर एक साधु के पास गया और उन्हें सारी बात बताकर लड़के को आश्रम में छोड़ आया। साधु बड़े तेजस्वी थे। उन्होंने राजकुमार से कहा, वत्स, यहां से चार कोस पर एक जंगल है। तुम सवेरे ही वहां जाओ और फूलों के पौधे लाकर आश्रम के अहाते में लगाओ।''

राजकुमार को बड़ा बुरा लगा। अरे, यह काम तो नौकरों के करने का है, उसका नहीं, वह तो यहां राज्य-व्यवस्था के बारे में शिक्षा लेने आया है, लेकिन उसके पिता कह गये थे कि साधु जो कहें, वह करना। मन मारकर अगले दिन से वह उस काम में लग गया। उसने जंगल से लाकर पौधे लगाये, साधु के आदेश पर उन्हें सींचा और जानवरों से बचाने के लिए उनकी रात-दिन रखवाली की। फिर क्या था! कुछ ही दिनों में सारा आश्रम तरह-तरह के रंग-बिरंगे फूलों से लहलहा उठा।

राजकुमार की खुशी का ठिकाना न रहा। साधु ने उसे शाबाशी दी। कहा, ''वत्स, लाखों की एक बात हमेशा याद रखना। जो सोता है, उसका भाग्य सोता है, जो बैठता है, उसका भाग्य बैठता है और जो चलता है, उसका भाग्य चलता है। इसलिए हमारे धर्मग्रंथों ने कहा है, चलते रहो, चलते रहो। देखो, सक्रियता से आश्रम का रूप ही बदल गया है।''

राजकुमार को शासन की ही नहीं, जीवन की भी कुंजी मिल गई।

आपका पत्र मिला

कब होगी जातिगत भेदभाव की विदाई?

हम 21वीं सदी में आ चुके हैं, आजादी को पचहत्तर वर्ष से अधिक हो चुके हैं, सबका साथ सबका विकास, बांटोगे तो काटोगे जैसे नारे दिए जा रहे हैं। लेकिन इस देश में जातिगत भेद भाव एक ऐसी सदियों पुरानी समस्या है जो इस कदर जड़ जमा चुकी है कि सारे प्रयासों के बाद भी समाप्त होने का नाम नहीं ले रही। आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आ ही जातीं है, जिससे यही प्रतीत होता है कि इस राष्ट्र में केवल मनुष्य होना काफी नहीं।

एक अच्छा जीवन जीने की लिए किसी अच्छी जाति में पैदा होना भी आवश्यक है। फिर से एक मामला सामने आया है जहाँ एक कथावाचक का केवल इसलिए अपमान किया गया या उसे कथा करने से रोका गया क्योंकि वह एक विशेष जाति से नहीं आता और इसके बावजूद उस जाति के गाँव में जा कर कथा की। आरोप यह लगाया जा रहा है कि उस व्यक्ति ने जाति छुपाई और ब्राह्मण बन कर कथा करता रहा। अगर इस विषय को सही भी माना जाए तो भी क्या किसी को जाति के नाम पर अपमानित करना या हिंसा करना उचित हो सकता है? प्रश्न तो यह भी उठता है कि अगर उसने जाति छुपाई तो उसे जाति क्यों छुपानी पड़ी? आखिर वह कौन-सी चीज है जिसके कारण व्यक्ति को अपनी जाति छुपानी पड़ती है? गहराई से देखें तो इसके मध्य में समाज में फैली ऊंच - नीच की वही खाई विद्यमान दिखती है, जो मनुष्य से मनुष्य होने का हक भी छीन लेती है। वास्तव में, यह सिलसिला नया नहीं है। यह प्रकरण भी उसी सोच का हिस्सा है जो कभी किसी को कथा करने से, तो किसी को मूंछ रखने से रोकती है, घोड़ी चढ़ने पर पिटवा देती है, समाज में छुआ-छूत को बढ़ाव देती है और किसी को ऊंच तो किसी को नीच बना देती है। क्या सच में जाति भी गर्व का विषय हो सकती है!

विवेकानंद विमल
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं। **संपादक,**
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrabharat77@gmail.com

फेफड़े हर तरह के इंफेक्शन से बचने के लिए अपनाएं ये नुस्खे

बढ़ते प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर फेफड़ों पर दिखता है। अस्थमा रोगियों के लिए प्रदूषण में खुद को सुरक्षित रखना सबसे ज्यादा जरूरी है। वहीं जो लोग धूम्रपान करते हैं, जिनका लाइफस्टाइल हैल्दी नहीं, उन्हें भी लंग्स इंफेक्शन का खतरा बना रहता है। इस समय भारत में कई जगहों पर एयर क्वालिटी काफी खराब चल रही है। पटाखों व अन्य कई तरह का जहरीला धुआं फेफड़ों के लिए बहुत ज्यादा हानिकारक है। फेफड़ों में अगर लगातार गंदगी जमती रहे तो यह आगे चलकर कई तरह की परेशानियां दे सकती हैं इसलिए यह बहुत जरूरी है कि आप समय-समय पर फेफड़ों को डिटॉक्स करते रहें। लंग्स स्ट्रॉग्स होंगे तो वह हर तरह की इंफेक्शन से बचे रहेंगे। इन दिनों फिर से कोरोना के केस सुनने को मिल रहे हैं। इन बढ़ते केसेज में खुद के फेफड़ों को हैल्दी बनाए रखने के लिए कुछ नेचुरल डिटॉक्स नुस्खे फॉलो करते रहें।

सामग्री

अदरक - 1 इंच का टुकड़ा (कटा हुआ या कद्दूकस किया हुआ)
तुलसी के पत्ते - 8-10 पत्ते
हल्दी- ½ छोटी चम्मच (अगर ताजे हल्दी का पेस्ट मिल सके तो और बेहतर)
काली मिर्च - 1-2 चुटकी
दारचीनी- 1 छोटा टुकड़ा
लहसुन- 2-3 कलियां (कटी हुई)
शहद - 1-2 चम्मच (स्वाद के लिए)
नींबू का रस - 1 चम्मच
पानी- 1-1.5 कप

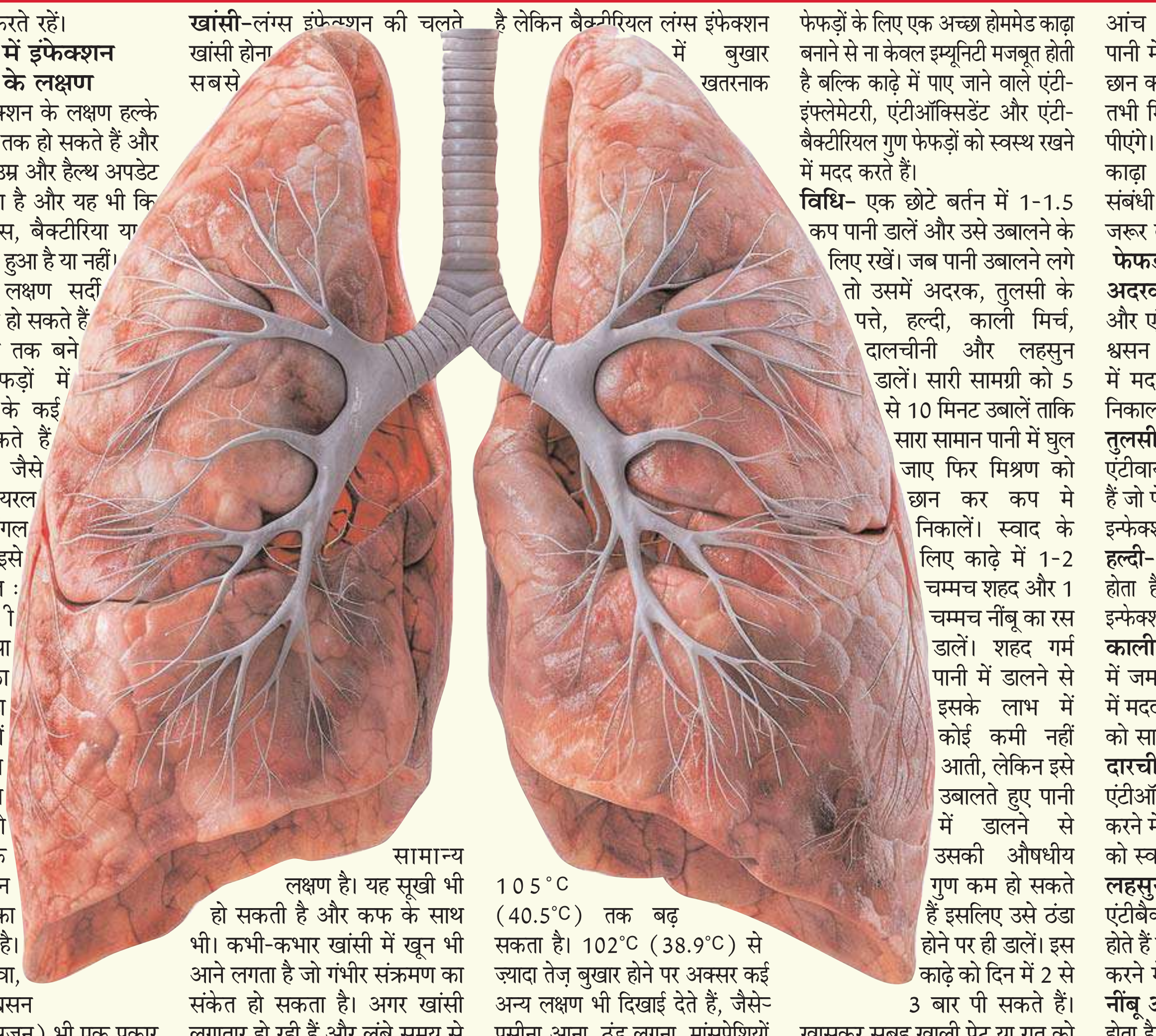

फेफड़ों में इंफेक्शन होने के लक्षण

फेफड़ों में इंफेक्शन के लक्षण हल्के से लेकर गंभीर तक हो सकते हैं और यह व्यक्ति की उम्र और हैल्थ अपडेट पर निर्भर करता है और यह भी कि संक्रमण वायरस, बैक्टीरिया या फंगस के कारण हुआ है या नहीं। इंफेक्शन के लक्षण सर्दी खांसी फ्लू जैसे हो सकते हैं जो लंबे समय तक बने रहते हैं। फेफड़ों में संक्रमण होने के कई कारण हो सकते हैं जैसे जैसे बैक्टीरियल, वायरल या फंगल इन्फेक्शन। इसे सामान्यत: पल्मोनरी इन्फेक्शन या फेफड़ों का संक्रमण कहा जाता है। फेफड़ों का सबसे आम संक्रमण निमोनिया है जो फेफड़ों के ऊतकों में सूजन और इंफेक्शन का कारण बनता है। इसके अलावा, ब्रोंकाइटिस (श्वसन नलिकाओं में सूजन) भी एक प्रकार का फेफड़ों का संक्रमण हो सकता है। जब फेफड़ों से हवा को लाने-ले जाने वाली बड़ी ब्रोन्कियल नलिकाओं में इंफेक्शन होता है तो इसे ब्रोंकाइटिस कहा जाता है। जब इंफेक्शन होता है तो शरीर में कई तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

सांस लेने में तकलीफ

इंफेक्शन के चलते फेफड़ों में सूजन और बलगम हो सकती है जिससे सांस लेने में परेशानी होती हैं। खासकर गहरी सांस लेने में ऐसा महसूस हो सकता है। सांस छोड़ते पर सीटी जैसी आवाज़ सुनाई दे सकती है जिसे घरघराहट कहते हैं।

खांसी-लंग्स इंफेक्शन की चलते खांसी होना सबसे सामान्य लक्षण है। यह सूखी भी हो सकती है और कफ के साथ भी। कभी-कभार खांसी में खून भी आने लगता है जो गंभीर संक्रमण का संकेत हो सकता है। अगर खांसी लगातार हो रही हैं और लंबे समय से बनी हुई है तो डाक्टरी जांच अवश्य करवाएं।

बुखार-ठंड लगना और सिरदर्द

इंफेक्शन होने पर बुखार और ठंड के लक्षण भी दिखते हैं। अचानक तेज बुखार होना सामान्य लक्षण है, इसके साथ शरीर में दर्द और ऐंठन भी हो सकती है। फेफड़ों के संक्रमण के कारण सिर में हल्का या तेज दर्द हो सकता है, खासकर जब बुखार के साथ अन्य लक्षण मौजूद होते हैं। शरीर जब संक्रमण से लड़ने की कोशिश करता है तब बुखार होता है। शरीर का सामान्य तापमान आमतौर पर 98.6°C (37°C) के आसपास होता है लेकिन बैक्टीरियल लंग्स इंफेक्शन में बुखार खतरनाक 105°C (40.5°C) तक बढ़ सकता है। 102°C (38.9°C) से ज़्यादा तेज़ बुखार होने पर अक्सर कई अन्य लक्षण भी दिखाई देते हैं, जैसे- पसीना आना, ठंड लगना, मांसपेशियों में दर्द, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, कमज़ोरी आदि के लक्षण दिख सकते हैं। अगर बुखार 3 दिन से ज्यादा हो और 102°C (38.9°C) से ज्यादा हो तो लंग्स स्पैशलिस्ट को दिखाना चाहिए।

सीने में दर्द या दबाव

संक्रमण के कारण फेफड़ों में सूजन और जलन हो सकती है, जिससे सीने में दर्द या दबाव महसूस हो सकता है। खांसने या गहरी सांस लेने पर सीने का दर्द और भी बढ़ जाता है। कभी-कभी आपकी पीठ के मध्य से ऊपरी हिस्से में तेज दर्द महसूस हो सकता है।

फेफड़ों के लिए बेस्ट होममेड काढ़ा- फेफड़ों के लिए एक अच्छा होममेड काढ़ा बनाने से ना केवल इम्यूनिटी मजबूत होती है बल्कि काढ़े में पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण फेफड़ों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

विधि- एक छोटे बर्तन में 1-1.5 कप पानी डालें और उसे उबालने के लिए रखें। जब पानी उबालने लगे तो उसमें अदरक, तुलसी के पत्ते, हल्दी, काली मिर्च, दालचीनी और लहसुन डालें। सारी सामग्री को 5 से 10 मिनट उबालें ताकि सारा सामान पानी में घुल जाए फिर मिश्रण को छान कर कप मे निकालें। स्वाद के लिए काढ़े में 1-2 चम्मच शहद और 1 चम्मच नींबू का रस डालें। शहद गर्म पानी में डालने से इसके लाभ में कोई कमी नहीं आती, लेकिन इसे उबालते हुए पानी में डालने से उसकी औषधीय गुण कम हो सकते हैं इसलिए उसे ठंडा होने पर ही डालें। इस काढ़े को दिन में 2 से 3 बार पी सकते हैं। खासकर सुबह खाली पेट या रात को सोने से पहले पीने से ज्यादा फायदा होगा।

फेफड़ों की सफाई कर देगी हर्बल टी फेफड़ों की सफाई के लिए हर्बल टी भी बहुत फायदेमंद है। एक बर्तन में 2 कप पानी उबालें उसमें आधा इंच अदरक, दालचीनी का छोटा टुकड़ा या 1 चौथाई दालचीनी पाउडर, थोड़ा सा गुड़, 3 से 4 तुलसी के पत्ते, 3 काली मिर्च, 2 इलायची कुटी हुई, एक चौथाई चम्मच सौंफ, चुटकीभर अजवाइन, एक चौथाई चम्मच जीरा, इन सभी सामग्रियों को उबले पानी में डालें और करीब 10 मिनट तक सारी सामग्री को धीमी आंच में उबालें ताकि सारी चीजें पानी में घुल जाए। कप में चाय को छान कर डालें और चाय का फायदा तभी मिलेगा जब आप गुनगुना गर्म पीएंगे। दिन में करीब 20 मिलीलीटर काढ़ा ही पाएं। अगर कोई पाचन संबंधी दिक्कत है तो डाक्टरी से सलाह जरूर लें।

फेफड़ों के लिए काढ़े के फायदे

अदरक-अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सिडेंट गुण होते हैं जो श्वसन तंत्र की सूजन को कम करने में मदद करते हैं और बलगम को निकालने में सहायक होते हैं।

तुलसी-तुलसी में एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीफंगल गुण होते हैं जो फेफड़ों को स्वस्थ रखते हैं और इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं।

हल्दी- हल्दी में कुरकुमिन नामक तत्व होता है जो सूजन कम करने और इन्फेक्शन से बचाव में सहायक होता है।

काली मिर्च- काली मिर्च से फेफड़ों में जमा बलगम को बाहर निकालने में मदद मिलती है और यह श्वसन तंत्र को साफ करती है।

दारचीनी- यह एक प्राकृतिक एंटीऑक्सिडेंट है जो फेफड़ों को साफ करने में मदद करता है और श्वसन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखता है।

लहसुन- लहसुन में प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं जो शरीर में इन्फेक्शन को कम करने में मदद करते हैं।

नींबू और शहद-नींबू में विटामिन ष्ट होता है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, और शहद गले की सूजन को कम करता है और इसे आराम देता है। यह काढ़ा प्राकृतिक और असरदार है लेकिन अगर आपके पास किसी प्रकार की श्वसन संबंधी समस्या या फेफड़ों का संक्रमण है, तो डॉक्टर से परामर्श लेना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा आप इन घरेलू नुस्खों को भी फॉलो कर सकते हैं।

सेंधा नमक वाला गुनगुना पानी पीएं-सेंधा नमक गुनगुने पानी के साथ लें इससे जमा हुई खांसी दूर होती है। आयुर्वेद के अनुसार, गर्म पानी और सेंधा नमक दोनों ही कफ दोष को शांत करने वाले होते हैं।

पानी के अलावा ये चार चीजें भी शरीर को रखती हैं हाईड्रेटेड

गर्मी का मौसम अपने साथ चिलचिलाती धूप और बढ़ता तापमान लेकर आता है, जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) का खतरा भी बढ़ जाता है। अक्सर हम हाइड्रेशन को सिर्फ ढेर सारा पानी पीने से जोड़कर देखते हैं, लेकिन यह पूरा सच नहीं है। शरीर को सही मायने में हाइड्रेटेड रखने के लिए पानी पीने के साथ-साथ कुछ और बातों का ध्यान रखना चाहिए। डिहाइड्रेशन सिर्फ प्यास लगने तक सीमित नहीं है, यह थकान, सिरदर्द, चक्कर आना और पाचन समस्याओं जैसी कई परेशानियां पैदा कर सकता है। अगर इस पर ध्यान न दिया जाए, तो यह गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों को जन्म दे सकता है। इसलिए, खासकर गर्मियों के दौरान, शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी हो जाता है। आइए इस लेख में हम उन आसान और प्रभावी तरीकों के बारे में जानते हैं, जो आपको इस गर्मी में पूरी तरह से हाइड्रेटेड और ऊर्जावान रखने में मदद करेंगे।

हाइड्रेटिंग फल और सब्जियां खाएं
गर्मियों में खीरा, तरबूज, संतरा, और स्ट्रॉबेरी जैसे फल और सब्जियां खाएं, जिनमें अधिक मात्रा में पानी होता है। ये न केवल शरीर को हाइड्रेट करते हैं, बल्कि विटामिन, खनिज, और एंटीऑक्सीडेंट भी प्रदान करते हैं। खीरे में सिलिका होता है, जो त्वचा को नम रखता है, जबकि तरबूज में इलेक्ट्रोलाइट्स (जैसे पोटेशियम) पसीने से होने वाली कमी को पूरा करते हैं।

नारियल पानी और इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक्स पिएं

नारियल पानी एक प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक है, जो पोटैशियम, सोडियम, और मैग्नीशियम से भरपूर होता है। यह शरीर में पानी के अवशोषण को बढ़ाता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है। गर्मियों में रोज 1 गिलास नारियल पानी पीना बेहद फायदेमंद होता है। इसके अलावा, घर पर बना नींबू पानी (बिना चीनी के) या इलेक्ट्रोलाइट युक्त पेय भी हाइड्रेशन के लिए अच्छे होते हैं।

हर्बल टी और ठंडे इन्फ्यूज्ड ड्रिंक्स

गर्मियों में कैफीन-मुक्त हर्बल टी, जैसे पुदीना, कैमोमाइल, या लेमन ग्रास टी हाइड्रेशन का शानदार तरीका है। ये ड्रिंक्स न सिर्फ ताजगी देती हैं, बल्कि पाचन को भी बेहतर बनाती हैं। लेकिन ध्यान दें कि इसे दिन भर 2-3 कप ही लेना चाहिए, अधिक मात्रा इसका सेवन करना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

सूप और दही आधारित खाद्य पदार्थ

पतले सूप, जैसे सब्जी या टमाटर का सूप, गर्मियों में हल्का और हाइड्रेटिंग होता है। ये पानी और पोषक तत्वों की पूर्ति करते हैं। दही, छाछ, या लस्सी भी हाइड्रेशन के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। इस बात का खास ध्यान रखें कि इन तरीकों के साथ-साथ रोजाना 2-3 लीटर गिलास पानी पीना न भूलें।

क्या है 'डिजिटल आई स्ट्रेन'?

आज की डिजिटल दुनिया में स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट हमारी जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में अधिकतर लोग इन स्क्रीन्स पर अपना ज्यादातर समय बिताने लगे हैं। पहले के समय बच्चे कम से कम आउटडोर गेम खेलते थे, लेकिन अब मनोरंजन से लेकर काम तक, हर चीज इन्हीं स्क्रीन्स पर सिमट गई है। लेकिन इस सुविधा का एक नकारात्मक पहलू भी है, लंबे समय तक स्क्रीन पर समय बिताने से हमारी आंखों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जिसे चिकित्सकीय भाषा में डिजिटल आई स्ट्रेन या कंप्यूटर विजन सिंड्रोम कहा जाता है।

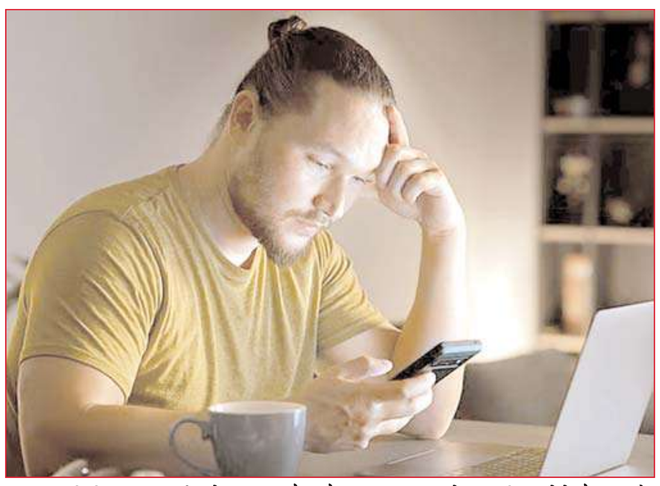

यह सिर्फ आंखों की हल्की थकान नहीं है, बल्कि तेजी से बढ़ती हुई बड़ी समस्या है जो आंखों में जलन, सूखापन, धुंधलापन और लगातार सिरदर्द का कारण बन सकती है। ऐसे में, इस डिजिटल चुनौती के दौर में अपनी आंखों की सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइए इस लेख में हम इसी के बारे में विस्तार से जानेंगे कि डिजिटल आई स्ट्रेन क्या है और इससे कैसे बचा जा सकता है?

डिजिटल आई स्ट्रेन क्या है?

डिजिटल आई स्ट्रेन एक ऐसी स्थिति है, जो लंबे समय तक डिजिटल स्क्रीन (कंप्यूटर, फोन, टीवी) के उपयोग से होती है। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी (ब्लू लाइट), बार-बार पलक न झपकना, और अनुचित दूरी या रोशनी में काम करना इसके मुख्य कारण हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 50-90% लोग जो रोजाना 2-3 घंटे से ज्यादा स्क्रीन पर समय बिताते हैं, इस समस्या से प्रभावित होते हैं। इसके लक्षणों में आंखों में दर्द, सूखापन, थकान, धुंधला दिखना, और सिरदर्द शामिल हैं।

डिजिटल आई स्ट्रेन के कारण

लंबे समय तक स्क्रीन पर ध्यान केंद्रित करने से आंखों की मांसपेशियां थक जाती हैं। स्क्रीन की नीली रोशनी रेटिना को नुकसान पहुंचा सकती है और स्लीप साइकिल को प्रभावित करती है। इसके अलावा कम पलक झपकने से आंखें सूखी रहती हैं, जिससे जलन और असहजता होती है। खराब रोशनी, गलत बैठने की मुद्रा, और स्क्रीन की गलत दूरी भी इस समस्या को बढ़ाते हैं।

बचाव के आसान उपाय

इस समस्या से बचने के लिए आप कुछ आसान उपाय अपना सकते हैं-

- हर 20 मिनट में 20 सेकंड के लिए स्क्रीन से हटकर 20 फीट दूर किसी वस्तु को देखें। यह आंखों की मांसपेशियों को आराम देता है।
-आमतौर पर स्क्रीन देखते समय लोग कम पलक झपकाते हैं, जिससे आंखें सूखती हैं। सचेत रूप से बार-बार पलक झपकाएं।
स्क्रीन की ब्राइटनेस को कम करें और नीली रोशनी को कम करने वाले फिल्टर या चश्मे का उपयोग करें।
-स्क्रीन को आंखों से 20-24 इंच की दूरी पर और आंखों के लेवल से सिर्फ 10-15 डिग्री नीचे रखें।

'आर्ट थेरेपी' क्या है? जानें रंगों और रचनात्मकता से कैसे दूर होता है तनाव

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, चिंता और मानसिक थकान आम समस्याएं बन गई हैं। इनसे निपटने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि रंगों की रचनात्मकता के जरिए भी मन को शांति और शरीर को राहत मिल सकती है? आर्ट थेरेपी एक ऐसा ही अनूठा और प्रभावी तरीका है, जो कला के माध्यम से मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। आइए इस लेख में जानते हैं कि आर्ट थेरेपी क्या है, यह कैसे काम करती है, और इसके क्या फायदे हैं।

आर्ट थेरेपी क्या है?

आर्ट थेरेपी एक चिकित्सीय प्रक्रिया है, जिसमें पेंटिंग, ड्राइंग, स्कल्पचर, या अन्य रचनात्मक गतिविधियों के जरिए भावनाओं को व्यक्त किया जाता है। यह थेरेपी प्रशिक्षित आर्ट थेरेपिस्ट की देखरेख में होती है, जो कला को मनोवैज्ञानिक उपचार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। आर्ट थेरेपी उद्देश्य तनाव, चिंता, डिप्रेशन, या आघात (ट्रॉमा) जैसी समस्याओं को कम करना है। बहुत से लोगों को ऐसा लगता है कि इसके लिए आपको आर्ट आना बहुत जरूरी है, लेकिन ऐसा नहीं है, इसमें बस रचनात्मकता के जरिए भावनाओं को बाहर लाना होता है।

यह कैसे काम करती है?

आर्ट थेरेपी में रंग, आकार, और बनावट का उपयोग करके व्यक्ति अपनी भावनाओं को व्यक्त करता है। उदाहरण के लिए, किसी को गुस्सा हो तो वह लाल रंग का इस्तेमाल कर सकता है, जबकि शांति के लिए नीला रंग चुन सकता है। यह प्रक्रिया मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करती है, जो भावनाओं को प्रोसेस करते हैं। रचनात्मकता के दौरान डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं, जो मूड को बेहतर बनाते हैं। थेरेपिस्ट रचनाओं का विश्लेषण करके व्यक्ति के मन की स्थिति को समझते हैं और उपचार की दिशा तय करते हैं।

आर्ट थेरेपी के फायदे

आर्ट थेरेपी मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का एक प्रभावी तरीका है, जो रंगों और रचनात्मकता के जरिए तनाव और चिंता को कम करती है। अध्ययनों के अनुसार, यह थेरेपी कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को कम करती है, जिससे मन शांत होता है और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। इसके अलावा, यह नींद की गुणवत्ता में सुधार करती है, जो की समग्र स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

आर्ट थेरेपी उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है, जो अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते। कला के माध्यम से वे अपनी भावनाओं को सुरक्षित रूप से व्यक्त कर सकते हैं, जिससे मानसिक बोझ हल्का होता है। यह थेरेपी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे डिप्रेशन, पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, और चिंता विकारों में प्रभावी है। यह आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान को बढ़ाती है, जिससे व्यक्ति जीवन में अधिक सकारात्मक महसूस करता है।

कैसे शुरू करें?

आर्ट थेरेपी के लिए किसी विशेष कौशल की जरूरत नहीं है। आप घर पर साधारण ड्राइंग या पेंटिंग से शुरुआत कर सकते हैं, इससे आपका मन हल्का लगेगा। हालांकि, गंभीर मानसिक समस्याओं के लिए प्रशिक्षित थेरेपिस्ट की मदद लें। शुरू करने के लिए आप ऑनलाइन सत्रों का भी लाभ ले सकते हैं।

अच्छी सेहत पाने के लिए क्या छोड़ देना चाहिए रात का खाना?

अब तक हम सभी ये बात अच्छी तरह से समझ चुके हैं कि सेहत को ठीक रखना है तो आहार पर विशेष ध्यान देना आवश्यक हो जाता है। हम क्या खाते हैं, कब खाते हैं इन सभी का सेहत पर सीधा असर होता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि अगर आप दिन में तीन बार भोजन करते हैं- नाश्ता, लंच और डिनर तो इसमें सुबह का नाश्ता सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसमें भरपेट पौष्टिक चीजों का सेवन करना चाहिए, इसके बाद लंच थोड़ा हल्का और रात का भोजन सबसे हल्का रखना अच्छा माना जाता है।

अच्छी फिटनेस पाने, वजन कम करने और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए इन दिनों स्किप डिनर काफी ट्रेंडिंग है। इसका मतलब है कि आप रात का खाना छोड़ दीजिए। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए क्या वास्तव में हमें डिनर छोड़ देना चाहिए? आइए इस बारे में समझते हैं।

इंटरमिटेंट फास्टिंग और डिनर स्किप

हम अक्सर यह सुनते हैं कि ÷रात का खाना हल्का खाना चाहिए या जल्दी डिनर करना फायदेमंद होता है। लेकिन आजकल कुछ लोग एक कदम और आगे बढ़कर डिनर ही स्किप (छोड़) कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है क्या डिनर स्किप करना वाकई फायदेमंद है? या यह शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है? इस संबंध में किए गए अध्ययनों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इंटरमिटेंट फास्टिंग से डिनर स्किप करने का चलन लोकप्रिय हुआ। इसमें लोगों को 16÷8 फास्टिंग करने की सलाह दी जाती है, जिसमें व्यक्ति 16 घंटे उपवास करता है और सिर्फ 8 घंटे में भोजन करता है, जो अक्सर ब्रेकफास्ट और लंच तक सीमित होता है।

क्या कहते हैं अध्ययन?

सेल मेटाबॉलिज्म जर्नल में इसी से संबंधित एक अध्ययन से पता चलता है कि डिनर स्किप करने या भोजन का समय सीमित करने से कैलोरी इनटेक कम होता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। वहीं यूनिवर्सिटी ऑफ एलाबामा में किए गए अध्ययन से पता चलता है कि अगर दिन का अंतिम भोजन शाम 7 बजे से पहले कर लिया जाए तो ब्लड शुगर लेवल बेहतर कंट्रोल में रहता है।

डिनर छोड़ देना ठीक है या नहीं?

विशेषज्ञ कहते हैं, डिनर स्किप करने या रात में जल्दी खाने के कुछ लाभ तो जरूर हैं पर सभी लोगों के लिए पूरी तरह से डिनर स्किप करना ठीक नहीं है। शरीर को काम करने के लिए जरूरी ऊर्जा के लिए भोजन की आवश्यकता होती है। शरीर रात के समय में कोशिकाओं की मरम्मत और पुनर्निर्माण करता है। अगर आपने दिन में पर्याप्त पोषण नहीं लिया तो न सिर्फ ये प्रक्रिया बाधित हो सकती है बल्कि आपको थकावट-कमजोरी भी महसूस हो सकती है। इसके अलावा अगर आप शरीर को पर्याप्त प्रोटीन नहीं देते तो इससे मांसपेशियों की समस्याएं बढ़ सकती हैं। प्रोटीन की ही मदद से शरीर रात के समय कोशिकाओं की सही तरीके से मरम्मत करता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

डॉक्टर कहते हैं, अगर आपको पहले से कोई बीमारी है तो बिना अपने चिकित्सक की सलाह के भोजन बिल्कुल न छोड़ें। विशेषकर डायबिटीज वाले मरीजों के लिए ये खतरनाक हो सकता है। रात का खाना छोड़ देने ले कुछ मरीजों को लो ब्लड शुगर की समस्या हो सकती है। इसके अलावा लगातार डिनर स्किप करने के कारण महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन का खतरा बढ़ जाता है।

हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिकल हेल्थ के विशेषज्ञों के अनुसार, डिनर स्किप करना हर किसी के लिए उपयुक्त नहीं है।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ

शुक्रवार, 27 जून 2025

श्री शुभ सम्वत् 2082 शके1947 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतौ आषाढ़ मासोत्तमे शुक्ल पक्षे, द्वितीया तिथौ शुक्र वासरे 11/10/ पुनर्वसु नक्षत्रे 07/22/ व्याघात योग 21/10/ कौलव करणे 11/20/ कर्क राशिगत चन्द्रमा घं.मि.पर।

व्रत एवं त्यौहार- रथयात्रा दर्शन प्रदक्षिण। श्री बलराम जगदीश रथोत्सव। मनोरथ द्वितीया हिजरी मोहर्रम 01 माह शुरू। हिजरी 1447 शुरू।

मेष : नवीन अनुबंधों की प्राप्ति होगी। वाद विवाद से कष्ट होगा। आकस्मिक व्यय एंव कार्य से खिन्नता रहेगी।

वृष : वाहन प्रयोग में सावधानी बरतें। स्वस्थ सामान्य रहेगा। परिजनों से संतुष्ट रहेंगे।

मिथुन : कार्य व्यापार में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। घरेलू सुख साधनों में वृद्धि होगी।

कर्क : पराक्रम में वृद्धि होगी। शत्रु परास्त होंगे। मान सम्मान में वृद्धि होगी। मानसिक सुख शांति रहेगी।

सिंह : माता- पिता का सामीप्य मिलेगा। पठन-पाठन में रूचि रहेंगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या : लाभ मार्ग प्रशस्त होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। नौकरी के लिए किए गए प्रयास सफल होंगें।

तुला : नवीन लाभकारी योजनाएं बनेंगी। कार्य व्यापार में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी। उपहार तथा द्रव्य लाभ होगा।

वृश्चिक : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कामी पर सेन रखे। यात्रा में सावधानी आवश्यक है। धन, सम्मान, यश की प्राप्ति होगी।

धनु : भगवती सरस्वती जी की उपासना आपके लिए लाभकारी होगी। समय के महत्व को समझें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

मकर : धन प्रतिष्ठा की दिशा में लाभ मिलेगा। पारिवारिक जीवन होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।

कुंभ : अल्प आय व खर्च की अधिकता के कारा आय व्यय में असंतुलन पैदा होगा। धैर्य बनाये रखें। हनुमान जी की पूजा फलदायी है।

मीन : सृजनात्तक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। निजी संबंधो में प्रगाढ़ता आएगी। नवीन अनुबंधो से धन लाभ होगा।

स्वतंत्र भारत

खबर एक नजर

गुरू सिंह सभा की निर्वाचित टीम को किया सम्मानित

रायबरेली। शहर कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान महामंत्री हरमिन्दर सिंह सलूजा को गुरू सिंह सभा का अध्यक्ष निर्वाचित होने पर कांग्रेस कार्यालय तिलक भवन में शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा हरमिन्दर सिंह सलूजा, बलबीर सिंह गांधी, गुरूमेन सिंह सलूजा, बलजीत सिंह, इन्द्रजीत सिंह सहित गुरू सिंह सभा के पांचों पदाधिकारियों को फूल-माला व अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। शहर अध्यक्ष श्री धीरज श्रीवास्तव ने हरमिन्दर सिंह सलूजा के अध्यक्ष निर्वाचित होने पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि हरमिन्दर कांग्रेस के सर्मपित कार्यकर्ता है, उनको गुरू सिंह सभा के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने पर कांग्रेस जनों को भी गर्व की अनुभूति हो रही है, हम सब उनको इस नई पारी की शुभकामनाए देते है। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष श्री वी.के.शुक्ला ने हरमिन्दर सिंह सलूजा को इस महत्वपूर्ण पद की बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर ओ.पी. श्रीवास्तव, राजकुमार दीक्षित, आशीष द्विवेदी, महताब आलम, सुनील सिंह भदौरिया, मनोज मिश्रा, मनीष सोनकर, सूर्यकुमार बाजपेई, कल्याणचन्द्र श्रीवास्तव, प्रमोद पाण्डेय, अभय त्रिवेदी, अजीत सिंह, सुन्दर लाल निर्मल, सै.अरशद, मनोज त्रिवेदी, हाजी उस्मान, महेश्वर सिंह, सोनू खान, अमित मिश्रा, सलीम खान, सुमित कुमार, सत्येन्द्र श्रीवास्तव, पवन त्रिवेदी, दिनेश त्रिवेदी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हल्का लेखपाल पर रिश्तेदारों को लाभ पहुंचाने का आरोप

सरेनी, रायबरेली। तहसील क्षेत्र के विशायकपुर निवासी एक ग्रामीण ने हल्का लेखपाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित रोहित कुमार पांडेय का कहना है कि लेखपाल अनूप सिंह ने अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर रिश्तेदारों को फर्जी तरीके से भूखंड का स्वामित्व प्रमाण पत्र जारी कर दिया। आरोप है कि ग्राम सभा विशायकपुर के गाटा संख्या 262 ख से जुड़ी जमीन, जो आबादी क्षेत्र में आती है, उसका स्वामित्व संगीता सिंह व श्यामा सिंह व प्रतिमा के नाम कर दिया गया। जबकि तीनों महिलाएं ग्राम सभा की निवासी नहीं हैं और न ही जमीन पर उनका कोई अधिकार या कब्जा है। पीड़ित के मुताबिक विवादित भूखंड पर उसका पुश्तैनी मकान बना हुआ है। मकान से सटी करीब डेढ़ बीघे की बाउंड्री वाली जमीन भी उसके कब्जे में है, लेकिन उसे घरौनी में शामिल नहीं किया गया। इतना ही नहीं पीड़ित ने यह भी बताया कि उक्त महिलाओं ने पहले भी उनके परिवार की करीब साढ़े चार बीघा भूमिधरी जमीन धोखाधड़ी से अपने नाम बैनामा करा ली थी। इस मामले में पहले से मुकदमा दर्ज है। पीड़ित रोहित कुमार पांड़ेय ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर जांच कराने और दोषी लेखपाल के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही अवैध रूप से किए गए भूखंड आवंटन को रद्द करने की गुहार लगाई है।

सड़क दुर्घटना में बिजली कर्मी की मौत

अमावां, रायबरेली। मिल एरिया थाना क्षेत्र में रायबरेली अयोध्या हाईवे पर गुरुवार की तड़के ड्यूटी से घर लौट रहे एक बिजली कर्मी की बाइक अनियंत्रित हो गई और पुलिया में टक्कर के बाद बाइक समेत खाई में गिरने से उसकी मौत हो गई। सुबह पेट्रोलिंग पर निकले बिजली कर्मियों की नजर पड़ी तो सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम में भेज दिया है। महाराजगंज कोतवाली क्षेत्र के बैखरा गांव निवासी पंकज उर्फ सोनू 35 वर्ष पुत्र तीरथदीन बिजली विभाग में संविदा पर कार्यरत था। इन दिनों शहर कोतवाली क्षेत्र के आचार्य द्विवेदी नगर बिजली घर पर तैनात था। गुरुवार की रात ड्यूटी खत्म होने पर बाइक से अपने घर लौट रहा था। तभी रायबरेली अयोध्या हाईवे पर पूरे पतुरिया गांव के पास तड़के 3.00 बजे उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और पुलिया में टक्कर के बाद सोनू बाइक समेत गहरी खाई में गिर गया। घटना में उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सुबह विद्युत लाइन की पेट्रोलिंग पर निकले सिधौना बिजली घर के कर्मचारियों की नजर खाई में पड़े शव पर पड़ी तो पहचान के बाद सूचना परिजनों को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम में भेज दिया है। इस संबंध में सब इंस्पेक्टर दिलीप कुमार पासवान ने बताया सड़क दुर्घटना में युवक की मौत हुई है। शव पीएम के लिए भेजा गया है जांच पड़ताल की जा रही है।

नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सख्त कार्यवाही करें-डीएम

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में नशीले पदार्थों की तस्करी एवं प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री की रोकथाम के लिए जिला स्तरीय एनकोर्ड समिति की बैठक बचत भवन स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में नशीली दवाओं एवं ड्रग के दुरुपयोग को रोकनेए जिले में अफीम या भांग की फसल की अवैध खेती एवं भंडार, संलिप्त लोगों का व्यपवर्तन, प्रतिबंधित दवाओं के दुरुपयोग व तस्करी मुख्य एजेंडा रहा। जिलाधिकारी ने इस संबंध में किए जाने वाले कार्यवाही की जानकारी लेते हुए अवैध तरीके से अफीम के उत्पादन होने की संभावना पर निगरानी रखनेए ड्रग व नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने एवं कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संवेदनशील क्षेत्रों, अति संवेदनशील स्थानों की पहचान करने व नशीले पदार्थो के अवैध व्यवसाय को रोकने के लिए साइकोट्रोपिक दवाओं की बिक्री और खरीद पर निगरानी, मेडिकल स्टोर्स द्वारा प्रिस्क्रिप्शन के बिना दवाओं की अवैध बिक्री पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारियों को स्कूल-कालेजों में नशा मुक्ति अभियान चलाए जाने, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के दुष्प्रभाव से विद्यार्थियों को समझाने, स्कूल/कॉलेज परिसर और आस-पास नशा विरोधी रैली व जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम वि.रा अमृता सिंह, जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

समतामूलक समाज के हितैषी थे छत्रपति साहू जी महाराज-इं वीरेन्द्र यादव

रायबरेली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशानुसार राजर्षि छत्रपति साहू जी महाराज की जयंती समाजवादी पार्टी कार्यालय सुपर मार्केट रायबरेली में मनायी गई गयी। उपस्थित कार्यकर्ताओं द्वारा छत्रपति साहू जी महाराज के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एक विचारगोष्ठी का आयोजन कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की गयी। विचारगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलिाध्यक्ष इं वीरेंद्र यादव ने कहा कि छत्रपति साहू जी महाराज ने कोल्हापुर रियासत के शासक के रूप में शिक्षा एवं सामाजिक न्याय के क्षेत्र में असाधारण कार्य किए।उन्होंने सर्वप्रथम नौकरी व शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण की व्यवस्था शुरू की थी। उन्होंने अपने साम्राज्य में पिछड़ों दलितों एवं समाज के बेसहारा लोगों के उत्थान एवं सम्मान के लिए अनेकों महत्वपूर्ण कार्य किया। वह समतामूलक समाज के पक्षधर छत्रपति साहू जी महाराज की जयंती के अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव, राजेश मौर्य, महासचिव मो अरशद खान, देवतादीन सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

पटरी दुकानदारों से नोंकझोक

रायबरेली। बछरावां कस्बा में बृहस्पतिवार को नायब तहसीलदार उमेश चंद्र त्रिपाठी, नगर पंचायत ईओ रामाशीषए कोतवाली इंचार्ज प्रभारी सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में कस्बा के लालगंज रोड महाराजगंज रोड, रायबरेली रोड, लखनऊ रोडए शिवगढ़ रोड सहित अन्य सड़कों पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान पटरी दुकानदारों को हटा दिया गया। वहीं कस्बा के अंदर दो दर्जन ई-रिक्शा, पिकअप को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। दिनभर कस्बे के अंदर अतिक्रमण हटाओ अभियान चला। इसमें पांच दर्जन से ज्यादा पटरी दुकानदारों की दुकान तोड़ दी गई। पटरी दुकानदार समय मांगते रहे।

गुरुबख्शगंज पुलिस के हत्थे चढ़ा अन्तर्जनपदीय मवेशी चोर गिरोह

वाहन चेकिंग के दौरान कार में ठुंसे मिले 13 बकरे-बकरियां, गैंग के चार शातिर सदस्य गिरफ्तार!

पुलिस की कामयाबी ने चौड़ा किया खाकी का सीना, थानाध्यक्ष व अटौरा चौकी प्रभारी की हो रही तारीफ

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। फतेहपुर, बाँदा, कानपुर देहात, रायबरेली व कानपुर नगर में घूम.घूम कर बकरा-बकरी चुराने वाले अन्तर्जनपदीय गिरोह के चार खास अपराधियों को गुरुबख्शगंज पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। यह पुललिस का बड़ा गुडवर्क माना जा रहा है। थाने के प्रभारी निरीक्षक व अटौरा चौकी प्रभारी की तत्परता और सूझ-बूझ से इन नामी अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद जिले में एक बार फि र खाकी का सीना चौड़ा हुआ है। गुरुबख्शगंज पुलिस की इस सफ लता की जानकारी एएसपी ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में दी। उन्होने बताया कि पकड़े गये अपराधियों मे दो, कानपुर व फ तेहपुर के हिस्ट्रीसीटर हैं। दोनो जनपदों में इनके विरुद्ध अनेक अपराधिक अभियोग दर्ज हैं। इनके कब्जे से एक कार व 13 बकरे-बकरियां बरामद की गई हैं। गुरुवार को अपराह्न पत्रकारों को घटना की विस्तृत जानकारी देते हुये एएसपी ने बताया कि गुरुबख्शगंज थाने की अटौरा चौकी क्षेत्र के टिकरा गाँव के पास, वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस को बकरा चोरी के अन्तर्जनपदीय गिरोह के आने की खबर मिली। खबर पर चौकन्ने हुये प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह व चौकी प्रभारी सुमित श्योरान ने सामने से आई एक ईको कार को रोक कर जाँच की तो उसमे छः बकरे व सात बकरियां बंधी पड़ी मिलीं। बकरियों को निर्दयता पूर्वक ठूँस-ठूँस कर भरा गया था। कार सवार लोगों से पूछतांछ की गई तो पता चला कि वे रेकी करके बकरा-बकरी चुराते और बेंच देते हैं। उन्होने बताया कि कार मे मिली 13 मे से छः बकरियां बछरावां क्षेत्र से व सात फतेहपुर से चोरी की गईं हैं। एएसपी ने बताया कि पुलिस के हत्थे चढ़ा इरफ ान उर्फ भूरा मिस्त्री पुत्र मुन्ना खान बाँदा जनपद का निवासी है, जबकि शकील व नफीस पुत्रगण लाल मोहम्मद व छोटू फतेहपुर जिले के रहने वाले हैं। पकड़ मे आये अपराधियों में शकील के विरुद्ध छः व इरफ ान के विरुद्ध तीन अपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने सभी को पशु क्रूरता निवारण अधिनियम व बीएनएस की सम्बन्धित धाराओं के तहत केस दर्ज करते हुये जेल भेज दिया है।

अराजक तत्वों ने डा. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति तोड़ी, मचा हड़कम्प

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बेलौली मजरे पलिया विरसिंहपुर गांव में स्थापित डा0 भीमराव आंबेडकर की मूर्ति को बीती रात अराजकतत्वों ने तोड़ दी। सुबह जानकारी मिलने पर भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने विरोध जताते हुए प्रशासन को सूचना दी। सूचना पर एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी, सीओ गिरजा शंकर त्रिपाठी और प्रभारी निरीक्षक मय फोर्स के मौके पर पहुंचे और जानकारी हासिल की। प्रशासन की ओर से भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं की मांग पर दूसरी मूर्ति मंगवा कर लगवा दी। वहीं भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं की ओर से प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन देकर अराजकतत्वों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। साथ ही एसडीएम से भूमि की पैमाइश कराने की भी मांग की। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि नई मूर्ति लगवाये जाने के बाद मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। ला एण्ड आर्डर की कोई समस्या नहीं हैं। भीम आर्मी के कार्यकर्ताटों की ओर से भी कोई शिकायत नहीं है।

करंट की चपेट में आने से दो जानवरों की मौत किसान ने की मुआवजे की मांग

स्वतंत्र भारत संवाददाता, खीरों, रायबरेली। थाना क्षेत्र के गांव डंडनपुर मजरे ऐन्थी में गुरुवार को बिजली विभाग की लापरवाही से सड़क के किनारे खेतों में चर रहे लगभग 50 हजार कीमत के दो जानवरों की करेंट की चपेट में आने से मौत हो गई। उन्हें बचाने के प्रयास में एक किसान भी करेंट की चपेट में आ गया। लेकिन पास खड़े ग्रामीणों ने उसे खींच लिया जिससे वह बाल बाल बच गया। पीड़ति किसानों ने विद्युत उपकेन्द्र कलुआखेड़ा और खीरों थाने में प्रार्थना पत्र देकर आवश्यक कार्यवाही करने और उचित मुआवजा देने की मांग की है। डंडनपुर मजरे ऐन्थी निवासी किसान कुंज बिहारी यादव पुत्र राम रतन यादव और अमृतलाल रावत पुत्र जगतपाल ने बताया कि मेरे गांव डंडनपुर मजरे ऐन्थी से उन्नाव जिले के मोहिउद्दीनपुर गांव होते हुए असगरगंज चौराहे के लिए सड़क जाती है। गुरुवार को दोपहर बाद दोनों लोग गांव के किनारे खेतों में अपने जानवर चरा रहे थे। सड़क के ही किनारे खेतों के पास डबल पोल पर एक ट्रांसफार्मर रखा हुआ है। इसी डबल पोल के बगल में एक गड्ढे में पानी भरा हुआ है। पोल में लगे स्टे वायर के गड्ढे में होने के कारण उसमें करेंट प्रवाहित हो रहा था। दोनों किसानों की एक एक पड़िया उसी गड्ढे में पानी पीने लगी तभी करेंट की चपेट में आ गई। अमृतलाल ने बचाने का प्रयास किया। लेकिन पास में मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें अपनी ओर खींच लिया। जिससे वह बाल बाल बच गए। लेकिन दोनों पडिया की करेंट की चपेट में आने से मौत हो गई। दोनों किसानों ने विद्युत उपकेन्द्र कलुआखेड़ा और खीरों थाने में प्रार्थना पत्र देकर आवश्यक कार्यवाही करने और उचित मुआवजा देने की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अभी उन्हें तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने विभागीय अधिकारियों को घटना की जानकारी देकर मृत जानवरों का पोस्टमार्टम कराकर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

आरेडिका में राजभाषा विभाग द्वारा योग गोष्ठी का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के प्रशासनिक भवन स्थित सेमीनार कक्ष में गुरूवार को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह के अंतर्गत महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन, मुख्य राजभाषा अधिकारी और महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र के नेतृत्व में एक योग गोष्ठी का आयोजन किया गया। योग गोष्ठी में अतिथि वक्ता योगाचार्य अमित कुमार त्रिपाठी ने ÷तन मन जीवन की एक सुन्दर यात्रा लिए योग÷ विषय पर योग के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए समझाया कि भारत में पतंजलि ने किस प्रकार 'योगसूत्र' ग्रन्थ लिख कर जन जन के लिए योग को व्यावहारिक बना दिया और लोगों को योग के लिए प्रेरित किया। आरेडिका के मुख्य राजभाषा अधिकारी और महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र ने योग गोष्ठी में योग के 'अष्टांगिक मार्ग के दार्शनिक पक्ष' को समझाते हुए यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान, धारणा व समाधि के संबंध में बहुत महत्वपूर्ण व व्यावहारिक जानकारी दी। आरेडिका के प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता मनोज कुमार जिंदल ने योग के संबंध में बताया कि योग भारत की विश्व को अनमोल देन है। हम स्वयं योग करें तथा अपने बच्चों को भी योग कराएं। आप जितने योग से जुड़े रहेगे, उतनी दवाइयों से दूरी बनी रहेगी। आरेडिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योग गोष्ठी में उत्साह के साथ भाग लिया और योग को अपने जीवन में आत्मसात करने का दृढ संकल्प लिया। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए आरेडिका के विभिन्न विभागों ने अपना योगदान प्रदान किया। अन्त में आरेडिका के राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मिट्टी ढुलाई कर रहे ओवरलोडिंग डम्परों को ग्रामीणों ने रोका, किया प्रदर्शन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के डकौली मंजरे ऐहार गांव में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य में मिट्टी ढुलाई कर रहे डंपरों की ओवर लोडिंग से सड़क मार्ग पूरी तरह से ध्वस्त हो गयी है। यह मार्ग रेल पहिया कारखाने के निकट स्थित है और गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि भारी वाहनों की निरंतर आवाजाही से सड़क जगह जगह से टूट गई है। जिससे मार्ग पर बड़े बड़े गड्ढे बन गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि खराब सड़क के कारण कई राहगीर गिरकर घायल हो चुके हैं, लेकिन अब तक इस समस्या को लेकर कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। ग्रामीणों ने बृहस्पतिवार को आक्रोश व्यक्त करते हुए मिट्टी ढुलाई कर रहे ओवरलोड वाहनों को रोक लिया और प्रशासन से मार्ग की मरम्मत व ओवरलोडिंग पर रोक लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने एक सुर में कहा कि जब तक सड़क की मरम्मत और ओवरलोड वाहनों की आवाजाही पर रोक नहीं लगेगी, तब तक वह विरोध जारी रखेंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना में लगे वाहनों की नियमित जांच की जाए और ओवर लोडिंग पर सख्त कार्रवाई हो, ताकि गांव की सड़क और आमजन की सुरक्षा बनी रह सके। विरोध प्रदर्शन में गांव के प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी, भोला यादव, जितेन्द्र कुमार, आशीष, शिव आधार, सचिन, रमेश, जागेश्वर, लवलेश, संतोष कुमार, प्रमोद कुमार और दीपू यादव ,सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

35 वर्ष बाद हरचंदपुर की शोरा सहकारी समिति में फिर उतरी खाद, जर्जर भवन में शुरू हुआ नया दौर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। जिले के हरचंदपुर क्षेत्र में स्थित बहु-उद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण साधन सहकारी समिति, शोरा, जो पिछले 35 वर्षों से जर्जर हालत में थी, वहां एक बार फिर खाद उतारी गई है। समिति का भवन, जहां परिसर से लेकर छत तक घास उग आई थी और खिड़कियांए शटर व दरवाजे गायब हो चुके थे अब नए सिरे से सक्रिय हो रहा है। यह उपलब्धि समिति के अध्यक्ष राघवेंद्र बहादुर सिंह के अथक प्रयासों, प्रशासनिक सहयोग और जनभागीदारी का परिणाम है। आगामी 28 जून 2025 को आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक दीपक सिंह द्वारा इस नई शुरुआत का उद्घाटन किया जाएगा। **जर्जर भवन और 35 साल का ठहराव-** शोरा सहकारी समिति का भवन लंबे समय से उपेक्षा का शिकार था। परिसर में उगी घासए टूटी-फूटी दीवारें और गायब खिड़कियां-दरवाजे इसकी बदहाली की कहानी बयां करते थे। पिछले 35 वर्षों से समिति में खाद की आपूर्ति बंद थी, जिसके कारण स्थानीय किसानों को खाद के लिए अन्य स्थानों पर निर्भर होना पड़ता था। इस स्थिति ने न केवल समिति की उपयोगिता को प्रभावित किया, बल्कि क्षेत्र के किसानों की कृषि आवश्यकताओं को भी बाधित किया। **अध्यक्ष राघवेंद्र बहादुर सिंह ने उठाया समिति-** समिति के अध्यक्ष राघवेंद्र बहादुर सिंह ने इस जर्जर स्थिति को बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने अपर जिलाधिकारी सहकारिता अनिल कुमार राय को समिति की समस्याओं से अवगत कराया और समाधान की दिशा में कदम बढ़ाए। शुरुआती प्रयासों में धन की कमी सबसे बड़ी बाधा थी, लेकिन राघवेंद्र सिंह ने हार नहीं मानी। उन्होंने समिति के लाभांश का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा और जन सहयोग को भी प्रोत्साहित किया। **प्रशासनिक सहयोग और जनभागीदारी का योगदान-** इस पहल में अपर जिलाधिकारी सहकारिता अनिल कुमार राय और निबंधक सहकारिता रामसागर चौरसिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अपर जिलाधिकारी सहकारिता श्याम प्रकाश ने भी इस प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया। समिति के सीमित संसाधनों के साथ-साथ जन सहयोग के माध्यम से धन जुटाया गया, जिससे खाद की आपूर्ति फिर से शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। बुधवार को समिति के द्वार पर खाद उतारी गईए जो इस लंबे अंतराल के बाद एक ऐतिहासिक क्षण था। 28 जून 2025 को आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक दीपक सिंह द्वारा समिति में खाद आपूर्ति की इस नई शुरुआत का औपचारिक उद्घाटन किया जाएगा। यह आयोजन न केवल समिति के पुनर्जनन का प्रतीक होगा, बल्कि क्षेत्र के किसानों के लिए एक नई उम्मीद भी जगाएगा। स्थानीय किसानों का कहना है कि समिति के सक्रिय होने से उन्हें समय पर खाद उपलब्ध होगी, जिससे उनकी कृषि गतिविधियों को बल मिलेगा। शोरा सहकारी समिति का यह पुनर्जनन सहकारिता, प्रशासनिक सहयोग और जनभागीदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। समिति के अध्यक्ष राघवेंद्र बहादुर सिंह की पहल और प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग ने एक जर्जर भवन को फिर से जीवंत कर दिया। यह प्रयास न केवल स्थानीय किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा, बल्कि सहकारी समितियों के महत्व को भी रेखांकित करता है।

अभिभावकों को बहका रहे अधिकारी, शिक्षक पर बना रहे दबाव : वीरेंद्र

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। परिषदीय विद्यालयों को मर्जर कराने में अभिभावकों के न चाहने के बाद भी अधिकारी जबरदस्ती ही पेयरिंग करा दे रहे हैं। अधिकारियों की मनमानी व एसएमसी की सहमति के बिना ही विद्यालयों की पेयरिंग किए जाने के खिलाफ गुरुवार को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने बीएसए को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने कहा कि अधिकारियों की मनमानी पर अगर रोक न लगाई गई तो फिर संगठन धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा। संघ के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि अभिभावकों से सहमति लेने के लिए अधिकारी तरह-तरह के बहाने बना रहे हैं। कोई अधिकारी अभिभावकों से यह कह रहा है कि आपके बच्चों के लिए गांवों से ले जाने के लिए गाड़ी लगाई जाएगी तो कोई कह रहा है कि गांव में अब तीन साल से छह साल के बच्चे पढ़ाएं जाएंगे जबकि हकीकत में अभी कुछ नहीं है। विद्यालय प्रबंध समितियों के न चाहने के बाद भी अधिकारी जबरदस्ती ही विद्यालयों को मर्जर कर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कम नामांकन छात्र संख्या वाले परिषदीय विद्यालयों का अन्य विद्यालयों के साथ युग्मन, विलय, मर्जर किए जाने के खिलाफ राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ है। बेसिक शिक्षा के लाखों छात्र एवं शिक्षकों का भविष्य इस युग्मन मर्जर से प्रभावित हो रहा है। पूर्व शिक्षक नेता गणेश बक्श सिंह ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने से प्रत्येक गांव में स्कूल स्थापित हुए और शिक्षा प्रत्येक बच्चे को अनिवार्य रूप से सुलभ हो गयी। अब विद्यालयों के युग्मन व मर्जर से विद्यालय बच्चों की पहुंच से दूर हो जाएंगे और अधिनियम की धारा 6 का अस्तित्व समाप्त हो जायेगा तथा यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधान का भी उल्लंघन है। कार्यकारी अधिकारी संजय सिंह, संगठन मंत्री मधुकर सिंह और संयुक्त मंत्री हरिमोहन यादव ने कहा कि प्रमुख सचिव ने 16 जून को आदेश जारी करके युग्मन से पूर्व जनसमुदाय, स्थानीय प्राधिकारी तथा शिक्षक संघ से संवाद स्थापित कर सहमति प्राप्त होने पर ही युग्मनध्मर्जर प्रक्रिया आरम्भ की जाए। लेकिन खण्ड शिक्षा अधिकारियों ने युग्मनध्मर्जर के सम्बन्ध न तो अभिभावकों से और न ही शिक्षक संघों से किसी प्रकार का संवाद स्थापित करना आवश्यक समझा है। उन्होंने मनमाने पूर्ण ढंग से युग्मन-मर्जर करने की होड़ में खण्ड शिक्षा अधिकारी लग गए। कार्यक्रम का संचालन कर रहे जिला महामंत्री ने कहा कि संगठन के संज्ञान में यह भी लाया गया है कि कतिपय खण्ड शिक्षा अधिकारी ने कम नामांकन की छात्र संख्या का निर्धारण स्वयं से करते हुए सम्बन्धित विद्यालय प्रबन्ध समिति की सहमति के बिना ही प्रस्ताव आपके कार्यालय को प्रेषित कर दिया। यह पूरी तरह से गलत है और इसका हम लोग विरोध करते हैं। शिक्षक नेता अनुराग मिश्रा, वेद प्रकाश यादव और दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि खण्ड शिक्षा अधिकारी कम नामांकन छात्र संख्या वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को विभिन्न दूरभाष नम्बरों से फोन करके युग्मन व मर्जर का प्रस्ताव लाने के लिए दबाव बना रहे हैं तथा प्रस्ताव न लाने की दशा में धमकी दे रहे हैं।

जेपी यादव बने समाजवादी पार्टी के सरेनी विधानसभा अध्यक्ष

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता जयप्रकाश यादव को सरेनी विधानसभा क्षेत्र का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनके मनोनयन से पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। जयप्रकाश यादव पहाड़ीपुर मजरे बहाई गांव के निवासी हैं और लंबे समय से समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए हैं। इससे पहले वे पार्टी के जिला सचिव के रूप में काम कर चुके हैं। विधानसभा अध्यक्ष बनाए जाने पर श्री यादव ने प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। साथ ही वे अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़कर पार्टी को और मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। जेपी यादव को जिम्मेदारी मिलने पर सपा विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह, दिव्यांबर सिंह, प्रदेश सचिव पवन पटेल, पूर्व प्रधान राम मोहन यादव, दिनेश यादव, शिव प्रताप यादव प्रधान, एडवोकेट रणजीत यादव, उदल पाल, राजू यादव, जिया लाल, रामबाबू, भोलानाथ यादव, बच्चा सिंह, दशरथ यादव, रामकुमार बाबू जी, राधाकृष्ण यादव, दिनेश मास्टर, डा0 दिनेश पाल सहित तमाम कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

धूमधाम से मनाई गई साहू जी महाराज की जयंती

स्वतंत्र भारत, जैदपुर बाराबंकी। ग्राम चक स्थित देवश्री मैरिज लान में कुर्मी स्वाभिमान महासंघ के तत्वावधान में छत्रपति साहू जी महाराज जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 30 मेधावियों को सम्मानित किया गया।छत्रपति साहूजी महराज जयंती को सम्बोधित करते हुए पूर्व कारागार मंत्री राकेश कुमार वर्मा ने कहा कि साहू जी महाराज सामाजिक न्याय, नारी उत्थान और समाज कल्याण के नायक थे जो शोषित, वंचितों के महानायक, महान समाज सुधारक, दार्शनिक आदर्श पुरुष थे जिन्होंने आरक्षण की नींव रखी और समाज में व्याप्त अनेकों बुराइयों को समाप्त किया था। पूर्व ब्लाक प्रमुख निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि शाहूजी महाराज ने दलित और शोषित वर्ग के दुख दर्द को बहुत करीब से समझा और उनसे निकटता बनाकर उनके मान-सम्मान को ऊपर उठाया।वरिष्ठ नेत्र सर्जन डा0 विवेक कुमार वर्मा ने कहा कि शाहूजी महाराज गैरबराबरी की व्यवस्था को खत्म करने के लिए देश में पहली बार अपने राज्य में पिछ?ों के लिए आरक्षण व्यवस्था लागू की। कुर्मी स्वाभिमान महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक इंजीनियर एस पी वर्मा ने कहा कि शाहूजी महाराज समाजिक न्याय, नारी उत्थान, और समाज के कल्याण के नायक थे उन्होंने ज्योतिबा फुले के सिद्धांतो को मानते हुए डा0 भीम राव अम्बेडकर जैसे सामाजिक क्रांति करियो का अनुशरण किया इसीलिए उन्हे ज्योतिबा और बाबा साहब के बींच कड़ी मना गया है।कुर्मी स्वाभिमान महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ईजी0 त्रिभुवन सिंह की अध्यक्षता एव वीरेंद्र वर्मा के संचालन मे आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला संयोजक मास्टर ओमप्रकाश वर्मा ने कुर्मी समाज के लोगो का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शाहू जी महराज के बताये हुए रास्ते पर चल कर समाज को उचाईयो तक पहुंचाया जा सकता है।

प्रशासन ने सरयू नदी के तट पर मॉक ड्रिल कर राहत-बचाव की तैयारियों को परखा

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी, जिले के संभावित बाढ़ प्रभावित इलाकों में गुरुवार को प्रशासन ने सरयू नदी के तट पर मॉक ड्रिल कर राहत-बचाव की तैयारियों को परखा। साथ ही ग्रामीणों को बाढ़ से निपटने और सावधानी बरतने का प्रशिक्षण भी दिया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि बाढ़ के दौरान उन्हें किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। रामनगर तहसील के पांडेयपुर बाढ़ शरणालय के पास चल रही माक ड्रिल के दौरान अनाउंसमेंट कर बताया गया कि हेतमापुर के पास अचानक सरयू नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण पानी के तेज बहाव में दो युवक बह गए हैं। घटना की सूचना पर तत्काल पीएसी की फ्लड कंपनी के साथ एसडीएम विवेकशील व तहसीलदार विपुल सिंह मौके पर पहुंच गए। फ्लड कंपनी के जवानों ने स्टीमर से रेस्क्यू कर बहते हुए युवकों को बचाया। इसके बाद उन्हें किनारे लाया गया, जहां पहले से सतर्क स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एंबुलेंस की मदद से दोनों युवकों को बेहोशी की हालत में चिकित्सा शिविर में ले गए, जहां डॉ. प्रदीप यादव की देखरेख में स्वास्थ्य टीम ने उनका प्राथमिक उपचार किया गया। इस प्रदर्शन को देखने के लिए नदी के किनारे काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी रही। बाढ़शरणालय के सामने फॉयर ब्रिगेड की टीम ने रिहर्सल किया। इस दौरान आग लगने की सूचना पर सायरन बजाते हुए मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने आग बुझाने के साथ ही आग से झुलसे एक युवक को इलाज के लिए स्ट्रेचर पर लेकर भागते दिखे। दमकल की टीम ने आग बुझाकर हालातों पर काबू पाया। एसडीएम रामनगर, विवेकशील यादव ने बताया कि मॉक ड्रिल में उन तैयारी को परखा गया कि यदि आपात स्थिति में लोग बाढ़ के पानी में फंस जाते हैं तो उन्हें कैसे सुरक्षित स्थान पर ले जाकर उन्हें राहत पहुंचाई जा सकती है।

आपसी सौहार्द और मेल मिलाप के साथ मनाएं मोर्हरम : सुधीर

स्वतंत्र भारत, जैदपुर बाराबंकी। मोहर्रम पर दस दिनों तक जलसे, जुलूस, नौहाख्वानी, मातम, पैकियों की जुलूस निकाले जाएंगे। मोर्हरम को आपसी सौहार्द और मेल मिलाप के साथ मनाएं तथा शरारतीतत्वों पर नजर रखें। जुलूसों में कोई नई परंपरा नहीं डालें। यदि कोई संदिग्ध माहौल को खराब करने की कोशिश करे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें।उक्त बाते गुरुवार को मसौली थाना मुख्यालय पर आगामी मोर्हरम को लेकर बुलाई गयी बैठक मे उपस्थित सम्भ्रान्त जनों एव ताजियादारों से रूबरू होते हुए प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह ने कही उन्होंने संभ्रांत व्यक्तियों, ताजियादारों, अलम जुलूसों के आयोजकों से कहा कि वे पुरानी परंपराओं का ही निर्वहन करें, कोई नई परंपरा न डालें प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि अराजकता फैलाने वालों पर नजर रखें और उनकी पहचान करके पुलिस को सूचना दें ताकि उनपर सख्त कार्रवाई की जा सके। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि जुलुस आप सभी लोगो का है शांति व्यवस्था बनाये रखना आप सभी की जिम्मेदारी है सभी गांव मे बनने वाले वालंटियर जुलुस मे पुलिस के सहयोगी की भूमिका निभाएंगे।बैठक मे वरिष्ठ उपनिरीक्षक शमशाद अली, चौकी प्रभारी अभिनंदन पाण्डेय, सेठ इरफान अंसारी, प्रधान अनीस अफजाल अंसारी, कलीम चौधरी, मुईन अंसारी, नूर मोहम्मद, विनोद वर्मा, इकबाल अंसारी, वली मोहम्मद, अबरार बीडीसी, मौलाना असरार, मो0 सलमान गुड्डू सहित क्षेत्र के ताजियादार मौजूद रहे।

खबर एक नजर

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। लखनऊ सुल्तानपुर हाईवे पर गोतौना गांव के पास बीती देर रात हुए सड़क हादसे में एक 20 वर्षीय बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।जानकारी के अनुसार बुधवार की रात 10:00 बजे कोतवाली पुलिस को गोतौना गांव के निकट सड़क दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई मौके पर पहुंची पुलिस को एक 20 वर्षीय बाइक सवार घायल अवस्था में पड़ा हुआ मिला पता चला कि युवक अपने घर जा रहा था अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गया घायल युवक पुलिस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ लाया गया जहां पर डॉक्टर द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। इसी बीच सूचना पर पहुंचे परिजनों ने मृतक की पुष्टि रमन गौतम पुत्र टंडन निवासी पांचू का पूर्व मजरे तेजवापुर थाना लोनी कटरा के रूप में की।

मेंड़ बांधने के विवाद में पिता- पुत्र सहित तीन घायल

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी।कोतवाली हैदरगढ़ अंतर्गत हरिपालपुर गांव में मेंड़ बांधने को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष द्वारा लाठी व धारदार हथियार से किए गए हमले में पिता पुत्र सहित तीन लोग घायल हो गए।पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज करके जांच पड़ताल कर रही है।गांव निवासी उमाशंकर तिवारी पुत्र स्वर्गीय फतेह बहादुर ने पुलिस को बताया कि एक दिन पूर्व अपने पुत्र शिव तिवारी एवं हरि कीर्तन तिवारी पुत्र स्वर्गीय फतेह बहादुर के साथ खेत की मेल बांधने गया था की तभी वहां पहुंचे विपक्षी रोहित तिवारी शुभम तिवारी पुत्रगण रविशंकर जगप्रसाद पुत्र फतेहबहादुर व माला व गुडिया पुत्री रविशंकर मौके पर आ गए तथा सभी लोग मिलकर लाठियों से मारने लगे। हमले में जहाँ उमाशंकर तिवारी का सिर फट गया वहीं शिवा तिवारी के सिर कन्धे, पीठ पर काफी चोटे आयी है। जबकि जगप्रसाद ने हरिकीर्तन के हाथ पर कुल्हाडी मारी है तथा जान से मारने की धमकी दी है। उमाशंकर ने पुलिस को बताया कि उनका पुत्र जंहा भी जाता है रोहित व शुभम गोली मारने की धमकी देते है । यह भी आरोप लगाया कि विपक्षीगण चोरी का रिवाल्वर रखते है तथा जान से मारने की धमकियां देते है

टावर से हुई केबिल की चोरी

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। कोतवाली हैदरगढ़ अंतर्गत दतौली गांव में लगे इंडस टावर कंपनी के टावर से बीती रात चोर पावर केबल चुरा ले गए। कंपनी के टेक्नीशियन की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर छानबीन कर रही है।जनपद के थाना जहांगीराबाद के दतौली गांव निवासी और इंडस कंपनी के टेक्नीशियन जितेंद्र पुत्र सुरेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि कोतवाली क्षेत्र के दतौली गांव में उनकी कंपनी का टावर लगा है ।जिसकी इंडर आईडी संख्या 111 6058 है। बताया कि रात्रि 2:50 पर जब उन्हें साइट डाउन का अलार्म मिला तो लगभग 3: 30 बजे टावर पहुंचने पर पता चला कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा एयरटेल का पावर केबल 35 मी व वोडाफोन का लगभग 15 मीटर केबल चोरी चल गया है।

एडीजी ने किया प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं का निरीक्षण

स्वतंत्र भारत बाराबंकी। उत्तर प्रदेश पुलिस प्रशिक्षण अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती-2023 में चयनित रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया गया।उत्तर प्रदेश पुलिस प्रशिक्षण अपर पुलिस महानिदेशक, लखनऊ बी0डी0 पॉलसन द्वारा नागरिक पुलिस भर्ती-2023 में चयनित रिक्रूट आरक्षियों के चल रहे प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं का आज गहन अवलोकन व निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रिक्रूट आरक्षियों के लिए आर.टी.सी. क्लासरूम, प्री-फैब्रिकेटेड कम्प्यूटर लैब, बैरक, मेस व शारीरिक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी श्री विकास चन्द्र त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी श्री रितेश कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी लाइन श्री सौरभ श्रीवास्तव व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अवैध कच्ची शराब हुई बरामद

स्वतंत्र भारत, जैदपुर बाराबंकी। मुखबिर की सूचना पर जैदपुर पुलिस ने एक व्यक्ति को दस लीटर अवैध कच्ची शराब के गिरफ्तार किया गिरफ्तार व्यक्ति के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्यवाही भी की गयी।जानकारी के अनुसार गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर अजपुरा से बेरी जाने वाले मार्ग पर राम सहाय पुत्र इश्वर दीन निवासी बेरी। गांव थाना जैदपुर को दस लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ जैदपुर पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया। जिसके विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्यवाही की गयी।

सपा नेता की इलाज के दौरान हुई मौत

स्वतंत्र भारत, जैदपुर बाराबंकी। कस्बे के हर दिल अजीज समाजसेवी सपा नेता अस्मत अली बब्बू शेख का इलाज के दौरान लखनऊ के हॉस्पिटल में देहांत हो गया है। जिसकी जानकारी होते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। आखरी दर्शन के लिये आवास पर व्यापारी नेताओं सहित भारी संख्या में मौजूद रहे। बताते चलें कि जैदपुर कस्बे के सामाजिक और राजनीतिक सख्सियत के साथ एक बड़ व्यवसाय के रूप में अपनी एक अलग पहचान बनाये अजमत अली उर्फ बब्बू शेख का लखनऊ के अस्पताल में इलाज के दौरान देहांत हो गया। जिससे कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में शोक की लहर दौड गयी। जिन्हें पूर्व चेयरमैन रियाज़ अहमद समाजसेवी मो सालिम व तमाम नेता व्यापारियों की मौजूदगी में नम आंखों से बाद नमाजे जोहर कदीमी कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया।ज्ञात हो कि लोगों के साथ बड़े अदब और तहजीब के साथ पेश आना और अच्छा मशिवरा देना बब्बू भाई की खूबी में शामिल था। वर्ष 2000 में जैदपुर में रिलायंस मोबाइल बेचने की शुरुआत करने वाले बब्बू शेख कस्बा सहित आसपास के काफी जरूरतमंद लोगों की मदद करने में कभी पीछे नहीं हटते थे। जो अपने बाद अपनी पत्नी सहित तीन बेटियों को छोड़ दुनियां से अचानक चले गये जिसे लेकर परिवार के लोगों का रोल रो कर बुरा हाल हो गया है।

जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। कलेक्ट्रेट स्थित लोक सभागार में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अवधेश कुमार यादव, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. डी. के. श्रीवास्तव, डॉ. राजीव सिंह सहित सभी सीएचसी अधीक्षक, बीपीएम, बीसीपीएम, आयुष्मान अधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

चिकित्सकों के अनुशासन और अस्पतालों की पारदर्शिता पर विशेष बल

जिलाधिकारी ने सभी सीएचसी अधीक्षकों को निर्देशित किया कि अस्पतालों में कोई भी चिकित्सक बाहर से दवाएं न लिखे, अन्यथा उस पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्राइवेट व्यक्ति किसी भी स्थिति में अस्पताल कार्य में संलिप्त न पाए जाएं।सभी चिकित्सक और स्टाफ नेमप्लेट एवं निर्धारित वेशभूषा में अस्पताल परिसर में रहें, और मरीजों के पर्चों पर डॉक्टर का नाम, मुहर और तारीख अवश्य दर्ज की जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रत्येक चिकित्सक की ओपीडी हेतु पृथक रजिस्टर हो। इसके अलावा इमरजेंसी में आने वाले मरीजों के पर्चे विधिवत डॉक्टर की मुहर और हस्ताक्षर सहित बनाए जाएं।

गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण हो

जिलाधिकारी ने संस्थागत प्रसव की संख्या में वृद्धि पर बल देते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं का शतप्रतिशत पंजीकरण कराया जाए और उनके प्रसव सरकारी संस्थानों में सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए डिलीवरी प्वाइंट सक्रिय किए जाएं और जहां आवश्यक हो वहां नए डिलीवरी प्वाइंट भी बढ़ाए जाएं।

मातृ एवं शिशु मृत्यु की रिपोर्टिंग में पूर्णता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि मातृ और शिशु मृत्यु की रिपोर्टिंग अधूरी और असंतोषजनक है। उन्होंने शतप्रतिशत रिपोर्टिंग करने और मृत्यु के कारणों की गंभीरता से जांच करने के निर्देश दिए।

आभा आईडी और आयुष्मान कार्ड निर्माण की धीमी प्रगति पर नाराज़गी

जिलाधिकारी ने नए आयुष्मान कार्ड निर्माण की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। और कहा कि सभी 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाय।

छत्रपति शाहू जी महराज सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत थे : पीएल पुनिया

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। छत्रपति शाहू जी महराज सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत थे व कोल्हापुर रियासत के शासक थे। आपने भारतीय समाज में व्याप्त जातिवाद, छुआछूत और सामाजिक असमानता को खत्म करने के लिये जीवन भर संघर्ष किया आप भारत के पहले ऐसे शासक थे जिन्होने शासन के माध्यम से वंचित पिछड़ेऔर दलित वर्ग के लिये शिक्षा, रोजगार और सम्मान सुनिश्चित करने की व्यवस्था की, और 1902 में ओबीसी और दलित वर्ग के लिये आरक्षण लागू किया जो देश में सामाजिक प्रणाली का नींव बना। इसीलिये छत्रपति शाहू जी महराज को भारतीय आरक्षण प्रणाली के जनक के रूप में जाना जाता है। उक्त उद्‌गार पूर्व सांसद डा0पी0एल0पुनिया ने आज अपने ओबरी आवास पर भारतीय आरक्षण के जनक एवं सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत छत्रपति शाहू जी महराज की 151वीं जयन्ती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यापर्ण करने के पश्चात कांग्रेसजनों के बीच व्यक्त किया। जयन्ती समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन तथा नगर अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा फोटो वाला मुख्य रूप से मौजूद थे। पूर्व सांसद डा0पी0एल0 पुनिया ने छत्रपति शाहू जी महराज पर चर्चा करते हुये कहा कि, छत्रपति शाहू जी महराज एक शासक ही नही एक दूरदृष्टा और समाज सुधारक थे आज जो समाज में आरक्षण की चर्चा होती है उसकी बुनियाद उन्होनें 123 साल पहले रक्खी थी। आज उनके विचारों को कांग्रेस पार्टी अपना आर्दश मानती है और उनकी जयन्ती के अवसर पर हम कांग्रेस परिवार के साथ उन्हें नमन करते हैं।

खेत तालाब योजना का पंजीकरण कराएं

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी । डा0विनोद कुमार यादव भूमि संरक्षण अधिकारी, कुर्सी स्थित-बाराबंकी के द्वारा जनपद के कृषको को सूचित किया जाता है कि वि0ख0-देवा, फतेहपुर, सूरतगंज, रामनगर, मसौली, सिरौली गौसपुर पूरेडलई एवं दरियाबाद में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के घटक पर ड्राप मोर क्राप उपघटक अदर इन्टरवेन्शन अन्तर्गत वर्षा जल संचयन हेतु खेत तालाब योजना जनपद में कृषि विभाग द्वारा संचालित है। जिसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु इकाई को कुल 25 खेत तालाब का लक्ष्य प्राप्त हुआ है (सामान्य वर्ग कृषको के लिए 23 एवं अनुसूचित जाति कृषकों के लिए 2 लघु खेत-तालाब का लक्ष्य)। जिसके लिए लाभार्थी को खेत तालाब योजना का लाभ लेने के लिए उद्यान विभाग वेबसाइट पर पंजीकरण कराते हुए त्रिपक्षीय समझौता (टी0पी0ए0) के अन्तर्गत सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (स्प्रिंकलर / ड्रिप सिंचाई) स्थापित करवाना भी आवश्यक होगा एवं वे कृषक भी पात्र होगे जिन्होनें विगत 7 वर्षो के भीतर सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापित कराया हो तथा वर्तमान में चालू स्थिति में हो। इच्छुक कृषकों को अपने निजी खेत में लघु खेत तालाब खुदवाने हेतु इच्छुक कृषक से आवेदन आमंत्रित किया जाता है। एक लघु तालाब पर मृदा कार्य पर होने वाली व्यय धनराशि रू-82600/एवं पक्की संरचना इनलेट के निर्माण पर लागत रू0-22400/ जो कि खेत तालाब की कुल लागत धनराशि रू-105000/ होती है जिस धनराशि का 50 प्रतिशत अधिकतम रू-52500/मात्र का अनुदान अनुमन्य है। लाभार्थी का चयन पहले आओ और पहले पाओ के आधार पर किया जायेगा। तालाब के पंजीकरण हेतु कृषि विभाग की वेबसाइटपर पंजीकरण कराया जाना अनिवार्य है।

संचारी रोगों की रोकथाम के लिए जन जागरूकता आवश्यक : पाठक

स्वतंत्र भारत, रामनगर बाराबंकी। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान को लेकर चेयरमैन रामशरण पाठक की अध्यक्षता में नगर पंचायत कार्यालय पर सभासद और सफाई कर्मचारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें संचारी रोगों की रोकथाम के लिए विभिन्न उपाय बताए गए। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्री पाठक ने बैठक में मौजूद लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए वार्डो में सफाई व्यवस्था बनाए रखना बहुत जरूरी है जिसमें कस्बा वासियों का सहयोग अति आवश्यक है। इसलिए आप सभी लोग आसपास के लोगों को जागरूक करें। गुरुवार को नगर पंचायत सभागार में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी नीरज वर्मा और यूनिसेफ की बीएमसी लक्ष्मी सक्सेना ने बताया कि 1 से 31 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण तथा दस्तक अभियान चलाया जाएगा जिसमे संचारी रोगों के रोकथाम के लिए कस्बे में सफाई व्यवस्था बेहतर रखना होगा वार्डों में नालियों की सफाई व झाड़ियों की कटाई तथा फागिंग के साथ-साथ एंटी लारवा ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव होना अति आवश्यक है। आप सभी लोग आसपास के लोगों को जागरूक करें। बैठक में अध्यक्ष रामशरण पाठक ने सभासदों को लेटर पैड व कलम देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सभासद शुभम जायसवाल अवनीश मिश्रा राजेश शुक्ला रियाज अहमद मोहम्मद इसरार मोहम्मद उस्मान पूर्व सभासद दयाशंकर तिवारी वरिष्ठ लिपिक रामकरन शर्मा संजय शुक्ला बल्लू बाबा सहित भारी संख्या में सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रांतीय बैठक 29को सुल्तानपुर में

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। सुल्तानपुर जिला मुख्यालय पर अधिवक्ता परिषद की एक दिवसीय आउट रीच आयाम की प्रांतीय बैठक में बाराबंकी से पांच सदस्यीय टीम हिस्सा लेगी।उल्लेखनीय है कि अधिवक्ता परिषद ने आउटरीच आयाम गतिविधियों के तहत अधिवक्ता परिवार के साथ साथ पत्रकारों,रिटायर्ड प्रोफेसर,डाक्टरों,सेना के रिटायर्ड आफिसर,रिटायर्ड न्यायिक /प्रशासनिक अधिकारियों तक अपनी विचारधारा विस्तारित कर रहा है।इसी सम्बंध में अवध प्रान्त की आउटरीच आयाम की बैठक 29 जून को सुल्तानपुर जिला मुख्यालय पर सुल्तानपुर की अधिवक्ता परिषद जिला इकाई द्वारा प्रांतीय पदाधिकारियों के निर्देशन में आयोजित की गई है। इस प्रांतीय परिषद बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारीगण भी शिरकत करेंगे। अधिवक्ता परिषद जिला इकाई बाराबंकी के अध्यक्ष कौशल किशोर त्रिपाठी,उपाध्यक्ष राकेश शर्मा इस जनपद से पांच सदस्यीय टीम सुल्तानपुर की प्रांतीय बैठक में हिस्सा लेगी।

सब रजिस्ट्रार के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर डीएम से मिले अधिवक्ता

स्वतंत्र भारत, रामनगर बाराबंकी। रामनगर तहसील की सब रजिस्ट्रार के खिलाफ वकीलों का गुस्सा कम नहीं हो रहा है। गुरुवार को जिला बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रितेश मिश्रा के नेतृत्व में तहसील बार के अध्यक्ष अनिल दीक्षित महामंत्री सुरेश चंद्र मिश्रा के साथ कई अधिवक्ताओं ने डीएम शशांक त्रिपाठी से मुलाकात की। अधिवक्ताओं ने कहा कि सब रजिस्ट्रार कादंबरी त्रिपाठी का कार्यव्यवहार एवं आचरण पद व गरिमा के विरूद्ध है। उनके कार्यकाल के दौरान अधिवक्ताओं को कई आंदोलन को बाध्य होना पड़ा है। वकीलों ने डीएम को दिए गए ज्ञापन में सब रजिस्ट्रार पर न सिर्फ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए बल्कि आय से अधिक संपत्ति की जांच कराने की भी मांग की। तहसीलबार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने डीएम को ज्ञापन देकर बताया कि रजिस्ट्री कार्यालय दलालों का अड्डा बन गया है। हालात ऐसे हैं कि रजिस्ट्री से पहले ही लेन देन का सौदा तय किया जाता है। जहां अधिवक्ता के माध्यम से रजिस्ट्री व वसीयत के लिए कार्यालय में दस्तावेज पेश करने पर रजिस्ट्री व वसीयत के लिए इनकार कर दिया जाता है। वहीं दलालों के माध्यम से उन्हीं दस्तावेजों पर रजिस्ट्री कर दी जाती है। यही नहीं रजिस्ट्रार द्वारा अधिवक्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। अधिवक्ताओं की ओर से लेनदेन का विरोध करने पर सब रजिस्टार द्वारा कहां जाता है कि विभागीय उच्च अधिकारियों को धनराशि भेजनी पड़ती है। सितंबर 2024 की कार्यकारणी ने भी सब रजिस्ट्रार के कार्य व्यवहार पर सवाल उठाए थे।

शिविर में डालसा सचिव ने बताएं नशे के दुष्परिणाम

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी । उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार आज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी के तत्वावधान में नशीली दवाओं के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अन्तर्राष्ट्रीय दिवस पर ए0डी0आर0 भवन जनपद न्यायालय परिसर बाराबंकी में जागरूकता शिविर श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी द्वारा शिविर में बताया गया कि 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। दुनिया के देशों में नशा करने वालों की मृत्यु दर भी बढ़ती जा रही है। तमाम दावों के बीच भी नशा रूक नही रहा है। प्रतिवर्ष लाखों लोग दुनिया में नशें के कारण अकाल मौत मर रहे है। नशा एक गृहस्थ घर को बर्बाद कर देता है।

नशा से दूर रहने की खिलाई कसम

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी । नशा मुक्ति दिवस के मौके पर आज जैदपुर थाने में पुलिस कर्मियों ने सहित अन्य लोगों ने नशा से दूर रहने की कसम खाई। साथ ही औरों को भी नशा से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का काम करेंगे। इस दौरान विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले नुकसान आदि के बारे में भी विस्तार से चर्चा की गई। बताते चलें कि जैदपुर थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस कर्मियों सहित अन्य लोगों को शपथ दिलाते हुए थाना प्रभारी ने नशा से होने वाले नुकसान आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कोतवाल ने पुलिस कर्मचारियों को नशा न करने की शपथ दिलाते हुए कहा कि सभी लोग जीवन काल में शराब आदि किसी भी प्रकार के नशा का सेवन न करें, न ही इस तरह की गतिविधियों में उनकी कोई भूमिका होनी चाहिए। पुलिस कर्मी इससे तो दूर ही रहें, बल्कि आम नागरिकों को भी इस तरह के नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। नशे से होने वाले नुकसान के बारे में सभी को विस्तार से जानकारी देनी होगी, नशा निषेध दिवस के अवसर पर थाना जैदपुर थाना परिसर में पुलिस कर्मियों ने नशा न करने की शपथ ली इसके साथ ही लोगों को भी जागरूक किया।

लीड्स की हार का सकारात्मक पहलू बल्लेबाजी में बदलाव पटरी पर

नई दिल्ली। महज एक मैच से ही कोई फैसला नहीं लिया जा सकता लेकिन भारत ने निश्चित रूप से इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में संन्यास ले चुके सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा की कमी महसूस नहीं की और शीर्ष चार खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत बनाए रखा। रोहित और कोहली की कमी को पूरा करने में कितना समय लगेगा? यह सवाल हेडिंग्ले में शुरूआती टेस्ट से पहले चर्चाओं का विषय रहा। नए कप्तान शुभमन गिल के सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में रिकॉर्ड पर सवाल उठाए गए थे लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान करके ड्रेसिंग रूम का सम्मान हासिल किया।

उन्होंने नंबर चार पर खेलते हुए शानदार शतक बनाया और मेहमान टीम ने दो पारियों में पांच शतक बनाए लेकिन फिर भी मैच हार गए क्योंकि भारत का गेंदबाजी आक्रमण पूरी तरह से जसप्रीत बुमराह पर निर्भर है। केएल राहुल ने शीर्ष क्रम में शानदार प्रदर्शन किया जिससे निकट भविष्य के लिए उनके बल्लेबाजी स्थान पर बहस बंद हो गई। उन्होंने दिखाया कि इंग्लैंड की परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने का तरीका क्या है। उनके सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे की शुरुआत में यादगार शतक लगाया था और इंग्लैंड में अपनी पहली पारी में यही दोहराया। गिल ने जिस तरह से अपने पैरों का इस्तेमाल किया, उसे खेल के महान खिलाड़ियों ने भी देखा जिसमें पूर्व कप्तान सौरव गांगुली भी शामिल थे जो उनके सुधार से हैरान थे। गांगुली ने हाल में एक समाचार एजेंसी को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''मैं विदेशी सरजमीं पर उनके पैरों के 'मूवमेंट' को देखकर बहुत खुश हूं। उनके पैरों में बहुत सुधार हुआ है। शुभमन ने पैरों का अच्छा इस्तेमाल किया और कोई गलती नहीं की।'' पांचवें नंबर पर ऋषभ पंत ने परिपक्वता और तेज तर्रार बल्लेबाजी करते हुए एक टेस्ट में दो शतक बनाने की दुर्लभ उपलब्धि हासिल की।

तीसरे नंबर पर उतरे साई सुदर्शन पहली पारी में एक सहज गेंद पर आउट हो गए लेकिन दूसरी पारी में टिककर खेले। उम्मीद है कि उन्हें लंबे समय तक मौका दिया जाएगा और यही बात करुण नायर पर भी लागू होती है। लेकिन भारत को गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण विभाग में बहुत सुधार करना होगा, लेकिन बल्लेबाजी अभी ठीक लगती है। पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने कहा, ''रोहित और कोहली के संन्यास के बाद बदलाव हुआ है या नहीं, हम श्रृंखला के अंत में बता पाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन कोई हैरानी की बात नहीं है क्योंकि वे अनुभवी क्रिकेटर हैं। गिल, यशस्वी, पंत, राहुल सभी बेहतरीन हैं और लंबे समय से खेल रहे हैं। राहुल जब टेस्ट क्रिकेट में इस तरह से खेलते हैं तो अपना सर्वश्रेष्ठ करते हैं।'' कुलदीप यादव को शामिल करने की चर्चाओं के बावजूद प्रसाद एजबेस्टन में अंतिम एकादश में कोई बदलाव नहीं करना चाहते।

पूर्व भारतीय विकेटकीपर ने कहा, ''शार्दुल ठाकुर को इसलिए चुना गया क्योंकि उन्होंने पिछले दौरों पर इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन किया था। मैं उन्हें एक और मौका देना चाहूंगा।'' पर निचले क्रम को बल्ले से और अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। इंग्लैंड में कुछ यादगार पारियां खेलने वाले भारत के पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर भी बल्लेबाजों से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, ''ज्यादातर बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया जो भविष्य के लिए अच्छा संकेत है। इसके अलावा आपके पास तीन बेहतरीन बल्लेबाज श्रेयस अय्यर, सरफराज खान और देवदत्त पडीक्कल हैं जो टीम का हिस्सा भी नहीं हैं।'' वेंगसरकर ने कहा, ''मुख्य बल्लेबाज फॉर्म में हैं और मुझे यकीन है कि करुण और साई भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

पंत की धोनी से नहीं कोहली से होनी चाहिए तुलना : अश्विन

नई दिल्ली। ऋषभ पंत की एमएस धोनी से नहीं कोहली जैसे खिलाड़ियों से होनी चाहिए तुलना, अश्विन ने क्यों कहा ऐसा भारत के सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने लीड्स में पांच मैच की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम की पांच विकेट से हार का डिटेल में विश्लेषण करते हुए कहा कि भारत को अधिक समय बल्लेबाजी करने पर ध्यान देना चाहिए और ऋषभ पंत को मौजूदा टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के 'औसत' आक्रमण के खिलाफ अपने शतकों को दोहरे शतकों में बदलना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऋषभ पंत की तुलना एमएस धोनी से नहीं करनी चाहिए, बल्कि विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों से उनको कंपेयर करना सही रहेगा।

भारत ने दोनों पारियों में पांच शतक जड़े लेकिन इंग्लैंड ने 371 रन के अपने दूसरे सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करके सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा, ''एक चीज जिस पर भारतीय टीम की बल्लेबाजी ध्यान दे सकती है, वह यह है कि क्या आप हर पारी में बल्लेबाजी का समय बढ़ा सकते हैं- रनों के हिसाब से नहीं। इंग्लैंड के क्षेत्ररक्षण के समय को बढ़ाएं और उन्हें मैदान पर रखने के समय को भी बढ़ाएं।''

पंत के मैच में दो शतक की प्रशंसा करते हुए अश्विन ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी से उनकी तुलना करना उचित नहीं है क्योंकि धोनी ने कभी भी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी नहीं की। उन्होंने कहा, ''ऋषभ पंत की तुलना विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों से की जानी चाहिए...वह एक मुख्य बल्लेबाज है क्योंकि उनके पास बहुत समय है।''

अश्विन ने पंत की गेंद को चुनकर मारने की क्षमता की तुलना पाकिस्तान के महान बल्लेबाज इंजमाम-उल-हक से की। उन्होंने कहा, ''कुछ विशेष बल्लेबाजों में गेंद को जल्दी से जल्दी चुनने की क्षमता होती है। वे लाइन को जल्दी से पहचान लेते हैं, लेंथ को जल्दी से पहचान लेते हैं और वे शानदार पोजीशन में आ जाते हैं। ऋषभ पंत उन दुर्लभ खिलाड़ियों में से एक हैं जिनके पास यह विशेष कौशल है।''

उन्होंने कहा, ''मैं एक बात कहूंगा -- घबराएं नहीं और बहुत अधिक बदलाव नहीं करें। भारत अगले टेस्ट में सीरीज बराबर कर सकता है। लेकिन अगर हम इंग्लैंड की रणनीति को नहीं समझते हैं तो यह सीरीज बहुत जल्दी हमारे से दूर जा सकती है।'' अश्विन ने कहा कि चौथे दिन जल्दी आउट होने के बाद मैच भारत के हाथ से फिसल गया।

उन्होंने कहा, ''जब आपने पांचवें दिन तक बल्लेबाजी जारी नहीं रखी तो खेल खत्म हो गया। इंग्लैंड की इस टीम ने खुलकर यह प्रचार किया है कि वे लक्ष्य चाहे जो भी हो, उसे हासिल करने के लिए जाएंगे। इसलिए एक बल्लेबाजी क्रम के तौर पर हमें यह ध्यान में रखना होगा कि हमें उन्हें कम समय देना है लेकिन बड़ा लक्ष्य देना है।''

पंत के मैच में दो शतक को एक दुर्लभ उपलब्धि बताते हुए अश्विन ने सुझाव दिया कि इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को अपने प्रयासों को और आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''बल्लेबाज के तौर पर ऋषभ ने शानदार खेल दिखाया है। लेकिन मैं दोहराना चाहूंगा कि ऋषभ का डिफेंस बहुत बढ़िया है। किताब में ऐसा कोई शॉट नहीं है जिसे वह नहीं खेल सकता... क्या मैं आपसे अनुरोध कर सकता हूं कि अगली बार जब आप 130 पर बल्लेबाजी कर रहे हों तो दोहरा शतक बनाएं।''

उन्होंने पंत से यह भी अनुरोध किया कि वे टेस्ट मैच में फ्रंट फ्लिप करने से भी बचें। अश्विन ने कहा, ''मेरा केवल एक अनुरोध है, कृपया फ्रंट फ्लिप नहीं करें। टेस्ट मैच में आपका शरीर थक जाता है, यह आईपीएल की तरह नहीं है जहां आपको 50-60 से अधिक गेंद खेलने को नहीं मिलती। वह भारतीय क्रम में शीर्ष बल्लेबाज हैं इसलिए उन्हें कुछ साबित नहीं करना।''

अश्विन ने दो जुलाई से बर्मिंघम में शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में कुलदीप यादव को एकादश में शामिल करने की वकालत की।

दूसरे मैच से बाहर हो सकते हैं जसप्रीत बुमराह अर्शदीप-कुलदीप की चमक सकती है किस्मत

नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे टेस्ट मैच में आराम दिया जा सकता है। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच एजबेस्टन में दो जुलाई से खेला जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह को आराम देना पूर्व नियोजित कार्यभार प्रबंधन रणनीति का हिस्सा है। रेड बॉल क्रिकेट में जसप्रीत बुमराह ने हाल ही में बैक इंजरी से वापसी की है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले गए मैच में पहली पारी में 24.4 ओवर गेंदबाजी की और पांच विकेट हॉल लिए। बुमराह के ना खेलने पर अर्शदीप सिंह या कुलदीप यादव की टीम में एंट्री हो सकती है। लीड्स में खेले गए टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य गेंदबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर में निरंतरता और क्षमता का अभाव था। बुमराह के ओवर के दौरान कुल चार कैच ड्रॉप हुए थे। पहला मैच गंवाने के बाद भी भारतीय टीम बुमराह की फिटनेस को लेकर रिस्क नहीं लेना चाहती। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह दूसरा मैच से बाहर हो सकते हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सीरीज से पहले बताया था कि बुमराह सभी पांच मैच नहीं खेलेंगे और उन्हें रोटेट किया जाएगा। बुमराह एकमात्र भारतीय गेंदबाज थे जिन्होंने हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाजों के सामने लगातार चुनौती पेश की। बुमराह अपने करियर के दौरान चोटों से जूझते रहे हैं और यही वजह है कि उनके कार्यभार प्रबंधन के तहत टीम प्रबंधन ने उन्हें पांच में से तीन टेस्ट मैचों में खिलाने का फैसला किया था।

भारत के खिलाफ जो रूट हासिल करेंगे बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली। इंग्लैंड की टीम ने पहले टेस्ट मैच में भारत को 5 विकेट से मात दी। पांच दिनों तक चले इस मुकाबले में भारत की यंग टीम ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी। हालांकि कुछ गलतियों के कारण भारत ने मैच गंवा दिया। आखिरी सेशन तक गए मैच में भारत की ओर से पांच शतक लगे, जबकि इंग्लैंड ने दो लगाए। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट मैच की पहली पारी में ज्यादा कमाल नहीं दिखा सके थे और सिर्फ 28 रन बनाकर बुमराह का शिकार बने थे। हालांकि दूसरी पारी में उन्होंने एक छोर संभाले रखा और अर्धशतक लगाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दूसरे मैच में जो रूट के पास एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका है। जो रूट के पास एजबेस्टन में होने वाले टेस्ट मैच में भारत के खिलाफ तीन हजार रन पूरा करने का मौका है। रूट ने भारत के खिलाफ 2927 रन बनाए हैं, उन्हें तीन रन के आंकड़े तक पहुंचने के लिए 73 रनों की जरूरत है। वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। रूट खेल के सबसे लंबे प्रारूप में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके बाद दिग्गज रिकी पोंटिंग हैं, जिन्होंने भारत के खिलाफ 2555 रन बनाए हैं। जो रूट विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 6000 रन पूरा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे।

इंग्लैंड ने दूसरे मैच के लिए किया टीम का ऐलान, 4 साल बाद खतरनाक बॉलर जोफ्रा आर्चर की हुई वापसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की इंग्लैंड की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्हें भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के लिए टीम में जगह दी गई है। जोफ्रा आर्चर की इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम में चार साल बाद वापसी हुई है। इंग्लैंड और भारत के बीच दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होगा। आर्चर ने इस सप्ताह की शुरुआत में चार साल से अधिक समय के बाद लाल बॉल से अपना पहला मैच खेला। वह चेस्टर-ले-स्ट्रीट में डरहम के खिलाफ चार दिवसीय मैच में ससेक्स के लिए उतरे और अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की झलक दिखाई। आर्चर ने 31 रन बनाए और 18 ओवरों में 32 रन देकर एक विकेट हासिल किया था। भारत के खिलाफ एंडरसन तेंदुलकर सीरीज के पहले टेस्ट में आर्चर और मार्क वुड के बिना इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर दिखाई दिया। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिये खेलने वाले आर्चर चोटों के कारण चार साल से प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेले हैं। आर्चर ने 2021 से इंग्लैंड के लिए सिर्फ सफेद गेंद के प्रारूप में खेला है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि आर्चर लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं।

इंग्लैंड पुरुष टेस्ट टीम : बेन स्टोक्स, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्से, सैम कुक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स, जोफ्रा आर्चर

सेंसेक्स ने लगाई 1000 अंकों की छलांग, निफ्टी 25500 के पार

नई दिल्ली। भू-राजनीतिक तनाव कम होने से बढ़ते आशावाद के बीच भारतीय बाजारों में मजबूती दिखी। गुरुवार को बाजार में भारी वजन रखने वाले एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीदारी से प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 40 पैसे बढ़कर 85.68 (अनंतिम) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,000.36 अंक या 1.21 प्रतिशत चढ़कर 83,755.87 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,056.58 अंक या 1.27 प्रतिशत बढ़कर 83,812.09 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 304.25 अंक या 1.21 प्रतिशत बढ़कर 25,549.0 अंक पर बंद हुआ।

फोनपे एचडीएफसी बैंक को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड: फोनपे ने एचडीएफसी बैंक के साथ मिलकर फोनपे एचडीएफसी बैंक को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह को-ब्रांडेड कार्ड सेगमेंट में फोनपे का पहला कदम है। एचडीएफसी बैंक के साथ मिलकर रूपये क्रेडिट कार्ड्स की यह नई सीरीज भारतीय ग्राहकों की बदलती वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है, खासकर फोनपे प्लेटफ़ॉर्म पर यूपीआई से की जाने वाली खर्चों पर शानदार फ़ायदे देती है।एचडीएफसी बैंक और फोनपे की यह रणनीतिक पार्टनरशिप, दोनों की बैंकिंग और फिनटेक ताक़त का बेहतरीन उपयोग कर, क्रेडिट कार्ड्स को ज़्यादा आसान और यूज़र-फ़्रेंडली बनाती है। एलटिमो और यूएनओ वेरिएंट में उपलब्ध ये कार्ड रिचार्ज, बिल पेमेंट, ट्रैवेल, ऑनलाइन शॉपिंग, किराने का सामान और कैब जैसे लोकप्रिय खर्चों के कैटेगरी पर रिवॉर्ड्स देते हैं।चीफ़ बिज़नेस ऑफिसर, कंज्यूमर पेमेंट्स, सोनिका चंद्रा जी का कहना है, कि हम एचडीएफसी बैंक के साथ अपने पहले को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च को लेकर उत्साहित हैं।

व्यापार विस्तार: धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने अपनी लोकप्रिय ब्रांड पल्स को लेकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की है। वित्त वर्ष 2024-25 में पल्स कैंडी ने उपभोक्ता मूल्य पर ?750 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की है, यानी एक साल में 750 करोड़ पल्स कैंडीज़ बिकीं - जिससे यह भारत की सबसे ज़्यादा वितरित हार्ड बॉयल्ड कैंडी बन गई है। यह उपलब्धि पिछले 9 वर्षों से पल्स की मज़बूत मार्केट लीडरशिप और उपभोक्ताओं के बीच इसकी स्थायी लोकप्रियता को दर्शाती है।पिछले तीन वित्तीय वर्षों में पल्स ने 15प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है, जोकि पूरे हार्ड बॉयल्ड कैंडी उद्योग में 9प्रतिशत की तुलना में कहीं अधिक है। इस निरंतर वृद्धि ने ब्रांड की शहरी और ग्रामीण दोनों बाज़ारों में मज़बूत पकड़ को सिद्ध किया है, खासकर ऐसे समय में जब समग्र बाज़ार की स्थितियाँ उतनी अनुकूल नहीं रहीं। डीएस ग्रुप के उपाध्यक्ष श्री राजीव कुमार ने कहा,पल्स को हम एक अग्रणी भारतीय पारंपरिक मिठाई ब्रांड के रूप में विकसित कर, इसे बहु-फॉर्मेट और बहु-उपयोग अवसरों वाला उत्पाद बनाना चाहते हैं।

वित्तीय समावेशन: एसएंडपी ग्लोबल इंडिया को ग्रेट प्लेस टु वर्क इंस्टीट्यूट द्वारा काम करने के लिए भारत की सर्वोत्तम कंपनियों (शीर्ष 100) में 32वें पायदान पर रखा गया है। यह पांचवां वर्ष है जब एसएंडपी ग्लोबल इंडिया को इस सूची में स्थान मिला है और लगातार तीसरा वर्ष है जब इसे देशभर में शीर्ष 50 कार्यस्थलों में शुमार किया गया है। एसएंडपी ग्लोबल की प्रबंध निदेशक (भारतीय परिचालन) नीलम पटेल ने कहा, लगातार तीसरे वर्ष शीर्ष 50 कंपनियों में स्थान मिलना हमारे लोगों और उस संस्कृति को एक प्रमाण है जिसका निर्माण हम सभी ने मिलकर किया है।

कीमती धातुएं रहीं स्थिर; सोना 98600 और चांदी 103100 रुपये पर कायम

नई दिल्ली। गुरुवार को राजधानी दिल्ली में सोने और चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया। सोने का भाव 98,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहा। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु भी 98,050 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रही।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर: टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बेंगलुरु स्थित ओहमियम इंटरनेशनल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर दस्तखत किये। इसके जरिये कंपनी ने कार्बन तटस्थता और स्वच्छ ऊर्जा नवाचार के प्रति अपनी कटिबद्धता को मजबूत किया है जो भारत में ग्रीन हाइड्रोजन -आधारित एकीकृत ऊर्जा समाधानों के सह-विकास के लिए है। इस सहयोग का उद्देश्य दोनों पक्षों की पूरक क्षमताओं का लाभ उठाना है - एक पीईएम हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी कंपनी, ओहमियम ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए मॉड्यूलर, किफायती और स्केलेबल (जरूरत के अनुसार बड़ा या छोटा किये जाने योग्य) पीईएम इलेक्ट्रोलाइज़र में विशेषज्ञता रखती है और ईंधन-सेल प्रौद्योगिकी में अग्रणी, टोयोटा विभिन्न हाइड्रोजन अनुप्रयोगों में स्थिरता के लिये प्रयास करती है।

नवीन व्यापार विस्तार: असेट मैनजमेंट कंपनी (एएमसी) में से एक, एडलवाइस एएमसी के स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स (एसआईएफ) व्यवसाय की एक अलग ब्रांड पहचान होगी। इसे अल्टिवा एसआईएफ के नाम से पेश किया जा रहा है। अल्टिवा एसआईएफ इक्विटी, हाइब्रिड और फिक्स्ड-इनकम श्रेणियों में निवेशकों की जरूरत को पूरा करने के लिए अलग-अलग समाधान पेश करेगा। एडलवाइस एमएफ की एमडी और सीईओ राधिका गुप्ता अपनी कंपनी के अन्य प्रवक्ताओं के साथ आज उत्तर प्रदेश राज्य के म्यूचुअल फंड वितरकों को एडलवाइस म्यूचुअल फंड द्वारा आयोजित लेट्स कनेक्ट सत्र मैं संबोधित करने से पहले लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए। एडलवाइस म्यूचुअल फंड की एमडी और सीईओ, राधिका गुप्ता ने अधिक जानकारी देते हुए बताया, एडलवाइस एएमसी ने 'अल्टिवा एसआईएफ' लॉन्च करके तेजी से बढ़ते स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स (एसआईएफ) क्षेत्र में प्रारंभिक रणनीतिक उपस्थिति दर्ज कराई है। राधिका ने 'अल्टिवा' का अर्थ समझाया; यह एल्टीट्यूड से प्रेरित है। यह ऊपर उठने के संकल्प, चलन से परे जाकर देखने की दृष्टि और मजबूत इरादे आगे बढ़ने के अनुशासन का प्रतीक है।

विदेशी बाजारों में दाम मजबूत होने से अधिकांश खाद्य तेल की कीमतों में सुधार

नई दिल्ली। खाद्यतेलों, खासकर सोयाबीन और सूरजमुखी तेल जैसे सॉफ्ट (नरम) खाद्यतेलों के कम आयात और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव की वजह से आपूर्ति प्रभावित होने से देश के तेल-तिलहन बाजारों में सोयाबीन तेल के साथ बिनौला तेल कीमतों में सुधार देखने को मिला। सरसों कच्ची घानी- 1,710 -1,810 रुपये प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी - 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 10,075 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 9,825 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 8,325 रुपये प्रति क्विंटल। सीपीओ एक्स-कांडला- 7,900 रुपये प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 8,525रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 9,100 रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स- कांडला- 8,350 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना - 5,005-5,035 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज- 4,815-4,855 रुपये प्रति क्विंटल। मक्का खल (सरिस्का)- 4,050 रुपये प्रति क्विंटल।

द डिप्लोमेट: द डिप्लोमेट, का प्रीमियर होगा 29 जून, दोपहर 1 बजे, सिर्फ सोनी मैक्स पर। यह हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर एक सच्ची घटना पर आधारित है और इसमें जॉन अब्राहम ने एक भारतीय राजनयिक जे. पी. सिंह की भूमिका निभाई है, जो पाकिस्तान में तैनात हैं। यह फिल्म उज़्मा अहमद के मामले पर आधारित है एक भारतीय महिला जो दावा करती है कि उसे जबरन शादी में फंसाया गया और बाद में वह महिला भारतीय दूतावास में शरण लेती है। अभिनेता जॉन अब्राहम ने अपने किरदार के बारे में बताया कि, एक राजनयिक की भूमिका निभाना एक अद्भुत अनुभव था। फिल्म में जे. पी. सिंह के संघर्ष को दिखाया गया है।

श्रंखला विस्तार: अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर फ्लिपकार्ट ने फ्लिपकार्ट समर्थ प्रोग्राम से जुड़े उद्यमियों की प्रेरक यात्रा की कहानी साझा की है। 2019 में लॉन्च की गई फ्लिपकार्ट समर्थ पहल ने डिजिटल टूल्स, बाजार तक पहुंच और ई-कॉमर्स इकोसिस्टम को सुगम बनाते हुए 18 लाख से ज्यादा आजीविकाओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। मोहम्मद राजिक, ऑनलाइन क्राफ्ट, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश सहारनपुर के नजदीक एक शांत से गांव से साधारण शुरुआत करने वाला ऑनलाइन क्राफ्ट आज एक सफल व्यवसाय में बदल गया है, जिसकी जड़ें परिवार, परंपरा और महत्वाकांक्षाओं से जुड़ी हैं। नलिनी अनुमाकोंडा, ट्रूलियो, हैदराबाद, तेलंगाना हैदराबाद के केंद्र में नलिनी अनुमाकोंडा ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में अपने काम को पीछे छोड़ते हुए 2022 में ट्रूलियो की स्थापना के साथ बड़ा कदम उठाया था।

बरकरार रही भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार निवेश और उत्पादन में हुई मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली। रिपोर्ट में कहा गया कि ई-वे बिल, जीएसटी राजस्व, टोल संग्रह और डिजिटल भुगतान जैसे प्रमुख संकेतकों में मजबूती दिखी। यह स्थिर आर्थिक गति को दर्शाती है। आंकड़ों के अनुसार मई में लगातार दूसरे महीने जीएसटी राजस्व 2 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। इसमें मजबूत आयात-संबंधित जीएसटी संग्रह ने मदद की।

नवीनतम पेशकश: हाई ब्लड प्रेशर से बचाव के लिए कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखना बेहद ज़रूरी है। ऋतिका समद्दार, रीजनल हेड, डाइटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली ने कहां इसके लिए संतुलित खानपान अहम भूमिका निभाता है। रोज़मर्रा की डाइट में बादाम, ओट्स, साबुत अनाज, फल और सब्ज़ियां शामिल कर कोलेस्ट्रॉल को काबू में रखा जा सकता है। इसके साथ ही नियमित व्यायाम भी ज़रूरी है। इस लेख में जानिए चार ऐसे खास फूड्स, जिन्हें डाइट में शामिल कर आप कोलेस्ट्रॉल को स्वस्थ स्तर पर बनाए रख सकते हैं। बादाम ,साबुत अनाज और ओट्स, फल और लहसुन।

नवीन पहल: पोको अपनी मशहूर एफ-सीरीज में नया स्मार्टफोन पोको एफ 7 लेकर आया है। टेक प्रेमियों और हमेशा दौड़-भाग में लगे यूज़र्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह फोन दमदार परफॉर्मेंस, आकर्षक डिज़ाइन और शक्तिशाली बैटरी को एक पतली, स्टाइलिश बॉडी में पेश करता है। पोको एफ7 में 7550एमएएच की भारत की सबसे बड़ी बैटरी दी गई है, जिसमें सिलिकॉन कार्बन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो ऊर्जा की क्षमता और दीर्घकालिक परफॉर्मेंस को बेहतर बनाती है। यह बैटरी 90डब्ल्यू टर्बो चार्जिंग और 22.5डब्ल्यू रिवर्स चार्जिंग को सपोर्ट करती है, जिससे यूज़र्स पूरे दिन और उससे भी अधिक समय तक स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह सब महज 7.99 पतली बॉडी में समाया है, जिससे यह भारत का सबसे पतला फोन बन गया है, जिसमें इतनी बड़ी बैटरी दी गई हो। कीमत 29,999 रुपये रखी गई है। कंट्री हेड हिमांशु टंडन ने कहा, पोको एफ7 के साथ हमने यूज़र्स की असली ज़रूरत को प्राथमिकता दी है,बिना किसी समझौते के जबरदस्त ताकत।

रुपया शुरुआती कारोबार में 13 पैसे की बढ़त के साथ 85.92 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली। इजराइल और ईरान के बीच तनाव समाप्त होने की उम्मीद तथा घरेलू शेयर बाजारों की मजबूत शुरुआत के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 13 पैसे की बढ़त के साथ 85.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा के लाभ को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.00 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 85.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया करीब पांच साल में सबसे अधिक एकल दिवसीय बढ़त दर्ज करते हुए 73 पैसे चढ़कर 86.05 पर बंद हुआ था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 1.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.01 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 97.91 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 426.79 अंक चढ़कर 82,481.90 अंक पर पहुंच गया जबकि निफ्टी 123.25 अंक की बढ़त के साथ 25,167.60 अंक पर रहा।

व्यापार श्रंखला: फ्लिपकार्ट लगातार विक्रेताओं एवं ग्राहकों के लिए विकास आधारित प्लेटफॉर्म को बढ़ावा दे रहा है। आसान ऑनबोर्डिंग सपोर्ट, बेहतर प्रोडक्ट डिस्कवरी और आसान प्राइसिंग प्रोसेस तक, सभी पहल को विशेष रूप से पहली बार ऑनबोर्ड हो रहे सेलर्स के लिए ऑनलाइन बिजनेस को ज्यादा सुगम, पारदर्शी एवं रिवार्डिंग बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। नए सेलर सक्सेस प्रोग्राम के माध्यम से कुछ आसान टूल्स उपलब्ध कराए जाते हैं, जिनसे शुरुआती स्तर पर सेलर्स की सफलता सुनिश्चित होती है। इससे ई-कॉमर्स की पहुंच को विस्तार देने और देशभर में सभी सेलर्स के लिए विकास के समान अवसर सृजित करने के फ्लिपकार्ट के विजन को मजबूती मिली है। साल दर साल नए सेलर्स की सफलता देशभर में कारोबारियों एवं ग्राहकों के लिए प्लेटफॉर्म की ओर से किए गए इन प्रयासों के प्रभाव को रेखांकित करती है। फ्लिपकार्ट के सीनियर डायरेक्टर मार्केटप्लेस कपिल थिरानी ने कहा, 'फ्लिपकार्ट में हम एक ऐसा मार्केटप्लेस बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां हर आकार व अनुभव वाले सेलर को आत्मविश्वास के साथ विकास करने में मदद मिले।

आपातकाल पीड़ितों को समान पेंशन और सम्मान की उठी मांग

जेपी सेनानी सम्मेलन में हुआ देश भर से आए लोकतंत्र सेनानियों और सामाजिक प्रतिनिधियों का जुटान

नई दिल्ली, ब्यूरो। लोकतंत्र के रास्ते में आपातकाल का बेरिकेट लगाने के तानाशाही फैसले को 50 साल पूरा होने के मौके पर देश के तमाम हिस्सों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर ना सिर्फ उस दौर की यादें ताजा की जा रही हैं बल्कि मौजूदा पीढ़ी को यह एहसास भी कराया जा रहा है कि सत्ता की शक्ति का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की राह में रूकावट पैदा करने के बारे में सोचना भी नाकाबिले माफी है। इन्हीं आयोजनों की श्रृंखला में संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच और लोकनायक जयप्रकाश अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विकास केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी दिल्ली स्थित कंस्टीट्यूशन क्लब में जेपी सेनानी सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें देशभर से लोकतंत्र सेनानी जुटे और आपातकाल की विभीषिका को याद करते हुए वर्तमान संदर्भों में लोकतंत्र की चुनौतियों पर विस्तार से विचार विमर्श किया। इस मौके पर

औपचारिक तौर पर तीन सूत्रीय प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार सरकार से मांग की गई है कि सभी राज्यों में आपातकाल पीड़ित लोकतंत्र सेनानियों को समान पेंशन योजना के अंतर्गत लाया जाए और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के योगदान को स्थायी रूप से संरक्षित करने के लिए उनके नाम पर एक अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय की स्थापना की जाए ताकि भावी पीढ़ियां उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरणा लेकर लोकतंत्र को मजबूत में अपना योगदान देने के लिए तत्पर हो। इसके अलावा सरकार से यह मांग भी की गई है कि 25 जून को 'लोकतंत्र रक्षा दिवस' के रूप में आधिकारिक मान्यता दी जाए।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया, गांधी स्मृति के उपाध्यक्ष विजय गोयल, पूर्व सांसद सूरज मंडल, भारत रक्षा मंच के संयोजक सूर्याकांत केलकर, भाजपा के आंध्र प्रदेश प्रभारी सुनील देवधर, अंशुमान जोशी, सुधांशु रंजन और उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य सुधाकर सिंह के अलावा विभिन्न राज्यों से आए लोकतंत्र सेनानी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इस मौके पर अपने संबोधन में सत्यनारायण जटिया ने जयप्रकाश नारायण, नानाजी देशमुख और अन्य लोकतंत्र सेनानियों को 'लोकतंत्र के अमर दीप' बताते हुए कहा कि आपातकाल के दौर में प्रतिरोध का सूर्य अस्थायी रूप से ढका गया था लेकिन जनबल के बलिदान ने उसे और प्रखर बना दिया। जेपी का 'सिंहासन खाली करो, जनता आती है' का उद्घोष सिर्फ एक नारा नहीं, तानाशाही के विरुद्ध जनशक्ति का ऐतिहासिक आह्वान था। विजय गोयल ने कहा कि आज जब हम संविधान दिवस मनाते हैं तब हमें संकल्प लेना चाहिए कि कभी भी किसी तानाशाही प्रवृत्ति को लोकतंत्र पर हावी नहीं होने देंगे।

राजर्षिछत्रपति साहूजी महाराज की जयंती पर सपा कार्यालय में कार्यक्रम

मिर्जापुर। समाजवादी पार्टी ने लोहिया ट्रस्ट स्थित पार्टी कार्यालय पर राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज की जयंती मनाई। गुरूवार को आयोजित संगोष्ठी में छत्रपति साहूजी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको श्रद्धांजली अर्पित की गई। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि साहूजी महाराज कोल्हापुर रियासत के शासक थे। उनके शासनकाल में शिक्षा और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य हुए। नौकरी और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था सर्वप्रथम साहूजी महाराज ने ही शुरू की थी। इस मौके पर अशोक यादव, सुरेन्द्र सिंह पटेल, झल्लू यादव, सोकिम अहमद, हरिशंकर यादव, विन्ध्यवासिनी यादव, रमाकान्त यादव आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

सपा की जन पंचायत आज भटौली व बिहसड़ा मुराजपुर

मिर्जापुर। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशानुसार व प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के निर्देश पर सपा के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी की अध्यक्षता में सपा की पी0डी0ए0 जन पंचायत का आयोजन दिनांक 27 जून को छानबे विकास खण्ड के ग्राम बिहसड़ा के मुराजपुर दीप नरायन सिंह इण्टर कालेज में पूर्वाह्न 11 बजे से एवं मझवां विकास खण्ड के भटौली ग्राम सभा में अपराह्न 2 बजे पी0डी0ए0 जन पंचायत रखा गया है। जन पंचायत में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद/पूर्व मंत्री उ0प्र0 सरकार शंखलाल माझी उपस्थित रहेंगे। अतः आपलोगों से अनुरोध है कि भारी से भारी संख्या में पहुँचकर पी0डी0ए0 जन पंचायत को सफल बनायें। इस आशय की जानकारी सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने दी है।

स्कूलों में एमडीएम राशन देने में खैरा कोटेदार कर रहे हीलाहवाली

चुनार (मिर्जापुर)। क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय खैरा व प्राथमिक विद्यालय सेमरा मुतलके खैरा के प्रधानाध्यापको ने एमडीएम का राशन देने में कोटेदार पर हीलाहवाली का आरोप लगाया है। बताया कि स्कूलों में एमडीएम के लिए आया राशन कोटेदार देने में आना कानी करते हैं। राशन के लिए बार बार जाना पड़ता है। जिससे बच्चों को स्कूल में समय से मिड डे मील नहीं मिल पाता है।अध्यापकों ने खैरा गांव के कोटेदार पर मनमानी का आरोप लगाते हुए बताया कि कोटेदार समय से राशन नहीं देते हैं बार बार दौड़ाते है जिससे उच्च प्राथमिक विद्यालय खैरा की प्रभारी प्रधानाध्यापिका माधुरी सिंह ने तत्कालीन उपजिलाधिकारी चुनार नीरज पटेल के यहां प्रार्थना पत्र देकर एमडीएम का राशन पचरांव कोटेदार के यहां देने कि मांग कि थी जिसे संज्ञान में लेकर एसडीएम ने खैरा कोटेदार के यहां से हटा कर पचरांव कोटेदार के यहां संबद्ध कर राशन उठान का देने आदेश कर दिए। प्राथमिक विद्यालय सेमरा मुतलके खैरा में भी एमडीएम का राशन देने में खैरा कोटेदार मनमानी करते हैं।भारी मात्रा में एमडीएम का राशन खैरा कोटेदार रोका हुआ है। प्रभारी प्रधानाध्यापिका माधुरी सिंह आदि ने कहा कि खैरा गांव के कोटेदार एमडीएम राशन देने में हिला हवाली करते हैं।

डीएम ने की जिला आयुष समिति एवं जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

मिर्जापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार जिला आयुष समिति, जिला स्वास्थ्य समिति एवं राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की बैठक सम्बन्धित अधिकारियों के साथ की गई तथा संचालित

संचालित योजनाओं व निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा कर ली जानकारी

योजनाओ के प्रगति व निर्माण कार्यो की प्रगति के बारे में बिन्दुवार समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि विशेष/प्रमुख त्यौहारो के अवसर पर प्रमुख मन्दिरो तथा सामान्य दिनो में समय-समय पर स्कूलो/कालेजो/वेलनेस सेंटरो में आयुर्वेदिक एवं होम्यौपैथिक मेडिकल कैम्प लगाकर लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए दवा वितरण किया जाए। आयुर्वेदिक विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जनपद में संचालित कुल 54 आयुर्वेदिक अस्पतालो में 10 निर्माणाधीन है जिसमें 9 छत स्तर तक प्रगति पर है। आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने बताया कि एक चिकित्सालय जो नरायनपुर में स्थित है किराए पर तथा 19 शासकीय भवन शेष अस्पताल पंचायत भवनो में स्थापित कर संचालित किया जा रहा है। जिलाधिकारी न आयुर्वेदिक विभाग मे नियुक्त योग प्रशिक्षको के सम्बन्ध में कहा कि स्कूलो के खुलने पर रोष्टर बनाकर प्रातः प्रार्थना के समय योग प्रशिक्षको को भेजकर योगाभ्यास कराया जाए। बैठक में दवाओ की उपलब्धतता, पी0पी0पी0 परियोजनाओ की समीक्षा, सरकारी चिकित्सा ईकाईयो में जन्म लेने वाले बच्चो में टीकारण की स्थिति, मात्र मृत्यु दर की स्थिति, एफ0आर0यू0 समीक्षा सहित अन्य प्रत्येक बिन्दुओ पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सीएल वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ एसके श्रीवास्तव, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए धर्मवीर सिंह, जिला आयूर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी श्रीकांत रजक, जिला पंचायत राज अधिकारी संतोष कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी संजय बरनवाल सहित सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं यूनीसेफके प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

कार्यकारिणी की बैठक

आजमगढ़ । बी0आर0सी0 कार्यालय पल्हनी, पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ आजमगढ़ के यशस्वी जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप सिंह के आह्वान पर, ब्लॉक अध्यक्ष डॉ राजेश सिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अवधराज सिंह एव ब्लॉक मंत्री श्री संतोष राय के नेतृत्व में मर्जर/पेयरिंग के खिलाफ दिनांक 27-06-2025* को 10.00 बजे बीएसए कार्यालय पर होने वाले धरने की रणनीति बनाने के लिए कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। बैठक को संबोधित करते हुए यशवन्त सिंह पल्हनी ने कहा कि ये लड़ाई हमारे अस्तित्व की लड़ाई है इसलिए हम सबको एक बड़ी संख्या बल के साथ धरने पर अपनी उपस्थिति दिखनी होगी।बैठक में आए सभी सदस्यों के अलावा सैकड़ो शिक्षक/ शिक्षिकाओ ने अपनी राय रखी।

बाढ़ प्रभावित इलाका में एसडीएम चुनार के नेतृत्व में किया गया मॉकड्रिल

सीखड़ (मिर्जापुर)। स्थानीय ब्लॉक के रामगढ़ गांव में मानसून से पहले बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने की तैयारियों का परीक्षण किया गया। गंगा घाट पर मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ। इस अभ्यास का उद्देश्य आमजन को बाढ़ से बचाव के लिए जागरूक करना था।एसडीएम चुनार के नेतृत्व में बचाव राहत कार्यों का मॉकड्रिल कार्यक्रम किया गया।जिसमें अचानक गंगा नदी में बचाओ बचाओ की आवाज सुनाई देने लगी।

नदी के किनारे जीवन रक्षक उपकरण के साथ एसडीआरएफ ने नदी में डूब रहे लोगों को बाहर निकाल आस्थाई स्वास्थ्य शिविर में लेजाया गया जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। यह कार्यक्रम राज्य

आपदा प्रबंधन के निर्देश पर बाढ से बचने के लिए मॉकड्रिल किया गया है। मॉक ड्रिल में लोगों को बाढ़ के दौरान जान-माल की सुरक्षा के तरीके सिखाए गए। इसमें जलमग्न क्षेत्रों से सुरक्षित निकलने की विधियां बताई गईं। साथ ही प्राथमिक उपचार की जानकारी भी दी गई। यह अभ्यास आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत करने का प्रयास है। वहीं नरोत्तम सिंह पद्म सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मगरहां के छात्र-छात्राएं मॉकड्रिल में बढ़ चढ़ के हिसा लिए।बताते चले कि यह कार्यक्रम एस डी आर एफ, एसडीएम चुनार राजेश वर्मा की उपस्थिति में स्थानीय ग्रामीण को भी शामिल किया गया।

इस अवसर पर चुनार थाना प्रभारी रविंद्र भूषण मौर्या, तहसीलदार योगेन्द्र शरण शाह, नायब तहसीलदार क्रियात प्रताप नारायण ओझा, कानूनगो तारकेश्वर नाथ मिश्रा,लेखपाल विन्ध्यवासिनी मिश्रा, जितेन्द्र विश्वकर्मा, बिजली विभाग के जेई ध्यान चन्द वर्मा,बीडीओ विमल प्रकाश पाण्डेय, एडीओ पंचायत सुधीर दूबे,ग्राम प्रधान हरिओम सिंह, मुक्ती नारायण सिंह नेता सहित स्वास्थ्य विभाग, एसडीआर एफ टीम सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे।

विभिन्न ढाबे और खतरनाक उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठानों पर छापेमारी

चुनार(मिर्जापुर)। श्रम विभाग एवं बाल संरक्षण की संयुक्त टीम ने बाल श्रम मजदूरी पर अंकुश लगाने के मकसद चुनार एवं अहरौरा के विभिन्न ढाबे और खतरनाक उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई। श्रम प्रवर्तन अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि मेरू सर्विस सेंटर अहरौरा एच एस ऑटो पार्ट्स अहरौरा विनोद हीरो होंडा सेंटर अहरौरा चुनार क्षेत्र के बस स्टैंड स्थित भानु होटल और यदुवंशी बांटी चोखा के दुकान पर छापेमारी की गई छापेमारी के दौरान 6 बाल श्रमिकों को बाल मजदूरी करते हुए पकड़ा गया।

पकड़े गए बाल श्रमिकों को उसके परिजनों के हवाले करते हुए श्रम प्रवर्तन अधिकारी चुनार ज्ञानेंद्र सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में बच्चे कहीं भी बाल श्रम नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि 14 साल से

कम उम्र से बच्चे से बाल श्रम करना गैर कानूनी अपराध है। अगर कोई भी बच्चे से मजदूरी या अन्य कोई कार्य कराते हुए पकड़ा गया तो 3 साल की सजा और 10 से 20000 रूपए तक जुर्माना भी किया जा सकता है। इतना ही नहीं बच्चों के पुनर्वास के लिए 20000 रूप्ए का अतिरिक्त जुर्माना भी हो सकता है। टीम के साथ श्रम प्रवर्तन अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट टीम से एस आई रामपाल मिश्रा कांस्टेबल लाल बहादुर अनुज श्रम विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

वन महोत्सव के पौधेरोपण के लिए प्रभागीय वनाधिकारी में वनकर्मियों के साथ किया बैठक

हलिया (मिर्जापुर)। प्रभागीय वनाधिकारी कैमूर वन्यजीव प्रभाग मिर्जापुर तापस मिहिर ने बुधवार की देर शाम हलिया रेंज परिसर में वन महोत्व के पौधेरोपण की तैयारियों को लेकर वन क्षेत्राधिकारी अवध नारायण मिश्रा सहित वनकर्मियों के साथ बैठक कर वनकर्मियों से वन महोत्सव के तैयारियों को लेकर जानकारी लिया है। प्रभागीय वनाधिकारी ने वन महोत्सव के पौधेरोपण के तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कार्रवाई का निर्देश दिया है। आगामी माह जुलाई में होने वाले वन महोत्सव के पौधेरोपण की तैयारियों को पूरा करने का निर्देश दिया है। जिससे वन महोत्सव का पौधेरोपण सुचारु रूप से कराया जा सके पौधेरोपण के लिए वन क्षेत्र में अग्रिम मृदा कार्य सहित अन्य कार्यो को पूर्ण कराने का निर्देश दिया है। इसके बाद पौधेरोपण के लिए तैयार किये जा रहे पौधे का निरीक्षण किया है। प्रभागीय वनाधिकारी ने दिघिया पौधशाला व गुर्गी पौधशाला का निरीक्षण किया है। पौधशाला में तैयार किये जा रहे पौधों कि नियमित देखभाल के लिए पौधशाला प्रभारी राजकुमार वर्मा को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। इस दौरान रेंजर अवध नारायण मिश्रा, डिप्टी रेंजर सीपी तिवारी, वन दरोगा सन्नी सिंह, श्रवण कुमार संत, वन्यजीव रक्षक शीतला बक्स सिंह, नीटू शर्मा, राजकुमार वर्मा, अंकुर शुक्ला, शिवम सिंह, संदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

कुएं में गिरे मगरमच्छ को वनकर्मियों ने बाहर निकाला, अदवा बैराज में छोड़ा

हलिया (मिर्ज़ापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के देवरी गांव में घर के अंदर कुआँ में तीन फीट के मगरमच्छ को गुरुवार को देखकर वनकर्मियों को सूचना दिया। मौके पर पहुँचे वनकर्मी ने अथक प्रयास के बाद मगरमच्छ को पकड़कर सुरक्षित अदवा बैराज के गहरे जलाशय में छोड़ दिया है थाना क्षेत्र के देवरी गांव निवासी सुभाष चंद्र दूबे के घर के अंदर स्थित कुआँ में तीन फीट के मगरमच्छ को उनके परिजनों ने देखकर तत्काल वनक्षेत्रधिकारी अवध नारायण मिश्रा को सूचना दिया। वनक्षेत्रधिकारी के निर्देश पर मौके पर पहुँचे वन्यजीव रक्षक नीटू शर्मा ने अथक प्रयास के बाद कुआँ से मगरमच्छ को सुरक्षित बाहर निकालकर मगरमच्छ को सुरक्षित अदवा बैराज के गहरे जलाशय में छोड़ दिया है। तब

जाकर गृह स्वामी के परिजनों ने राहत कि सांस ली।

फूलपुर कोतवाली में शांति समिति से जुड़े सदस्यों एवं ताजियादारों की बैठक

(फूलपुर) आजमगढ़ । सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के उद्देश्य को लेकर बृहस्पतिवार को फूलपुर कोतवाली में शांति समिति से जुड़े सदस्यों एवं ताजियादारों की बैठक हुई।

इसमें परंपरागत ढंग से मोहर्रम मनाने की अपील की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसएसआई गंगा राम बिंद ने कहा ताजिया जुलूस एवं त्योहार से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए प्रार्थना पत्र पर पुलिस गंभीरता से विचार करेगी, किंतु किसी भी हालत में सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई तो गंभीर परिणाम भुगतना होगा। जिस तरह से जहाँ भी पूर्व में ताजिया दफन किया जाता रहा है।उसी तरह होगा,उन्होंने बैठक में आए ताजिया दारों से एक-एक कर उनके विचार सुने और उनसे मोहर्रम के दौरान होने वाले मजलिसों और जुलूसों को लिखित रूप से कार्यक्रमों की रूप रेखा देने को कहा और समस्याओं के निराकरण का आश्वासन भी दिया।

बिजली विभाग के अवर अभियंता देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जहां कही तार अवरोध करता है। सूचित करे उसे सही किया जायेगा।अलम अथवा ताजिया के जाने में यदि तार अवरोध करता है तो कुछ समय के लिए बिजली कटवा दी जाएगी जिससे कि जुलूस आसानी से आगे जा सके।इस मौके पर सैय्यद शमीम काजिम, शाहिद, बिस्मिल्लाह, मोहम्मद, जावेद, रिजवान, अरशद हसन इमाम, आफताब हुसैन आदि लोग थे।

गैर इरादतन हत्या के दो आरोपितों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के हलिया लालगंज मार्ग बसुहरा गांव से पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के दो आरोपितो को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसआई अच्छे लाल यादव व शिवजी यादव मय हमराह हेड कांस्टेबल राजेश मौर्या के साथ मुखबिर की सूचना पर गैर इरादतन हत्या के आरोपित खम्हारिया सूर्यवंश गांव निवासी लालचंद व लालपति को गिरफ्तार कर दोनों आरोपितो को जेल भेज दिया है। गांव निवासी हरेंद्र कुमार ने थाने में तहरीर देकर रास्ते में टटरा लगाने के विवाद को लेकर चाचा भाई लाल को धकेल दिया था। जिससे चाचा को गंभीर रूप से चोट लग गई थी और चाचा की उपचार के दौरान ट्रामा सेंटर में मौत हो गई थी। जिस पर पुलिस ने दोनों के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपितो की तलाश में जुट गई थी। इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष श्याम लाल ने बताया की गैर इरादतन हत्या के दो आरोपितो को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

प्रधान ने भूमिधरी में पटवा दिया चक मार्ग, और लगवा दिया खड़ंजा

माहुल (आजमगढ़) । अहरौला विकास खंड के ग्राम पंचायत गनवारा में एक व्यक्ति ने प्रधान पर उसकी कृषि भूमि में रास्ता बनवा कर खड़ंजा लगवाने का मामला प्रकाश में आया है।पीड़ित ने खंड विकास अधिकारी अहरौला और उपजिलाधिकारी फूलपुर को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है । गनवारा गांव में गाटा संख्या 136 राजस्व अभिलेखों में रामचरन और संतोष राजभर आदि की भूमिधरी है जिसमें वे खेती बाड़ी करते है ठीक उसी के पश्चिम और उत्तर गाटा संख्या 135 चक मार्ग है जो गांव के लिंक सड़क से काली जी के स्थान तक जाता है।

असलहा सटा कर छीना मोबाइल और रुपया

माहुल (आजमगढ़)। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना अहरौला अंतर्गत अहरौला अतरौलिया मार्ग पर स्थित झगड़ा पाकड़ गांव में सड़क के किनारे प्रवेश राजभर का घर है यह अपने बरामदे में बुधवार की रात को सो रहे थे की लगभग 1.45 बजे के करीब बोलेरो से कुछ अज्ञात लोग आए और प्रवेश राजभर के बरामदे में घुसकर कनपटी पर असलहा सटाकर मोबाइल और बरामदे में टांगे शर्ट से ?2500 लेकर गाड़ी में बैठकर मौके से फरार हो गए कनपटी पर असलहा लगने के कारण प्रवेश राजभर पुत्र राम आशीष राजभर ग्राम झगड़ा पाकड़ अहरौला थाने की पुलिस घटना की जांच में लगी हुई है।।

लड़कियों की तरक्की किताबों से होकर गुजरती है : डा. शमीम

(मुबारकपुर) आज़मगढ़ । मुबारकपुर पुरा दीवान हाजी अक़रम साहब के आवास के पास में आज शाहिन लाइब्रेरी की नई शाखा का भव्य उद्घाटन मुख्य अतिथि उमैरुस सिद्दीकी नदवी, निदेशक, दारुल मुसन्नेफीन (शिबली अकादमी) ने फीता काटकर कर किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि पुस्तकालय सभ्य समाज की रीढ़ होते हैं और आज की बेटियों को पढ़ने के लिए जितना अनुकूल माहौल मिलेगा, वे उतनी ही बुलंद उड़ान भरेंगी। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. शमीम अहमद पुर्व चैयरमेन ने कहा लड़कियों की तरक्की किताबों से होकर गुजरती है। अगर हम उन्हें किताबों से जोड़ सकें, तो समाज की सोच और संस्कृति दोनों बदल सकती हैं। शाहीन लाइब्रेरी जैसी पहलें शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला सकती हैं।

अन्य विशिष्ट अतिथियों में हाजी सुलेमान शम्सी, डॉ. प्रोफेसर अनवर शहज़ाद ने आयोजन की सराहना की और स्थानीय स्तर पर शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों को सराहा। कार्यक्रम के अंत में डायरेक्टर अनवरुल हक़ ने सभी मेहमानों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह लाइब्रेरी लड़कियों के लिए सिर्फ किताबों का नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता और सोच का एक दरवाज़ा है।

यह पुस्तकालय विशेष रूप से बालिकाओं को ज्ञान की दिशा में सशक्त करने की मंशा से शुरू किया गया है। इस अवसर पर हाजी शमशुल हक डॉक्टर मरगूब अहमद रिजवान अहमद इम्तियाज एडवोकेट बुरहानुद्दीन जमीर अहमद मैनेजर अब्दुल्ला पब्लिक स्कूल डॉक्टर जमीर अहमद आदि उपस्थित थे ।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत
एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**
स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***
फोन : 0522-4043151
swatantrabharat77@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

ईरान ने अमेरिका के मुंह पर तमाचा मारा : खामेनेई

युद्धविराम के बाद पहली बार बोले ईरान प्रमुख : ट्रंप नहीं सुधरे तो बड़ी कीमत चुकाएंगे

नई दिल्ली। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने इजरायल-ईरान युद्ध की समाप्ति के बाद बृहस्पतिवार को अपना पहला सार्वजनिक बयान दिया और दावा किया कि उनके देश ने इजरायल पर जीत हासिल की है। इजरायली सेना की तेहरान पर बमबारी के बाद 12 दिनों तक चले युद्ध के दौरान खामेनेई ने एक गुप्त स्थान पर शरण ले रखी थी। गुरुवार को अपने संबोधन में खामेनेई ने तीन ईरानी परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हवाई हमलों के बारे में बात करते हुए कहा कि अमेरिकी हमलों से हमारे परमाणु ठिकानों को कुछ ज्यादा नुकसान नहीं हो सका है लेकिन हमने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला कर उसके मुंह पर तमाचा जड़ा है। युद्धविराम के बाद अपने पहले वीडियो संदेश में खामेनेई ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के मुंह पर तमाचा मारा है और इजरायल पर विजय हासिल की है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस संघर्ष के दौरान अपने दिखावटी नजरिए का प्रदर्शन किया, जबकि उन्हें इसमें सुधार करने की जरूरत है। बता दें कि 22 जून को 12 दिनों से चली आ रही इजरायल-ईरान जंग में अमेरिका कूद पड़ा था और उसने इस्लामिक गणराज्य के फोर्डो, नतांज और इस्फहान स्थित प्रमुख परमाणु स्थलों पर बंकर बस्टर बमों से हमला बोल दिया था। इसके अगले ही दिन ईरान ने कतर और इराक में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मिसाइलों से हमले किए थे।

खामेनेई के एक्स अकाउंट से किए गए एक पोस्ट में कहा गया है, अमेरिकी शासन पर हमारे प्यारे ईरान की जीत के लिए बधाई। अमेरिकी शासन ने सीधे युद्ध में प्रवेश किया क्योंकि उसे लगा कि अगर वह ऐसा नहीं करता, तो ज़ायोनी शासन पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। हालांकि, इस युद्ध से उसे कुछ हासिल नहीं हुआ। यहां भी, इस्लामिक रिपब्लिक विजयी हुआ और बदले में अमेरिका के चेहरे पर जोरदार तमाचा लगा। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को ''इस युद्ध से कुछ हासिल नहीं हुआ है।'' यह नया बयान खामेनेई द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए उनके उस पोस्ट के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था, ईरान किसी भी परिस्थिति में किसी से भी किसी भी तरह का उत्पीड़न स्वीकार नहीं करेगा और किसी के आगे नहीं झुकेगा। उसने पुलिस को अपने बीमारी की जानकारी नहीं दी थी। रात में पुलिस ने उसका मेडिकल कराया तो पता चला कि वह [illegible] पॉजीटिव है। मेडिकल रिपोर्ट सामने आने पर पुलिस वालों के भी हाथ पांव फूल गए थे। इसके बाद ही उसके कई काले चिट्ठे सामने आए। पता चला कि आसपास के इलाकों की करीब सात महिलाओं से वह संपर्क में था।खामेनेई ने कहा कि ऐसा क्षण कभी नहीं आएगा, जब ईरान सरेंडर कर दे। अयातुल्ला खामेनेई ने कहा कि ईरान के दुश्मन मिसाइलों और हमारे न्यूक्लियर प्रोग्राम का बहाना बनाकर हमले कर रहे थे, लेकिन सच यह है कि उनकी चाहत हमारे सरेंडर की थी। ट्रंप ने सच्चाई यह कहते हुए बयां भी कर दी थी कि वे हमारा सरेंडर चाहते हैं। ईरान पर हमला करके अमेरिका को कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। यदि उसने कभी भविष्य में ईरान पर हमले की कोशिश की तो उसे भारी कीमत चुकानी होगी। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने इजरायल के साथ सीजफायर के बाद पहली बार यह बात कही। गुरुवार को पहली बार सार्वजनिक भाषण देते हुए खामेनेई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने एक भाषण में कहा था कि ईरान को सरेंडर कर देना चाहिए। यह मामला यूरेनियम का लेवल बढ़ाने का नहीं है और ना ही यह न्यूक्लियर इंडस्ट्री का मसला है। यह बात तो ईरान के सरेंडर की है। उनका यह कहना था, लेकिन हम स्पष्ट करते हैं कि ईरान कभी सरेंडर नहीं करेगा।

खामेनेई ने चेतावनी दी कि ईरान के पास क्षेत्र में अमेरिका पर अपनी इच्छानुसार हमला करने की क्षमता है. उनके आधिकारिक अकाउंट से एक पोस्ट में लिखा गया, यह सच कि इस्लामिक गणराज्य के पास क्षेत्र में प्रमुख अमेरिकी केंद्रों तक पहुंच है और जब भी वह जरूरी समझे, कार्रवाई कर सकता है, एक महत्वपूर्ण बात है. भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई दोहराई जा सकती है. अगर कोई हमला होता है तो दुश्मन को निश्चित रूप से भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने विशेष न्यायाधिकरण को दी मंजूरी, रूसी नेताओं पर चल सकेगा मुकदमा

कीव। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के शीर्ष अधिकारियों और नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए नए अंतरराष्ट्रीय कोर्ट को गठित करने की योजना को मंजूरी दे दी है। इस नई अदालत में रूसी अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा यूक्रेन पर हमले के आरोप में चलाया जाएगा। यूक्रेन और यूरोपीय परिषद के बीच समझौते के तहत विशेष न्यायाधिकरण का गठन किया जाएगा।

नई अंतरराष्ट्रीय अदालत के गठन का उद्देश्य यूक्रेन के खिलाफ आक्रमण के लिए रूसी नेताओं और अधिकारियों को सजा देना है। यूक्रेन का आरोप है कि रूसी सेना ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर हमले के बाद से अनगिनत युद्ध अपराध किए हैं। अभी जो अंतरराष्ट्रीय अदालतें मौजूद हैं जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय को रूसी नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने का अधिकार नहीं है। यूक्रेन लंबे समय से विशेष अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की मांग कर रहा था, ताकि रूसी अधिकारियों और नेताओं को युद्ध अपराध जैसे नागरिक ठिकानों पर हमले, आम नागरिकों की हत्या, दुष्कर्म, लोगों का अपहरण करके उन्हें प्रताड़ित करने आदि के लिए दंडित किया जा सके। हालांकि रूस इन आरोपों से इनकार करता है। हालांकि नया अंतरराष्ट्रीय न्यायालय कहां बनेगा और कैसे काम करेगा, इस पर अभी भी फैसला किया जाना बाकी है। हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय जैसा ही नए कोर्ट का भी कानूनी ढांचा हो सकता है, लेकिन अभी कुछ भी तय नहीं है। अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत राष्ट्राध्यक्ष और शीर्ष नेताओं को अक्सर मुकदमे से सुरक्षा मिलती है। इस नई अंतरराष्ट्रीय अदालत को नीदरलैंड्स, जापान, कनाडा जैसे देशों से फंडिंग मिलेगी। अमेरिका ने जो बाइडन के नेतृत्व में इसे समर्थन दिया था, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से इस प्रोजेक्ट का समर्थन नहीं किया जा रहा है।

पाकिस्तान के आचरण की कड़ी आलोचना

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तनावपूर्ण माहौल में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बच्चों और सशस्त्र संघर्ष (सीएएसी) पर वार्षिक खुली बहस के दौरान पाकिस्तान के आचरण की कड़ी आलोचना की। भारत ने इस्लामाबाद पर अपने आंतरिक मानवाधिकार हनन और राज्य प्रायोजित आतंकवाद से ध्यान हटाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के मंचों का हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। राजदूत हरीश ने पाकिस्तान को सीएएसी एजेंडे का गंभीर उल्लंघन करने वालों में से एक करार देते हुए उसकी निंदा की, जिसमें लड़कियों के स्कूलों और स्वास्थ्य कर्मियों पर हमले और अफगानिस्तान में सीमा पार से गोलाबारी शामिल है, जिसमें नाबालिगों को नुकसान पहुँचाया गया।

भारत के स्टैंड पर ईरान हुआ खुश, जताया आभार

नई दिल्ल। ईरान ने सैन्य हमलों के दौरान उसके साथ खड़े रहने के लिए भारत के प्रति आभार जताया. इजराइल ने उसके खिलाफ हमला किया था जबकि बाद में अमेरिका ने भी उसके परमाणु ठिकानों पर भीषण बमबारी की. ईरानी दूतावास ने एक बयान में कहा कि वह तेहरान का साथ देने वालों के वास्तविक और अमूल्य समर्थन की सराहना करता है. हालांकि, इसने भारत सरकार का कोई संदर्भ नहीं दिया. अमेरिका द्वारा रविवार सुबह ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी के बाद ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष बढ़ गया. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को ईरान और इजराइल के बीच युद्ध विराम की घोषणा की. बुधवार को युद्ध विराम लागू होता दिख रहा है. अपनी प्रतिक्रिया में नई दिल्ली ने मंगलवार को संघर्ष विराम का स्वागत किया और कहा कि वह स्थिति को सुलझाने में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है. ईरानी दूतावास ने भारत के सभी स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों जो ईरान के साथ दृढ़ता और मुखरता से खड़े हैं उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया. स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों में राजनीतिक दल, संसद सदस्य, गैर-सरकारी संगठन, धार्मिक और आध्यात्मिक नेता, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, मीडिया के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता और सभी व्यक्ति और संस्थान शामिल हैं।

एक नज़र

तेलंगाना में नशे में धुत महिला ने रेलवे ट्रैक पर कार दौड़ाई, कई ट्रेनें रोकी गईं

हैदराबा। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में आने वाले शंकरपल्ली में एक महिला ने अपनी कार को रेलवे ट्रैक पर दौड़ा दी, जिससे रेल परिचालन कुछ देर के लिए ठप हो गया। दरअसल, गुरुवार सुबह रेलवे रखरखाव कर्मचारियों ने कोडंगल गेट के पास रेलवे ट्रैक पर एक सफेद कार को चलते हुए देखा, जिससे वह चौंक गए। उन्होंने तुरंत महिला को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह कार चलाती रही और ट्रैक के किनारे टकरा दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, रेल कर्मचारियों ने पहले किसी भी दुर्घटना की आशंका को टालने के लिए तुरंत प्रोटोकॉल के तहत उस ट्रैक पर आवाजाही रोकी और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को सूचना दी। रेलवे पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया है। महिला शराब के नशे में बताई जा रही थीं। उनकी कार में कोई नंबर भी नहीं था। महिला की वजह से बेंगलुरु और हैदराबाद के बीच चलने वाली ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। घटना की वीडियो में महिला को कार से निकालते समय उसका चेहरा काले रंग के मास्क से ढका हुआ था। महिला के कार पर कोई नंबर प्लेट न होने से शक बढ़ गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

नौसेना मुख्यालय का कर्मचारी पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित नौसेना मुख्यालय का एक कर्मचारी पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान विशाल यादव के तौर पर हुई है। यादव हरियाणा का रहने वाला है और मुख्यालय में डॉकयार्ड निदेशालय में क्लर्क के रूप में तैनात है। यादव पर आरोप है कि वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए कई वर्षों से काम कर रहा था और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी उसने कई गुप्त सूचनाएं पाकिस्तान को दी हैं। महीनों निगरानी के बाद राजस्थान की खुफिया पुलिस ने उसे आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 के तहत गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजस्थान की खुफिया इकाई पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की जासूसी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। तभी जांच के दौरान पता चला कि यादव ने नौसेना और अन्य रक्षा इकाइयों से जुड़ी गोपनीय जानकारियों को एक महिला को मुहैया कराकर पैसे लिए हैं। महिला पाकिस्तानी हैंडलर थी, जिससे यादव सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में था। अभी तक जांच में सामने आया है कि जिस महिला के साथ यादव कथित तौर पर सामरिक जानकारी साझा कर पैसे ले रहा था, उसका नाम प्रिया शर्मा है। पुलिस का कहना है कि विशाल यादव ऑनलाइन गेम खेलता है, जिससे उसने काफी पैसा लुटा दिया है। उसकी भरपाई के लिए वह जासूसी कर पैसे जुटा रहा था। उसे क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग अकाउंट और सीधे बैंक खातों के जरिए पैसे मिल रहे थे। उससे पूछताछ की जा रही है।

भारत को जो एफ-35 अमेरिका बेचना चाह रहा था

नई दिल्ली। बताया जा रहा है कि 30 से 40 लोगों की एक बड़ी टेक्निकल टीम इस फाइटर जेट को ठीक करने के लिए आ रही है। अगर ऐसा नहीं हो पाया तो फिर इसके कलपुर्जों को खोलकर विमान में पैक करके वापस ले जाया जाएगा। लेकिन इससे भी बड़ी जानकारी अब ये सामने आ रही है कि ब्रिटिश फाइटर जेट को एयरपोर्ट पर खड़े होने की कीमत चुकानी पड़ेगी। बीते तेरह दिनों से ब्रिटिश रॉयल नेवी का एफ 35बी लाइटिंग टब फाइटर जेट भारत में खड़ा है। 110 मिलियन डॉलर की कीमत का ये अत्याधुनिक फाइटर जेट उड़ान नहीं भर पा रहा है और भारत के तिरुवंतपुरम एयरपोर्ट पर खड़ा है। अब इसे लेकर नए अपडेट सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि 30 से 40 लोगों की एक बड़ी टेक्निकल टीम इस फाइटर जेट को ठीक करने के लिए आ रही है। अगर ऐसा नहीं हो पाया तो फिर इसके कलपुर्जों को खोलकर विमान में पैक करके वापस ले जाया जाएगा। लेकिन इससे भी बड़ी जानकारी अब ये सामने आ रही है कि ब्रिटिश फाइटर जेट को एयरपोर्ट पर खड़े होने की कीमत चुकानी पड़ेगी। दरअसल, 14 जून की रात को कुछ इमरजेंसी के कारण रॉयल नेवी का उड़ता हथियार एफ-35 बी स्टील्थ फाइटर जेट को भारत में लैंड कराया गया। आपको बता दें कि ये वहीं लड़ाकू विमान है जिसे अमेरिका ने तैयार किया है और वो भारत को लगातार इसी की पेशकश कर रहा है। लेकिन सच्चाई ये है कि ये विमान पिछले 13 दिनों से भारत में जमीन पर खड़ा है। वैसे इस विमान को लेकर बड़े बड़े दावे किए जाते हैं। एक दावा तो ये भी है कि ये रडार में नहीं आता। लेकिन इमरजेंसी में जब इसे भारत में लैंड करना पड़ा तो भारतीय वायुसेना के आईएसीसीएस प्रणाली ने न केवल इसे ट्रैक किया बल्कि लैंडिंग से लेकर टेक्निकल सपोर्ट तक हर स्तर पर तेजी से मदद भी पहुंचाई।

बिहार चुनाव : ममता का ईसी पर तीखा हमला

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बिहार चुनाव के नाम पर पूरे देश में एनआरसी जैसी प्रक्रिया लागू करने की तैयारी हो रही है। उन्होंने इसे देश के लोकतंत्र के लिए खतरनाक और अलार्मिंग करार दिया। ममता ने कहा कि राज्य सरकार को चुनाव आयोग से कुछ दस्तावेज प्राप्त हुए हैं, जिनमें मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए माता-पिता के जन्म प्रमाण पत्र जमा करने की बात कही गई है।

दरअसल, चुनाव आयोग बिहार समेत छह राज्यों में विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान शुरू करने जा रही है। इसका उद्देश्य अवैध विदेशी नागरिकों को वोटर लिस्ट से हटाकर एक सटीक और विश्वसनीय मतदाता सूची तैयार करना है। अब क्योंकि बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए यह प्रक्रिया बिहार से शुरू की जा रही है।

ममता बनर्जी का आगे कहना है, यह फिलहाल बिहार में लागू किया गया है, लेकिन साफ है कि इसे देश के हर राज्य में लागू किया जाएगा। असली निशाना बंगाल है, क्योंकि वे प्रवासी मजदूरों और गरीब वोटरों से डरते हैं। मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि गरीबों और श्रमिकों के पास अपने माता-पिता के प्रमाण पत्र कहां से आएंगे? उन्होंने इस नई प्रक्रिया की तुलना सीधे एनआरसी से की और इसे उससे भी अधिक खतरनाक बताया। उन्होंने आरोप लगाया, ये लोग जानबूझकर गरीबों और युवा वोटरों का हक छीनना चाहते हैं।

सात दिनों की पुलिस रिमांड पर मजीठिया

नई दिल्ली। आय से अधिक संपत्ति केस में एक दिन पहले गिरफ्तार किए गए पंजाब के पूर्व मंत्री और शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को मोहाली अदालत ने 7 दिनों की रिमांड पर भेज दिया है। अदालत का यह आदेश मजीठिया को अदालत परिसर में लाए जाने के ढाई घंटे बाद आया। अब पुलिस मजीठिया से इस मामले में पूछताछ करेगी। मजीठिया की पेशी के दौरान कोर्ट के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था, क्योंकि अकाली दल के कार्यकर्ता उनकी गिरफ्तारी के बाद से प्रदर्शन कर रहे हैं। मजीठिया की अगली पेशी अब 2 जुलाई को होगी। सरकारी वकील ने पक्ष रखते हुए कहा कि बिक्रम सिंह मजीठिया ने अपने पद का दुरुपयोग कर आए से अधिक संपत्ति इकट्ठा की है। उनकी सभी कंपनियों की जांच करनी जरूरी है, जिसके लिए इन्हें मोहाली से बाहर भी ले जाना पड़ेगा। वहीं, बिक्रम सिंह मजीठिया के वकील अर्शदीप सिंह कलेर ने दलील दी कि राजनीतिक बदलाखोरी की वजह से यह केस किया गया है। उन्होंने कहा कि विजिलेंस ब्यूरो जिस स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम की रिपोर्ट का हवाला दे रहा है, उस रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से खारिज कर दिया गया है।

यूपी सरकार को सुप्रीम फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगाई है। कोर्ट ने एक आरोपी को जमानत आदेश में कुछ कमियों के चलते रिहा न करने पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि भगवान जाने कितने लोग तकनीकी खामियों के चलते आपकी जेलों में सड़ रहे हैं। कोर्ट ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। एक जिला जज इस मामले की जांच करेंगे। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि आरोपी को रिहा करने में देरी क्यों हुई। साथ ही, यह भी देखा जाएगा कि क्या इसके पीछे कोई गलत मंशा थी। कोर्ट ने राज्य

स्क्रीन टाइम छोटे बच्चों को फायदा या नुकसान पहुंचा सकता है

नई दिल्ली। आज लोग अपना ज्यादातर वक्त स्मार्टफोन, कम्प्यूटर, टैबलेट, टेलीविजन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे डिजीटल स्क्रीन पर बिताते हैं और इस पर दुनियाभर में विशेषज्ञों तथा माता-पिता के बीच बहस छिड़ी हुई है कि क्या छोटे बच्चों को इन डिजीटल उपकरणों का इस्तेमाल करने देना चाहिए। तो फिर 'स्क्रीन टाइम' का बच्चे के तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक विकास पर वास्तविक प्रभाव क्या है? कई बाल चिकित्सा संघ बचपन में खासतौर से पांच साल की आयु तक के बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम को सीमित रखने की सलाह देते हैं लेकिन अनुसंधान से पता चलता है कि यह तस्वीर पूरी तरह से सच नहीं है। बच्चे स्क्रीन टाइम में क्या देखते हैं, वह इसके प्रभाव के लिए महत्वपूर्ण है।

शारीरिक प्रभाव

कई अध्ययनों में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि स्क्रीन के लंबे समय तक उपयोग से बच्चों में आंखों की थकान, आंखों में सूखापन और निकट दृष्टि दोष हो सकता है। इसके अलावा, बच्चों को जिस प्राकृतिक उत्तेजना की ज़रूरत होती है, तकनीक उसकी जगह नहीं ले सकती और न ही लेनी चाहिए। 'फ्री प्ले', शारीरिक व्यायाम, आमने-सामने बातचीत और प्रकृति के साथ संपर्क सभी बच्चे के विकास के लिए जरूरी हैं, लेकिन इनके स्थान पर स्क्रीन टाइम से मोटापे, दृष्टि दोष और सीखने की कठिनाइयों का जोखिम बढ़ सकता है।

तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक प्रभाव

शारीरिक प्रभाव के अलावा स्क्रीन टाइम के कारण ध्यान, भाषा सीखने और भावनात्मक विनियमन जैसे कार्यों पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में चिंता है। तीन वर्ष से कम आयु के बच्चों पर किए गए 102 अध्ययनों की समीक्षा से पता चलता है कि स्क्रीन टाइम के घंटे ही एकमात्र कारक नहीं है, परिस्थितियाँ और संदर्भ भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। यदि कोई बच्चा खेल रहा है और उस दौरान टेलीविजन चालू छोड़ रखा है तो इससे बच्चे के खेल, ध्यान और बातचीत में बाधा आती है, भले ही बच्चा सीधे तौर पर टेलीविजन न देख रहा हो। यदि शैक्षिक उद्देश्यों के लिए और देखरेख में उपयोग किया जाए तो टैबलेट, मोबाइल फोन और टेलीविजन मूल्यवान शिक्षण उपकरण हो सकते हैं, लेकिन यदि इनका लापरवाही से उपयोग किया जाए तो ये सामाजिक संपर्क को सीमित कर सकते हैं।

असली समस्या : अनुचित सामग्री

प्रमुख खतरा स्क्रीन ही नहीं है, बल्कि उस पर मौजूद सामग्री है। बच्चों के अनुकूल न होने वाली सामग्री को देखने से ध्यान और कार्यों में कठिनाई होती है। यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म को देखने से सबसे छोटे बच्चों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। दो से तीन साल की उम्र के बच्चे, जो इस प्लेटफॉर्म के ज़्यादा संपर्क में रहते हैं, उनमें भाषाई विकास का स्तर कम होता है। इससे सामाजिक संपर्क में कठिनाई आ सकती है। अन्य अध्ययनों से पता चलता है कि अत्यधिक टेलीविजन देखने से सात साल की उम्र में अधिक बैचेनी होने के साथ ही गणित और शब्दावली में खराब प्रदर्शन भी देखा गया। यह भी पाया गया है कि 15 से 48 महीनों के बीच बहुत अधिक टेलीविजन देखने से भाषा विकास में देरी की आशंका तीन गुना बढ़ जाती है।

बच्चों के अनुकूल सामग्री क्या है?

यहीं से कहानी बदल जाती है। बच्चों और शैक्षणिक सामग्री का सकारात्मक प्रभाव हो सकता है, खासकर अगर इसमें बातचीत भी शामिल हो उदाहरण के लिए, चार से छह वर्ष की आयु के बच्चों में ध्यान और कार्यकारी कार्यों में सुधार के लिए बनाए गए डिजिटल कार्यक्रमों ने न केवल इन क्षमताओं में सुधार दिखाया है, बल्कि बुद्धिमत्ता, ध्यान और कार्यशील स्मृति (वर्किंग मेमोरी) में भी सुधार दिखाया है। परिवार से बातचीत के साथ-साथ डिजीटल कार्यक्रमों के उपयोग से दो से चार वर्ष की आयु के उन बच्चों की भाषा में सुधार देखा गया जिनमें भाषा सीखने में देरी देखी गयी थी।

विशेषज्ञों की सलाह

कई विशेषज्ञ निकायों ने ये सिफारिशें की हैं कि स्क्रीन टाइम का सर्वोत्तम उपयोग कैसे किया जाए। 'अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स' ने 18 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए स्क्रीन से दूर रहने का सुझाव दिया है (वीडियो कॉल को छोड़कर)। जब वे 18-24 महीने के हो जाते हैं, तो वे केवल गुणवत्तापूर्ण सामग्री देखने की सलाह देते हैं वह भी वयस्कों की मौजूदगी में। दो से पांच वर्ष की आयु के बच्चों के मामले में, प्रतिदिन अधिकतम एक घंटे की शैक्षिक सामग्री देखने की अनुमति दी जानी चाहिए।

सिमरन कौर निभाएंगी कोर्टरूम एक्ट!

दिलचस्प फैमिली ड्रामा 'जमाई नं.1' के हर मोड़ में कुछ नया, कुछ चौंकाने वाला देखने को मिलता है। अब शो में एक नया मोड़ आने वाला है, जहां रिद्धि (सिमरन कौर) पहली बार एक मजबूत कदम उठाएगी और अपने पति नील (अभिषेक मलिक) को बचाने के लिए अदालत में खड़ी होगी। नील पर सायली (सोनल वेंगुर्लेकर) ने एक झूठा इल्ज़ाम लगाया है, और रिद्धि अब अपनी ज़िंदगी की सबसे बड़ी लड़ाई लड़ने जा रही है। आने वाले एपिसोड्स में दर्शक रिद्धि के किरदार में जबर्दस्त बदलाव देखेंगे - एक पत्नी से एक जुझारू वकील तक का सफर, जो अपने पति के लिए इंसाफ की लड़ाई लड़ेगी। इस सीन को और खास बनाता है सिमरन का पर्दे पर वकील का किरदार निभाना। इस रोल को असली और असरदार बनाने के लिए उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। कानूनी बारीकियों को समझने से लेकर कई कोर्ट ड्रामा फिल्मे देखकर तैयारी करने तक, सिमरन ने इस चैलेंज को पूरे जोश से अपनाया। उनकी तैयारी में एक बड़ी प्रेरणा रही बॉलीवुड की हिट फिल्म 'ऐतराज', जिसमें करीना कपूर खान ने एडवोकेट प्रिया सक्सेना मल्होत्रा का किरदार निभाया था जो कोर्ट में अपने पति के बचाव में केस लड़ती हैं। उसी जोश और गहराई को सिमरन ने अपने किरदार में भी उतारा है, जिससे रिद्धि न सिर्फ मज़बूत बल्कि इमोशन से भी जुड़ी हुई नज़र आएगी। सिमरन कौर ने बताया, ''एक वकील का रोल निभाने से पहले मैंने कोर्ट में वकीलों की बॉडी लैंग्वेज, उनका आत्मविश्वास और बोलने का तरीका समझने की कोशिश की। मैंने 'ऐतराज' जैसी कुछ फिल्में देखीं और खासतौर पर करीना कपूर का कोर्ट में आत्मविश्वास भरा अंदाज़, जो शांत रहकर मजबूती से अपनी बात रखती हैं। इससे मुझे काफी मदद मिली। मैंने ध्यान रखा कि रिद्धि के किरदार में वो ताकत दिखे लेकिन उसमें बहुत ज्यादा ड्रामा न हो।'' मालूम हो कि 'जमाई नं.1', रोज रात 10 बजकर 45 मिनट पर ज़ी टीवी पर प्रसारित है।

बनना चाहता था आर्किटेक्ट, पिता की ख्वाहिश से बना वकील : सीजेआई गवई

अमरावत। महाराष्ट्र के अमरावती में वकीलों के एसोसिएशन की ओर से देश के चीफ जस्टिस बीआर गवई को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर आयोजित समारोह में चीफ जस्टिस गवई के परिवार के सदस्यों, हाईकोर्ट के न्यायाधीशों, मित्रों, स्कूल के शिक्षकों समेत कई बड़े वकील शामिल हुए. समारोह के दौरान चीफ जस्टिस ने पुरानी यादों को ताजा किया. अमरावती चीफ जस्टिस बीआर गवई का जन्मस्थान है। समारोह में चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा, मैं कभी भी वकील नहीं बनना चाहता था. मैं हमेशा एक वास्तुकार बनना चाहता था. दरअसल हुआ ये कि मेरे पिता दादसाहेब एलएलबी कर रहे थे लेकिन वह भूमिहीन सत्याग्रह आंदोलन के दौरान जेल चले गए. इसके चलते वह परीक्षा के लिए उपस्थित नहीं हो सके.

उसके बाद उन्होंने पूर्णकालिक राजनीति में सक्रिया हो गए. इसलिए वह वकील नहीं बन सके. हालांकि, वह चाहते थे कि मैं एक वकील बनूं. मैं उनके आदेशों पर एक वकील बन गया और आगे चलकर इस जगह तक पहुंचा. पिता के आदेशों का पालन कर आज में खुश हूं। देश के चीफ जस्टिस बनने के बाद न्यायमूर्ति भूषण गवई ने स्पष्ट कर दिया था कि वे अपने अमरावती जिला वकील संघ की ओर से प्रथम अभिनंदन स्वीकार करेंगे. अमरावती जिला वकील संघ ने उपस्थित अनेक गणमान्यों और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की मौजूदगी में चीफ जस्टिस गवई का अभिनंदन किया.

बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच के जस्टिस नितिन सांबरे की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह में देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन.वी. रमन्ना, बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच के जस्टिस प्रवीण पाटिल, जस्टिस अनिल किलोर शामिल हुए। चीफ जस्टिस गवई ने कहा उन्होंने जज बनने के बारे में कभी सोचा ही नहीं था. उन्होंने कहा,जब मैंने नागपुर में वकालत शुरू की तो उस समय मनोहर साहब एडवोकेट जनरल थे. उन्होंने मुझे एलएलबी करने के लिए प्रेरित किया. फिर एक साल तक सरकारी वकील के रूप में काम करने के बाद मैंने इस्तीफा दे दिया।

बाजार दर्पण